शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 137 | गुवाहाटी | बुधवार, 13 दिसंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कछार एसपी ने किया पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित — पेज 3
सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने जापानी ओयाशियो क्लास पनडुब्बी का किया दौरा — पेज 4
भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए लक्ष्य व संकल्प के साथ कार्य करें ... — पेज 5
टेक्सटाइल और पैकेजिंग से जुड़े कारोबारियों पर आयकर सर्वे... — पेज 8

कम उम्र में विवाह

कार्रवाई के बाद राज्य में मातृ शिशु मृत्यु में आई गिरावट : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि इस साल राज्य में बाल विवाह पर कार्रवाई शुरू होने के बाद से मातृ मृत्यु दर में 33 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है और बाल मृत्यु में लगभग 15 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने 2026 तक बाल विवाह की सामाजिक बुराई को खत्म करने के राज्य सरकार के लक्ष्य की पुष्टि की, जिसमें 5,000 से अधिक लोग पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। उन्होंने एक्स पर कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक बुराई है, जो उच्च शिशु और मातृ मृत्यु दर जैसे अवांछनीय स्वास्थ्य परिणामों को भी प्रकट करता है। उन्होंने कहा कि हमारी कार्रवाई से महिला एवं बाल स्वास्थ्य क्षेत्र में उत्साहजनक परिणाम मिले हैं। 2026 तक, असम इस घृणित प्रथा को समाप्त कर देगा। शर्मा ने कहा कि असम में शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) और मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) राष्ट्रीय औसत से अधिक है, और यह अन्य की तुलना में कुछ जिलों में अधिक प्रचलित है। उन्होंने कहा कि उच्च आईएमआर और एमएमआर का मुख्य कारण बाल विवाह है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2020 में राज्य में 5 साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर राष्ट्रीय औसत 32 प्रतिशत के मुकाबले 40 प्रतिशत थी। इस समस्या पर अंकुश लगाने के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कुछ कदमों को सूचीबद्ध करते हुए, शर्मा ने कहा कि बाल विवाह के खिलाफ कई चरणों में बड़े पैमाने पर कार्रवाई में 5,000 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि असम सरकार ने ग्राम पंचायत सचिवों को बाल विवाह रोकथाम (निषेध) अधिकारी के रूप में भी नामित किया -शेष पृष्ठ दो पर

नागरिकता कानून की सुनवाई के दौरान एसजी ने एससी से कहा-

असम कभी भी म्यांमार का हिस्सा नहीं था

नई दिल्ली। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि असम कभी भी म्यांमार का हिस्सा नहीं था। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने असम के म्यांमार का हिस्सा होने का गलत संदर्भ देते हुए कहा कि उन्होंने इतिहास की गलत किताब पढ़ी है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ असम में अवैध प्रवासियों से संबंधित नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली 17 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। नागरिकता अधिनियम में धारा 60 को असम समझौते के अंतर्गत आने वाले लोगों की नागरिकता से निपटने के लिए एक विशेष प्रावधान के रूप में जोड़ा गया था। केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे मेहता ने पीठ के समक्ष कहा कि मुझे नहीं लगता कि धारा 6ए की वैधता तय करने का इसका कोई उद्देश्य हो सकता है। लेकिन, मेरे विद्वान वरिष्ठ मित्र (वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल) ने कुछ इतिहास का हवाला दिया था। ऐसा लगता है कि उन्होंने इतिहास की गलत किताब पढ़ ली है। असम -शेष पृष्ठ दो पर

एससी ने सुरक्षित रखा फैसला

नई दिल्ली। असम नागरिकता मामले में सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की संविधान पीठ ने फैसला सुरक्षित रखा है। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 6ए की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। सुप्रीम कोर्ट तय करेगा कि नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 6ए संवैधानिक है या नहीं। सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने माना कि असम में अवैध इमीग्रेशन एक -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री से की मुलाकात

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को यहां संसद भवन में केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने असम में हरित अर्थव्यवस्था की अपार संभावनाओं पर चर्चा की और बताया कि कैसे आगामी रणनीतिक निवेश राज्य को एक प्रमुख ऊर्जा केंद्र बना सकते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हरित ऊर्जा क्षेत्र में असम की जबरदस्त क्षमता को देखते हुए, केंद्र सरकार राज्य को एक प्रमुख ऊर्जा केंद्र बनाने के लिए हर संभव मदद और सहायता देगी। बाद में, -शेष पृष्ठ दो पर

एमपी और छत्तीसगढ़ में आज नए सीएम का शपथ ग्रहण समारोह, पीएम मोदी होंगे शामिल

भोपाल /रायपुर। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री बुधवार को शपथ ग्रहण लेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। बुधवार सुबह 11:30 बजे प्रधानमंत्री भोपाल में मुख्यमंत्री मोहन यादव और उनके कैबिनेट मंत्रियों को शपथ लेते देखने के लिए मौजूद रहेंगे। उस दिन बाद में, पीएम मोदी रायपुर जाएंगे जहां वह मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उनकी टीम के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। यह समारोह शाम 4:00 बजे होगा। मध्य प्रदेश के मनोनीत मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि राज्य की नई सरकार का शपथ समारोह बुधवार को होगा। यादव ने भोपाल में कहा कि शपथ समारोह परसों 13 दिसंबर को होगा। यादव के साथ-साथ मनोनीत उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला और -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

राजस्थान के मुख्यमंत्री बने भजन लाल शर्मा, 15 को लेंगे शपथ

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के नेता भजन लाल शर्मा शुक्रवार 15 दिसंबर को जयपुर में राजस्थान के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। यह 56 वर्षीय ब्राह्मण नेता और पहली बार विधायक बने को पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षकों द्वारा राज्य के अगले मुख्यमंत्री के रूप में नामित किए जाने के कुछ घंटों बाद आया है। इससे पहले राजस्थान के मनोनीत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने दो उपमुख्यमंत्रियों के साथ राज्यपाल कलराज मिश्र -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर के आंतरिक मामले में मिजोरम के सीएम हस्तक्षेप न करें : बीरेन सिंह

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने मिजोरम के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि वे मणिपुर के आंतरिक मामले में हस्तक्षेप न करें, बल्कि राज्य में शांति बहाल करने में समर्थन दें। मिजोरम के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री द्वारा व्यक्त की गई टिप्पणियों का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने अपने पड़ोसी समकक्ष से अपील की कि वे ऐसे विचार व्यक्त करने के बजाय मणिपुर में सामान्य स्थिति बहाल करने में अपना समर्थन दें, जो उनके संवैधानिक अधिकारों से परे है। मुख्यमंत्री ने आज आयोजित नुपी लाल नुमिट के समारोह के दौरान अपनी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। कार्यक्रम उन बहादुर महिलाओं की स्मृति में आयोजित किया गया था, जिन्होंने तत्कालीन ब्रिटिश सरकार के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी थी। नुपी लाल मेमोरियल परिसर में दिवंगत महिला स्वतंत्रता सेनानियों को पुष्पांजलि अर्पित करके यह उत्सव मनाया गया। इसके बाद जीपी महिला महाविद्यालय सेंट्रल हॉल में औपचारिक समारोह आयोजित किया गया। समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि मिजोरम के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री ने मोरेह में रहने वाले मणिपुर के लोगों के संबंध में एक टिप्पणी व्यक्त की, जो -शेष पृष्ठ दो पर

जहन्नुम में जाए जम्मू-कश्मीर : फारूक

नई दिल्ली। नेशनल कांफ्रेंस के प्रमुख और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला से जब अनुच्छेद 370 को निरस्त करने पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर को जहन्नुम में जाना चाहिए। पत्रकारों ने फारूक अब्दुल्ला से जम्मू-कश्मीर को लेकर सवाल पूछा। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर को जहन्नुम में जाने दो...उन्होंने लोगों को धोखा दिया। वे लोगों का दिल जीतना चाहते हैं। यदि आप लोगों को दूर धकेलने के लिए ऐसी चीजें करेंगे तो आप कैसे जीतेंगे? हालांकि, बाद में सफाई देते हुए फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि आप सचमुच इसे जहन्नुम में ले जा रहे हैं...यदि पृथ्वी पर स्वर्ग है, तो वह यहीं है, यहीं है, यहीं है लेकिन स्वर्ग के लिए क्या किया गया? जब दूसरे राज्यों में चुनाव हो रहे हैं तो जम्मू-कश्मीर में क्यों नहीं? वे कहते हैं -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

सबसे बड़ा गुरु मंत्र, अपने राज किसी को भी मत बताओ। ये तुम्हे खत्म कर देगा।
- **आचार्य चाणक्य**

प्रधानमंत्री ने एआई के उपयोग के लिए वैश्विक फ्रेमवर्क तैयार करने पर दिया जोर

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए विश्व से आग्रह किया कि जल्द ही इसके उचित उपयोग के लिए एक फ्रेमवर्क तैयार किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री आज नई दिल्ली में भारत मंडपम में ग्लोबल पार्टनरशिप ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (जीपीएआई) शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया। जीपीएआई 29 सदस्य देशों की पहल है। भारत 2024 के लिए जीपीएआई का अध्यक्ष है। इसका उद्देश्य एआई से जुड़ी प्राथमिकताओं पर अत्याधुनिक अनुसंधान और व्यावहारिक गतिविधियों में मदद करके एआई पर सिद्धांत और व्यवहार के अंतर को कम करना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई में बदलाव लाने की क्षमता है, लेकिन हमें इसे ज्यादा से ज्यादा पारदर्शी बनाना होगा। इसकी शुरुआत डेटा और एल्गोरिदम को पारदर्शी और पक्षपात मुक्त बना कर कर सकते हैं। डीप फेक की चुनौती आज पूरी दुनिया -शेष पृष्ठ दो पर

सीईसी और ईसी को मिलेगा सुप्रीम कोर्ट के जजों के समान दर्जा!

नई दिल्ली। विपक्षी दलों और पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों के विरोध के बीच सरकार ने सीईसी और अन्य चुनाव आयुक्तों का दर्जा उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के बराबर बरकरार रखने का फैसला किया है। वर्तमान में, सीईसी और ईसी को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश का दर्जा प्राप्त है। वर्तमान में मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) और अन्य निर्वाचन आयुक्तों का दर्जा उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के समकक्ष ही है। सरकार -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पूर्ण रूप से निष्पक्ष : मेघवाल

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पूर्ण रूप से निष्पक्ष है। सरकार का आयोग पर कोई दखल नहीं हैं। मोदी सरकार हमेशा संवैधानिक मूल्यों का पालन करती है। मेघवाल मंगलवार को राज्यसभा में मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा शर्तें और पद की अवधि) विधेयक, 2023 का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार चुनाव आयोग की निष्पक्षता के लिए प्रतिबद्ध है। हालांकि कांग्रेस अपने समय में जरूर चुनाव आयोग को मनमाने ढंग से चलाने की कोशिश की थी। -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

खैबर पख्तूनख्वा में आतंकी हमला 23 की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मंगलवार को एक थाने पर आतंकवादियों के हमले में कम से कम 23 सुरक्षाकर्मी मारे गए और कई घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। आतंकवादियों ने दक्षिण वजीरिस्तान कबायली जिले की सीमा से लगे अशांत डेरा इस्माइल खान जिले में दरबान थाने पर हमला किया। आतंकवादियों ने विस्फोटकों से लदे वाहन से थाने की इमारत में टक्कर मार दी और फिर मोर्टार से हमला किया। एक चैनल के मुताबिक, -शेष पृष्ठ दो पर

जलवायु संकट के समाधान के लिए दुनिया को भारत से उम्मीद : राष्ट्रमंडल की महासचिव

दुबई (हि.स.)। जलवायु शिखर सम्मेलन (काप 28) में राष्ट्रमंडल की महासचिव पेट्रीसिया स्कॉटलैंड ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के संकट के समाधान के लिए दुनिया भारत के नेतृत्व और बौद्धिक शक्ति से उम्मीद लगाए बैठी है। काप 28 में वार्ताकार ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के सर्वोत्तम तरीकों पर विचार-विमर्श में जुटे हैं। पेट्रीसिया ने कहा कि वह यह देखने के लिए इंतजार कर रही हैं कि भारत क्या निर्णय लेगा। वार्षिक जलवायु सम्मेलन से इतर एक साक्षात्कार में राष्ट्रमंडल की महासचिव ने उक्त बातें कहीं। जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त -शेष पृष्ठ दो पर

भारत-चीन दे रहे सबसे अधिक योगदान

दुबई। भारत-चीन और ब्राजील सहित कुछ विकासशील देश *ग्लोबल नार्थ* के कई देशों की तुलना में बहुपक्षीय विकास बैंकों के माध्यम से जलवायु-सबंधित वित्त में अधिक योगदान दे रहे हैं। जलवायु विज्ञान और नीति पर रिपोर्ट करने वाली ब्रिटेन की एक वेबसाइट के विश्लेषण में यह जानकारी दी गई -शेष पृष्ठ दो पर

भारत-पाकिस्तान आपस में सुलझाएं कश्मीर मुद्दा : चीन

बीजिंग। कश्मीर मुद्दे को भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत और परामर्श के माध्यम से हल किया जाना चाहिए। चीन ने मंगलवार को अनुच्छेद 370 पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पूर्ववर्ती राज्य जम्मू और कश्मीर पर केंद्र सरकार के फैसले को बरकरार रखा। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने इस मुद्दे पर चीन की प्रतिक्रिया मांगने वाले एक पाकिस्तानी पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि कश्मीर मुद्दे पर, चीन की स्थिति सुसंगत और स्पष्ट है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पूर्ववर्ती राज्य जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त करने के केंद्र सरकार के फैसले को सर्वसम्मति से बरकरार रखा। शीर्ष अदालत ने जल्द से जल्द राज्य का दर्जा बहाल करने के साथ-साथ अगले साल 30 सितंबर -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

खाने-पीने की चीजों की कीमतों में उछाल, फिर बढ़ी महंगाई

नई दिल्ली। खुदरा महंगाई में एक बार फिर तेजी आई है। सब्जी, अनाज समेत खाद्य वस्तुओं के दाम बढ़ने से खुदरा महंगाई नवंबर में बढ़कर तीन महीने के उच्चस्तर 5.55 प्रतिशत पर पहुंच गई। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के मंगलवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई अक्तूबर में 4.87 प्रतिशत और पिछले साल यानी 2022 के इसी महीने में 5.88 प्रतिशत के स्तर पर थी। महंगाई दर अगस्त में 6.83 प्रतिशत थी। उस समय से इसमें गिरावट जारी थी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर नवंबर महीने में बढ़कर 8.7 प्रतिशत रही जो अक्तूबर में 6.61 प्रतिशत और पिछले साल नवंबर में 4.67 प्रतिशत थी। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में खाद्य वस्तुओं की हिस्सेदारी करीब 50 प्रतिशत है। मसालों की महंगाई में सालाना आधार पर 21.55 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसके अलावा दाल और उसके उत्पादों में 20.23 प्रतिशत, सब्जियों में 17.7 प्रतिशत और फलों की महंगाई में 10.95 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अनाज और उसके उत्पादों की महंगाई सालाना आधार पर 10.27 प्रतिशत रही। हालांकि, तेल और वसा के खुदरा दाम में 15 प्रतिशत की गिरावट आई। एनएसओ के आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में महंगाई 5.85 प्रतिशत रही, जबकि शहरी केंद्रों में यह 5.26 प्रतिशत रही। इससे महंगाई का राष्ट्रीय औसत 5.55 प्रतिशत रहा। भारतीय रिजर्व बैंक मौद्रिक नीति पर विचार करते समय मुख्य रूप से खुदरा महंगाई पर गौर करता है। उसे दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ इसे चार प्रतिशत पर रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है। आरबीआई ने पिछले सप्ताह मौद्रिक नीति समीक्षा में उपभोक्ता महंगाई के चालू वित्त वर्ष में 5.4 प्रतिशत पर रहने का अनुमान जताया है। राज्यों में महंगाई ओड़िशा में सबसे ज्यादा 7.65 प्रतिशत रही। इसके अलावा, बिहार, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, पंजाब, तेलंगाना और राजस्थान में महंगाई छह प्रतिशत से अधिक रही। वहीं दिल्ली में महंगाई दर सबसे कम 3.1 प्रतिशत रही। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि सब्जियों की महंगाई में तेज वृद्धि से खाद्य वस्तुओं और पेय पदार्थों की महंगाई बढ़कर आठ प्रतिशत हो गई। उन्होंने कहा कि मुख्य (कोर) उपभोक्ता महंगाई नवंबर, 2023 में 4.2 प्रतिशत रही, जो अक्तूबर 2023 में 4.4 प्रतिशत थी। नायर ने कहा कि महामारी के बाद यह मुख्य उपभोक्ता महंगाई का न्यूनतम स्तर है।

मंत्री पीयूष हजारिका ने कटाव संभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण

दक्षिण सालमारा (हि.स.)। असम के जल संसाधन आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने मंगलवार को भारत-बांग्लादेश सीमा पर दक्षिण सालमारा-मानकचार जिले का दौरा किया। इस दौरान जिले में कोकराडांगा से हाजीरहाट इलाके तक स्पीडबोट से ब्रह्मपुत्र के कटाव का जायजा लिया। मंत्री ने संभागीय अधिकारी, अभियंता और जिला आयुक्त के साथ विभाग को कटाव संभावित क्षेत्र का जायजा लेने और लगभग 5 किमी की लंबाई में बांस और साही के साथ कटाव को रोकने की व्यवस्था करने का निर्देश दिया, जिसकी तत्काल आवश्यकता है। उल्लेखनीय है कि लगभग 10 किलोमीटर की लंबाई में ब्रह्मपुत्र नद का कटाव इस क्षेत्र में समस्याएं पैदा करती रही है, जिसमें से लगभग चार किलोमीटर की दूरी पर जल संसाधन विभाग साही के माध्यम से कटाव को रोकने के लिए काम कर रहा है। मंत्री हजारिका ने आज की यात्रा के दौरान साही के साथ-साथ बांस का उपयोग करके कटाव को रोकने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया। बाद में जल संसाधन मंत्री हाटसिंगीमारी में लोगों की शिकायतें सुनी।

बांदीपोरा में हथियार और गोला-बारूद बरामद, महिला सहित चार लोग गिरफ्तार

बांदीपोरा (हि.स.)। बांदीपोरा से सुरक्षाबलों ने एक महिला सहित चार लोगों को हथियारों और गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार किया है। सुरक्षाबलों ने इनके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए है। बांदीपुरा पुलिस ने सेना, सीआरपीएफ और सोपोर पुलिस के साथ मिलकर एक महिला सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया। सुरक्षाबलों ने गिरफ्तार किए गए लोगों से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान आदिल तारिक वासिल पुत्र तारिक अहमद, शफकत नबी पुत्र जी नबी, मुसैब खुर्शीद पुत्र खुर्शीद अहमद डार सभी निवासी लाडूरा बारामूला के रूप में की गई है। महिला की पहचान के बारे में अभी खुलासा नहीं किया गया है। बांदीपोरा पुलिस स्टेशन में कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच शुरू की गई है।

सनातन संस्कृति विश्व की सर्वश्रेष्ठ संस्कृति : कंगना रनौत

बिलासपुर (हि.स.)। विश्व संवाद केंद्र न्यास शिमला द्वारा बिलासपुर में हिमाचल प्रदेश सोशल मीडिया मीटिंग 2023 को संबोधित करते हुए अभिनेत्री कंगना रनौत ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ निश्चित रूप से देश को जोड़ने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारतवर्ष की सनातन संस्कृति को विश्व की सर्वश्रेष्ठ संस्कृति कहा जा सकता है क्योंकि जो भारत देश में सांस्कृतिक और सामाजिक मान्यताएं हैं, वह किसी अन्य देश में देखने को नहीं मिलती। उन्होंने सोशल मीडिया के इन्फ्लुएंसरों से आग्रह किया कि वह हमेशा पॉजिटिव ही सोच रखें और पॉजिटिव ही करें क्योंकि उनके द्वारा किए गए पॉजिटिव निर्णय से नेगेटिविटी अपने आप ही समाप्त हो जाएगी। कंगना रनौत ने कहा कि समाज के सभी वर्गों में सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग के बीच, राष्ट्रीय विचारों और सामाजिक सरोकार से लेकर, ख़ान-पान, वेश-भूषा, कला, भाषा, संस्कृति, पर्यटन, मनोरंजन, आदि क्षेत्रों में सक्रिय प्रदेश के प्रतिभावान सोशल मीडिया क्रियेटर्स आज समाज में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए तत्पर हैं। हिमाचल प्रदेश सोशल मीडिया मीट-2023, प्रदेश का इस तरह का पहला मंच है , जो विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक भूमिका निभा रहे सोशल मीडिया क्रिएटर्स को एकीकृत कर उन्हें परस्पर विचार-विमर्श व सहयोग हेतु एक परितंत्र विकसित करने में मील का पत्थर सिद्ध होगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने अपने संबोधन में कहा कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनुच्छेद 370 समाप्त करने को वैधता प्रदान करना स्वागत योग्य है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस निर्णय का स्वागत करता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रारंभ से ही अनुच्छेद 370 का विरोध करता रहा है और संघ ने इस विषय पर कई प्रस्ताव भी पारित किए हैं तथा समस्त आंदोलनों में सहभाग किया है। यह निर्णय राष्ट्रीय एकता को मजबूत करेगा। अनुच्छेद 370 के कारण जम्मू-कश्मीर में वर्षों से अन्याय सह रहे लोगों को इस निर्णय से मुक्ति मिली है।

पृष्ठ एक का शेष

कार्रवाई के बाद ...

है। परिणामस्वरूप, मातृ मृत्यु की संख्या में 33.4 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो 2021-22 में 766 से घटकर 2022-23 में 510 हो गई है। उन्होंने कहा कि बच्चों की मृत्यु की संख्या में भी 14.7 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो 2021-22 में 7,872 से घटकर 2022-23 में 6,718 हो गई है। सीएम ने कहा कि बाल विवाह और किशोर गर्भावस्था के खिलाफ कार्रवाई तब तक जारी रहेगी जब तक सरकार 2026 तक इन्हें खत्म करने का अपना लक्ष्य हासिल नहीं कर लेती।

असम कभी भी...

कभी भी म्यांमार का हिस्सा नहीं था। मेहता ने जोर देकर कहा कि असम कभी इसका हिस्सा नहीं था, क्योंकि म्यांमार में अब सबसे अधिक आप्रवासन है और इसलिए यह कहना कि यह (असम) हमेशा इसका हिस्सा था (सही नहीं)... अपनी दलीलों का बचाव करते हुए सिब्बल ने कहा कि आज असम क्या है... अंग्रेजों ने इस पर कब्जा कर लिया। यह (इतिहास की किताब के) अध्याय में है और स्पष्ट रूप से असम सरकार की वेबसाइट भी यही बात कहती है। मेहता ने कहा कि मैं उस मुद्दे पर शामिल नहीं होना चाहता और यह मेरे दोस्त की पढ़ी गई एक गलत किताब है। सिब्बल ने कहा कि असम सरकार की वेबसाइट बिल्कुल यही कहती है, और कहा कि हमें इसमें नहीं पड़ना चाहिए... मेहता ने कहा कि मैं इसे यहीं छोड़ दूंगा और सिब्बल को शर्मिंदा नहीं करना चाहता। मेहता ने कहा कि म्यांमार से घुसपैठ का मुद्दा आपके आधिपत्य के समक्ष अलग से लंबित है और अन्य मुद्दे भी लंबित हैं। इसलिए, यह धारा 6ए की वैधता तक ही सीमित है। सीजेआई ने कहा कि आइए हम खुद को धारा 6ए की वैधता तक सीमित रखें और कार्यवाही के साथ आगे बढ़ें। सुनवाई दोपहर के सत्र में जारी रहेगी।

एससी ने सुरक्षित ...

बड़ी समस्या है। अवैध इमीग्रेशन से न केवल जनसांख्यिकी बदलती है, बल्कि संसाधनों पर भी बोझ पड़ता है। इस मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर सुप्रीम कोर्ट ने गृह मंत्रालय से हलफनामा मांगा था। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा था कि 1966 से 1971 के बीच संशोधित कानून से कितने बांग्लादेशियों को भारतीय नागरिकता दी गई, कितने लोग 24 मार्च 1971 के बाद भारत आए, भारत आने के मानदंडों में छूट के लिए असम को ही क्यों चुना गया जबकि पश्चिम बंगाल को छोड़ दिया गया? साथ ही शीर्ष अदालत ने कहा था कि पश्चिम बंगाल की सीमा असम से भी बड़ी बांग्लादेश के साथ लगती है, विदेशी ट्रिब्यूनल के समक्ष कितने मामले लंबित हैं? सीमा को सुरक्षित करने, उसे अभेद्य बनाने के लिए क्या कदम उठाए गए? सीमा पर कितनी दूरी तक बाड़ लगाई गई है? सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली संविधान बेंच में सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार से पूछा था कि नागरिकता को लेकर 6-ए को असम तक सीमित क्यों रखा गया, जबकि पश्चिम बंगाल राज्य की सीमा असम की तुलना में ज्यादा लगी हुई है। सीजेआई ने पूछा कि क्या सरकार के पास ऐसा कोई डेटा है कि बांग्लादेश से आने वाले लोगों की संख्या पश्चिम बंगाल की अपेक्षा असम में ज्यादा थी और असम में कितने फॉरेन ट्रिब्यूनल हैं और उन ट्रिब्यूनल के सामने कितने मामले लंबित है? केंद्र सरकार को बताना था कि एक जनवरी 1966 से पहले असम आने वाले कितने प्रवासियों को भारत की नागरिकता मिल पाई है? साथ ही जनवरी 1966 से 1971 के बीच बांग्लादेश से असम आने वाले कितने प्रवासियों को भारत की अभी तक नागरिकता मिल पाई है? 25 मार्च 1971 के बाद बांग्लादेश से असम कितने लोग अप्रवासी बन कर आए? उनको वापस भेजने के लिए सरकार ने अभी तक क्या कदम उठाए? इसके अलावा सीजेआई ने केंद्र सरकार से पूछा कि देश की सीमा की सुरक्षा को सुरक्षित करने के लिए क्या कदम उठाए गए है? देश की सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए बोर्डर पर बाड़ लगाने का कितना काम हुआ है? और सरकार ने इसके लिए कितना निवेश किया है? इसे लेकर गृह मंत्रालय के सचिव द्वारा हलफनामा दाखिल किया गया है। इसके मुताबिक, 1966-71 के बीच असम आए लोगों में से 17861 लोगों को नागरिकता प्रदान की गई। जबकि विदेशी ट्रिब्यूनल आदेश द्वारा 32,381 व्यक्तियों को विदेशी पाया गया। वहीं 25 मार्च 1971 के बाद अवैध प्रवासियों की अनुमानित संख्या पर केंद्र का कहना है कि अवैध प्रवासियों के लिए सटीक डाटा एकत्र करना संभव नहीं है, क्योंकि गुप्त और चोरी-छिपे होने वाले प्रवेश का पता लगाना कठिन है। केंद्र सरकार का कहना है कि अवैध प्रवासी वैध यात्रा दस्तावेजों के बिना गुप्त तरीके से देश में प्रवेश करते हैं। ऐसे अवैध रूप से रहने वाले विदेशी नागरिकों का पता लगाना, हिरासत में लेना और निर्वासित करना एक जटिल प्रक्रिया है। केंद्र के हलफनामे में देश के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले ऐसे अवैध प्रवासियों का डाटा देते हुए कहा कि साल 2017 से 2022 में भारत से 14346 विदेशी नागरिक निर्वासित किए गए। पिछले पांच वर्षों में अधिक समय तक रुकने, वीजा उल्लंघन, अवैध प्रवेश आदि जैसे कारणों से एफआरओ द्वारा निर्वासित किए गए हैं। केंद्र सरकार ने अपने हलफनामे में बताया है कि असम में 100 विदेशी ट्रिब्यूनल असम में कार्यरत हैं, जिनमें 31 अक्तूबर तक तक तीन लाख 34 लाख मामलों का निपटारा किया जा चुका है, जबकि 97,714 मामले अभी भी लंबित हैं। असम राज्य में पाए गए विदेशियों और मामलों मे दोषी विदेशियों के निर्वासन की निगरानी विदेश मंत्रालय में एक संयुक्त सचिव की अध्यक्षता वाली और राज्य से होने वाले सदस्य की एक स्थायी समिति द्वारा किया जाता है। इस संबंध में स्थायी समिति अब तक छह बैठकें कर चुकी है। वही राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेश से अवैध अप्रवासियों के संबंध में विभिन्न कार्रवाई करने का अनुरोध भी किया गया है। मुख्य सचिव के स्तर पर समय-समय पर बैठकें बुलाई जाती है। दूसरी तरफ केंद्र ने सीमा पर बाड़ लगाए जाने को लेकर दिए गए हलफनामे में कहा गया है कि बांग्लादेश के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा के साथ असम राज्य लगभग 263 किमी की सीमा को साझा करता है, जिसमें से लगभग 210 किलोमीटर को बाड़ लगाई जा चुकी है। जबकि बाकी बचे सीमा पर तकनीक व्यवस्था के साथ बाड़ लगाई गई है। केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया है कि भारत बांग्लादेश के साथ 4096.7 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करता है। जमीन और नदी के साथ यह सीमा पश्चिम बंगाल, मेघालय, मिजोरम, त्रिपुरा और असम राज्यों से होकर गुजरती है। भारत-बांग्लादेश सीमा की कुल सीमा का लगभग 81.5 प्रतिशत बाड़ का काम पूरा हो चुका है, जबकि असम और त्रिपुरा में नदी और नाला आदि को लेकर बचे हुए 28.5 प्रतिशत हिस्से मे तकनीकी व्यवस्था के जरिए बाड़ लगाने का काम किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय...

एक्स (पूर्व ट्विटर) पर मुख्यमंत्री शर्मा ने पोस्ट किया कि केंद्रीय मंत्री, हरदीप सिंह पुरी से मिलकर बेहद खुशी हुई। हमने हरित अर्थव्यवस्था और आगामी रणनीतिक निवेश को बढ़ावा देने पर अच्छी बातचीत की, जो संभावित रूप से असम को एक प्रमुख ऊर्जा केंद्र में बदल सकता है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से उनके आवास पर मुलाकात की। सुरक्षा संबंधी मामलों पर बैठक करीब 45 मिनट तक चली।

एमपी और छत्तीसगढ़ ...

जगदीश देवड़ा भी 13 दिसंबर को शपथ लेंगे। मनोनीत सीएम ने कहा कि वह पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा शुरू किए गए विकास कार्यों को आगे बढ़ाएंगे। इसको लेकर लगातार तैयारियां की जी रही हैं। समारोह के लिए विस्तृत व्यवस्था की जा रही है, जहां बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ता, खासकर यादव के गृहनगर उज्जैन से इकट्ठा होंगे। कई दिनों से चल रहे अटकलों को खत्म करते हुए, भाजपा ने सोमवार को यादव को राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में चुना और पार्टी के दिग्गज नेता शिवराज सिंह चौहान को रिकॉर्ड पांचवीं बार सत्ता में आने से रोक दिया। चौहान सरकार में मंत्री यादव (58) को सोमवार को एक बैठक के दौरान सर्वसम्मति से भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया। मध्य प्रदेश में राजेंद्र शुक्ला और जगदीश देवड़ा उप मुख्यमंत्री होंगे। मुख्यमंत्री पद के दावेदारों में शामिल वरिष्ठ भाजपा नेता और नवनिर्वाचित विधायक नरेंद्र सिंह तोमर नए विधानसभा अध्यक्ष होंगे। यादव को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का करीबी माना जाता है और उन्हें शीर्ष पद के दावेदार के रूप में नहीं देखा जा रहा था। छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उनके मंत्रिमंडल के सदस्य बुधवार को शपथ ग्रहण करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उनके मंत्रिमंडल के सदस्य 13 दिसम्बर को दोपहर दो बजे राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में शपथ ग्रहण करेंगे। राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव ने कहा कि बुधवार को विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के नए मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह एक ऐतिहासिक कार्यक्रम होगा। भाजपा ने रविवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री और छत्तीसगढ़ में प्रदेश अध्यक्ष के रूप में काम कर चुके आदिवासी नेता साय (59) को नए मुख्यमंत्री के रूप में चुना। नये मंत्रिमंडल में किसे शामिल किया जाएगा और क्या राज्य में दो उप मुख्यमंत्री होंगे, इन अटकलों के बीच साव ने कहा कि शपथ लेने वाले नेताओं की संख्या के बारे में समय आने पर जानकारी मिल जाएगी।

राजस्थान के मुख्यमंत्री...

से मुलाकात कर राज्य में सरकार बनाने का दावा पेश किया। इस दौरान राजनाथ सिंह और पसुंधरा राजे भी मौजूद रहे। माना जा रहा है कि शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हो सकते हैं। राजभवन के एक बयान के अनुसार, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने राज्यपाल को एक पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें बताया गया कि शर्मा को राज्य में भाजपा विधायक दल के नेता के रूप में चुना गया है। शर्मा के साथ वरिष्ठ भाजपा नेता और पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी थे। मनोनीत उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी और प्रेम चंद बैरवा भी उपस्थित थे। सीपी जोशी ने कहा कि पार्टी ने उनके भजनलाल शर्मा) नाम को विधायक दल के नेता के रूप में नामित किया है... उन्हें संगठन और पंचायती राज के चुनाव में काम करने का अनुभव है, निश्चित रूप से वे आगे प्रभावी रूप से कार्य करेंगे। भाजपा नेता राजेंद्र राठौर ने कहा कि यह बहुत शानदार फैसला है। जमीनी कार्यकर्ता को मौका मिले इससे अच्छा और क्या हो सकता है... मैं भजनलाल शर्मा को शुभकामनाएं देता हूं, हमें पूरी उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में प्रदेश का विकास होगा और कानून व्यवस्था फिर से बहाल होगी। भाजपा विधायक राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि पार्टी बहुत सोच-समझ कर निर्णय करती है, राजस्थान भाजपा को एक मजबूत नेतृत्व मिला है। मैं पीएम मोदी और हमारे सभी बड़े नेताओं का धन्यवाद करता हूं। मुख्यमंत्री बनने के बाद अपनी पहली प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए शर्मा ने पुष्टि की कि उनकी सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास कार्यों को आगे बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि राजस्थान के सभी विधायक निश्चित रूप से उन उम्मीदों पर खरे उतरेंगे जो जनता ने हमसे, भाजपा से की है। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम सभी क्षेत्रों में राजस्थान का समग्र विकास सुनिश्चित करेंगे। विशेष रूप से, पहली बार विधायक बने शर्मा ने सांगानेर निर्वाचन क्षेत्र से 48,081 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। वह राजस्थान के पूर्वी जिले भरतपुर से हैं और माना जाता है कि उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मजबूत समर्थन प्राप्त है।

मणिपुर के आंतरिक...

उनका कोई काम नहीं है। उन्होंने कहा कि मैंने एक टिप्पणी देखी है, जिसमें मिजोरम के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री ने मोरेह के लोगों को पुलिस द्वारा परेशान न करने के लिए कहा है। दूसरे राज्य के मुख्यमंत्री द्वारा इस तरह की टिप्पणी करना संविधान से थोड़ा परे है। राज्य में जो हो रहा है वह आंतरिक मामला है और इसे राज्य को ही निपटाना चाहिए। मिजोरम के मुख्यमंत्री को ठीक से पता नहीं कि मोरेह में क्या हो रहा है। इस स्थान पर कई समुदायों जैसे मैतेई, तमिल, मैतेई (अंगल, कुकी, थडौ आदि) निवास करते हैं। मैं अपने राज्य में जाति और समुदाय के बावजूद शांति बहाल करने में समर्थन देने के लिए एक ईमानदार अपील करना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि जब मिजोरम में ब्रू विवाद था तो मैंने कभी कुछ नहीं कहा, बल्कि हम मिजोरम में शांति बहाल करने के लिए प्रार्थना करते हैं। उन्होंने मणिपुर के वर्तमान संकट के संबंध में चिंता व्यक्त करने और शांति बहाल करने के लिए समर्थन देने के लिए अन्य पड़ोसी राज्यों को भी धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पड़ोसी देश म्यांमार में राजनीतिक संकट के कारण कई बाहरी लोग अभी भी राज्य में हैं। राज्य उन्हें मानवीय सेवा प्रदान कर रहा है, हालांकि मोरेह और कामजोंग क्षेत्रों जैसे रणनीतिक स्थानों पर बायोमेट्रिक लेकर शरणार्थियों की आमद को नियंत्रित करने के लिए एहतियाती कदम भी उठाए जा रहे हैं। इस अवसर पर बोलते हुए एन. बीरेन सिंह ने प्राचीन काल से राज्य के हर महत्वपूर्ण समय में महिलाओं के योगदान का उल्लेख किया। महिलाओं के निस्वार्थ योगदान को स्वीकार करते हुए, उन्होंने उनके सम्मान में राज्य सरकार द्वारा की गई दो पहलों की घोषणा की। जिसमें गवर्नर ट्रैफिक पॉइंट से प्यूरिरोम्बा खोंगनांगखोंग तक सड़क का नाम बदलकर *नुपी लैन रोड* और *मुख्यमंत्री इमा नोंगथांगलेइमा याइफा तेंगबांग योजना* करना शामिल है। नई लॉन्च की गई मुख्यमंत्री इमा नोंगथंगलिमा याइफा तेंगबांग योजना के बारे में विस्तार से बताते हुए एन बिरेन सिंह ने बताया कि जो महिलाएं 40 वर्ष से अधिक उम्र की हैं, जिनके पास आय का कोई स्रोत नहीं हैं और सरकार द्वारा शुरू की गई किसी भी कल्याणकारी योजना के अंतर्गत नहीं आती हैं, उन्हें वित्तीय छह हजार रुपए प्रति वर्ष (पांच सौ रुपए प्रति माह)। प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सात साल की तबाही की अवधि के दौरान आवा से अपनी मातृभूमि को पुन: प्राप्त करने में मणिपुरी महिलाओं द्वारा निभाई गई भूमिका को भी याद किया। उन्होंने राज्य की महिला स्वतंत्रता सेनानियों और मातृभूमि के लिए उनके योगदान का भी उल्लेख किया। राज्य में वर्तमान कानून और व्यवस्था की स्थिति पर बोलते हुए उन्होंने राज्य में रहने वाले सभी समुदायों को एक साथ खड़े होने और आने वाली चुनौतियों का सामना करने की आवश्यकता पर बल दिया। यह जारी रखते हुए कि कई निर्दोष लोगों की जानें चली गई और कई लोग अपने घरों से विस्थापित हो गए, उन्होंने राज्य में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने में सभी से योगदान मांगा। समाज में महिलाओं द्वारा किए गए योगदान को स्वीकार करते हुए, दो महिला विधायकों, ओइनम एसी इरेंगबाम की विधायक नलिनी देवी और नौरिया पाखांगलकपा एसी सगोलशेम की विधायक केबी देवी ने भी क्रमश: अध्यक्ष और सम्मानित अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री के साथ मंच साझा किया। कार्यक्रम में नुपी लाल मेमोरियल एसोसिएशन ड्रामा पार्टी द्वारा नुपी लाल नाटक भी खेला गया। इस अवसर पर मणिपुर विधानसभा अध्यक्ष, मंत्री, विधायक, मुख्य सचिव, मणिपुर सरकार के सुरक्षा सलाहकार, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, कार्यक्रम में महिला कॉलेज और राज्य भर से महिलाओं, जीपी के छात्र सहित अन्य लोगों ने भाग लिया।

प्रधानमंत्री ने एआई ...

के सामने है। इसके अलावा सायबर सुरक्षा, डेटा चोरी और आतंकियों के हाथ में एआई टूल के आने का भी बहुत बड़ा खतरा है। एक वैश्विक अभियान बनने के कारण हम सभी को मिलकर काम करना होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नैतिक, आर्थिक और सामाजिक चिंताओं पर ध्यान दिए बिना एआई पर विश्वास नहीं बढ़ाया जा सकता है। हमें युवाओं का विश्वास दिलाना होगा कि इसका प्रयोग उनके कौशल के विकास में होगा। हमें विश्वास दिलाना होगा कि एआई लोगों की निजता को बनाए रखेगी। हमें ग्लोबल साउथ के देशों का विश्वास दिलाना होगा कि एआई उनके भविष्य के रास्ते में नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि एआई की विकास यात्रा जितनी अधिक समावेशी होगी, समाज उतने ही बेहतर परिणाम प्राप्त करेगा। पिछले दशकों से सीखते हुए जहां प्रौद्योगिकी तक पहुंच में असमानता थी। अब हमें समाज को इस तरह के नुकसान से बचाना चाहिए। लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रौद्योगिकी से जुड़ने से समावेशिता बढ़ती है।

सीईसी और ईसी ...

ने इस वर्ष अगस्त में राज्यसभा में मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें) विधेयक 2023 पेश किया था। विधेयक में सीईसी और अन्य निर्वाचन आयुक्तों का दर्जा कैबिनेट सचिव के समकक्ष लाने का प्रस्ताव किया गया था। विपक्षी दलों और कुछ पूर्व सीईसी ने इस कदम का विरोध करते हुए कहा था कि यह संस्था की स्वतंत्रता के खिलाफ होगा। सूत्रों के मुताबिक, आधिकारिक संशोधन में कहा गया है कि सीईसी और अन्य आयुक्तों को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के वेतन के बराबर वेतन दिया जाएगा। एक अन्य प्रस्तावित संशोधन के अनुसार, केंद्रीय कानून मंत्री की अध्यक्षता वाली एक खोज समिति जिसमें भारत सरकार के सचिव स्तर से नीचे के दो अन्य सदस्य शामिल होंगे। यह सभी चयन समिति के लिए पांच व्यक्तियों का एक पैनल तैयार करेगी। विधेयक में प्रस्तावित किया गया कि कैबिनेट सचिव सर्च कमेटी के प्रमुख होंगे। विधेयक मंगलवार को राज्यसभा में विचार और पारित होने के लिए सूचीबद्ध है।

चुनाव आयोग की ...

कानून मंत्री ने कहा कि यह विधेयक चुनाव आयोग को मजबूत करेगा। यह संविधान की भावना के अनुरूप है। विधेयक चुनाव आयोग (चुनाव आयुक्तों की सेवा शर्तें और कार्य) कानून 1991 का स्थान लेगा। यह मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति, वेतन और उन्हें पद से हटाने के बारे में है। कानून मंत्री ने कहा कि विधेयक के प्रावधानों के अनुसार चुनाव आयुक्त और अन्य आयुक्तों की नियुक्ति प्रवर समिति की सिफारिश पर की जाएगी। इस समिति में प्रधानमंत्री, एक केंद्रीय मंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता या लोकसभा में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी का नेता शामिल होगा। कानून के तहत सर्च कमेटी में परिवर्तन किया गया है।

जहन्नुम में जाए...

आतंकवाद खत्म हो गया, क्या आतंकवाद वाकई खत्म हो गया? क्या हमारे जवान मारे नहीं जा रहे?...दिल दुखता है अंदर से... मैंने प्रधानमंत्री से साफ कहा कि आपको हम पर भरोसा नहीं है और हमें आप पर भरोसा नहीं है। तो हम उस भरोसे को कैसे बनाएं? फारूक अब्दुल्ला ने आगे कहा कि पीएम ने जवाब दिया कि दिल की दूरी और दिल्ली की दूरी को दूर करना है। लेकिन क्या आज तक दूरियां कम हुई हैं?...यह हमारी गलती नहीं है। हम खड़े रहे हैं और जब तक सांस रहेगी इस देश के साथ खड़े रहेंगे। हम किसी अन्य राष्ट्र के साथ खड़े नहीं होंगे। लेकिन हमारा भी सम्मान करें, हमारा भी दिल जीतने की कोशिश करें। भाजपा द्वारा जम्मू-कश्मीर में दशकों से चली आ रही हिंसा और अस्थिरता और अनुच्छेद 370 के तहत पूर्ववर्ती राज्य को विशेष संवैधानिक सुविधाएं देने के लिए देश के पहले प्रधानमंत्री को दोषी ठहराए जाने के बाद मंगलवार को एनसी के दिग्गज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने जवाहर लाल नेहरू का बचाव किया। दावा किया गया कि जब विशेष प्रावधान लाया गया था तब वह पूर्व अमेरिका में था।

जलवायु संकट के...

करने की बढ़ती मांग के बीच भारत से उनकी अपेक्षाओं के बारे में पूछे जाने पर पेट्रीसिया ने कहा कि भारत 1.40 अरब लोगों का भरण पोषण करता है, जो राष्ट्रमंडल के 56 देशों के समूह की आबादी का करीब आधा है। उन्होंने कहा कि मैं जो उम्मीद कर रही हूं भारत में अपनी स्थिति संभालने और नेतृत्व करने का साहस होगा और वह ऐसा कर सकता है। उन्होंने कहा कि जलवायु न्याय की अवधारणा का मतलब है कि नुकसान और क्षति की भरपाई की जानी चाहिए। विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार, वर्ष 2023 सबसे गर्म होने वाला है। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन का मंगलवार को समापन होने जा रहा है। इससे पहले सोमवार को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने कहा कि सफलता की कुंजी राष्ट्रों के लिए एक महत्वाकांक्षी परिणाम अपनाना है जो निर्णायक जलवायु कार्रवाई और इसे बनाए रखने के लिए एक विश्वसनीय योजना को प्रदर्शित करता है।

भारत-चीन दे ...

है। यह विश्लेषण चीन और सऊदी अरब जैसे विकासशील देशों को शामिल करने के लिए जलवायु वित्त के लिए दानकर्ताओं का दायरा व्यापक करने के वास्ते विकसित देशों के दबाव के बीच आया है। उदाहरण के तौर पर, सितंबर में आयोजित *ग्लोबल स्टॉकटेक* से अपनी अपेक्षाओं पर जलवायु परिवर्तन के विषय में संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) में दी गई दलील में न्यूजीलैंड ने कहा है कि विभिन्न देशों के पास योगदान करने की अलग-अलग क्षमताएं हैं, जो समय के साथ बदल गई हैं। न्यूजीलैंड ने कहा कि वर्तमान और ऐतिहासिक उत्सर्जन, राष्ट्रीय संपदा और कई अन्य कारक बदल गए हैं और यह लगातार बदल रहे हैं। तीस साल पुरानी सूचियों के आधार पर विभाजन इस समकालीन वास्तविकता को प्रतिबिंबित नहीं करता है। विश्लेषण से पता चलता है कि चीन, भारत, ब्राजील और रूस शीर्ष 20 वैश्विक जलवायु वित्त प्रदाताओं में शामिल हैं। विश्लेषण के मुताबिक, चीन ने इस अभियान के तहत 1,236 मिलियन अमेरिकी डॉलर तथा भारत ने जलवायु वित्त के लिए अन्य विकासशील देशों के साथ एकजुटता दिखाते हुए 76.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर प्रदान किए। इसमें कहा गया है कि इस वित्त सहायता का अधिकांश भाग बहुपक्षीय विकास बैंकों के माध्यम से प्रदान किया जाता है।

भारत-पाकिस्तान आपस ...

तक विधानसभा चुनाव कराने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह भारत और पाकिस्तान के बीच अतीत से चला आ रहा विवाद है और इसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के प्रस्तावों और प्रासंगिक द्विपक्षीय समझौतों के अनुसार शांतिपूर्ण तरीकों से उचित रूप से संबोधित किया जाना चाहिए। माओ ने कहा, प्रासंगिक पक्षों को बातचीत और परामर्श के माध्यम से विवाद को सुलझाने और क्षेत्र में शांति और स्थिरता की रक्षा करने की जरूरत है। चीन के सदाबहार सहयोगी पाकिस्तान ने सोमवार को कहा कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का कोई कानूनी मूल्य नहीं है, यह कहते हुए कि अंतर्राष्ट्रीय कानून 5 अगस्त, 2019 को नई दिल्ली की *एकतरफा और अवैध कार्रवाइयों* को मान्यता नहीं देता है।

खैबर पख्तूनख्वा में ...

मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने दो आतंकवादियों को भी मार गिराया। पुलिस के अनुसार, हमले के बाद पुलिस की नयी टुकड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। हमले के कारण जिले के अस्पतालों में आपातकाल घोषित कर दिया गया जबकि सभी स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए गए।

नकली सोने की नाव, जाली नोटों के साथ छह जालसाज गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में नकली सोने और नकली नोटों के कारोबारी फिर से पुलिस के जाल में फंस गए। एक अभियान में असम पुलिस की विशेष शाखा (एसटीएफ) ने लालमाटी में एक आवास से भारी मात्रा में नकली नोटों के साथ चार सोने की नौकाएं और दो सोने की मूर्तियां जब्त कीं। उनसे 200 और 500 रुपए के 315 जाली नोट तथा 3.556 किलोग्राम नकली सोना जब्त किया गया। पुलिस ने इस नकली सोने और नकली नोटों के छह जालसाजों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए जालसाजों की पहचान देवदास हलदर, संतोष मंडल, नित्य हलदर, मनोज कुमार, सद्दाम हुसैन तथा शिवम कुमार के रूप में की गई है। भाड़े के घर से सोने की मूर्तियां, नाव समेत नकली नोट जब्त किए गए। पुलिस ने इस सिलसिले में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

कछार एसपी ने किया पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित

कछार (हिंस)। कछार के पुलिस अधीक्षक नुमल महतो ने पांच पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया है। इन कर्मियों को कछार जिले के सुपारी तस्करों के साथ कथित सांठगांठ के आरोप में गिरफ्तार किए जाने के बाद निलंबित किया गया है। एसपी ने जिले से होते हुए दूसरे राज्य में जाने वाली तस्करी की सुपारी को जिला से पार करने की अनुमति देने के लिए पांचों कांस्टेबलों को निलंबित किया गया। जिला पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि पुलिसकर्मी डिगोरखाल चेक-पोस्ट पर तैनात थे और असम-मेघालय अंतरराज्यीय सीमा पर स्थित गुमराह पुलिस जांच केंद्र का हिस्सा थे। इन पुलिस कर्मियों की मदद से सुपारी से भरे एक ट्रक को शिबनगर के टोल गेट को पार करने की अनुमति दी गई। यह ट्रक दो कथित तस्करों का था। गेट पार करने के बाद, गुमराह थाना के प्रभारी अधिकारी ने वाहन का पीछा किया और मेघालय सीमा के पास उसे रोक लिया। पुलिस ने उस ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया, जिसने उन्हें तस्करों तक पहुंचाया था। दोनों तस्करों को गिरफ्तार किया गया और उनमें से एक पुलिस की गोलीबारी में घायल हो गया, जब उसने हिरासत से भागने की कोशिश की। पूछताछ के बाद पता चला कि ट्रक पुलिस कर्मियों की मदद से गुजरा था। इन पांचों कांस्टेबलों को गिरफ्तार कर लिया गया और सिलचर पुलिस स्टेशन लाया गया। नियमानुसार उन्हें को निलंबित कर दिया गया। पुलिस ने पुलिसकर्मियों से एक लाख 48 लाख रुपए जब्त किए। जांच से पता चला कि यह नकदी उन्हें रिश्वत के रूप में दी गई थी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुब्रत सेन ने बाद में मीडिया को बताया कि जब तस्करों को पकड़ा जा रहा था तो हाथापाई में एक पुलिस कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गया। उसका सिलचर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में इलाज चल रहा है।

नगा उपद्रवियों ने असम के ट्रक में लगाई आग चालक को भगाया

मोन (नगालैंड) (हिंस)। नगालैंड के मोन जिले के लोंगवा इलाके में सब्जी लेकर आ रहे असम के एक ट्रक ड्राइवर पर नगा बदमाशों ने कथित तौर पर हमला कर दिया। भागकर आए ड्राइवर ने कहा कि बदमाशों ने उसके साथ मारपीट की और उसके साथ दुर्व्यवहार किया। पीड़ित की पहचान अब्दुल कादर के रूप में की गई है। जब वह सब्जी देने के बाद लोंगवा की तरफ से वापस आ रहा था, तो तीन नगा लोगों ने उसे पकड़ लिया और उसे गाली देना शुरू कर दिया। इसके बाद ट्रक में आग लगा दी गई। इसके बाद, पीड़ित मोन जिला सदर पुलिस स्टेशन पहुंचा, लेकिन पुलिस ने भी कथित तौर पर उसे ही गाली देना शुरू कर दिया और उसे थप्पड़ मार दिया।

कोकराझाड़ : अवैध डिजल समेत वाहन जब्त

कोकराझाड़ (विभास)। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) रानीघुली के कमांडिंग अधिकारी के मार्गदर्शन में सीमा चौकी दादगिरी को टीम ने डिजल सहित पिकअप वाहन को जब्त किया। मिली जानकारी के अनुसार दादगिरी के एसएसबी टीम ने अंतर्राष्ट्रीय भारत-भूटान सीमा स्तंभ संख्या: 169/5 से 300 मीटर भारत की ओर वाहनों के सरप्राईज चेकिंग के दौरान एक पिकअप बुलेरो (न. एस19 ए 8225) को रोककर पूछताछ की। शक होने के बाद जवानों ने वाहन की तलाशी ली। इस तलाशी के दौरन भूटान से अवैध तरीके से 400 लीटर डीजल लाए जा रहे चालक समेत वाहन को जब्त कर लिया। चालक की पहचान सुब्रुद्दीन अहमद (41) के रूप में की गई है। हालांकि उक्त चालक के पास कोई भी दस्वानज नहीं था। जिसेक आदार पर उसे हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

बीएसएफ ने बांग्लादेश सीमा पर भारी मात्रा में चीनी जब्त की

दक्षिण सालमारा (हिंस)। सीमा पार से होने वाले अपराधों एवं तस्करी के विरुद्ध अभियान में एक और सफलता के रूप में सीमा सुरक्षा बल, गुवाहाटी फ्रंटियर को मिली है। सीमा पर तैनात प्रहरियों ने तस्करी के प्रयास को विफल करते हुए भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर तस्करी की जा रही 7.65 लाख रुपए मूल्य की चीनी जब्त की। आज दी गई जानकारी के अनुसार 49वीं वाहिनी सीमा सुरक्षा बल के सतर्क सीमा

प्रहरियों ने बोट पेट्रोलिंग के दौरान ब्रह्मपुत्र नद के मानकचार दक्षिण सालामारा के ग्राम 60 बीघा चर क्षेत्र इलाके से तस्करी के प्रयास को विफल करते हुए दो इंजन चालित बोट सहित 12 हजार 397 किलोग्राम चीनी को जब्त करने में सफलता हासिल की। जिसका बाजार मूल्य लगभग 7.65 लाख रुपए है। जब्त सामान को तस्करी के लिये भारत से बांग्लादेश भेजने का प्रयास किया जा रहा था। जब्त सामग्री को अग्रिम कार्रवाई हेतु नजदीकी कस्टम कार्यालय को सौंप दिया गया। सीमा सुरक्षा बल की सीमा क्षेत्र में चौकसी एवं सीमा पर होने वाले अपराध तथा प्रतिबंधित पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध सजगता के कारण ही भारी मात्रा में चीनी को जब्त करने में सफलता प्राप्त हुई है, जो सीमा सुरक्षा बल के सीमा प्रहरियों द्वारा उनके कर्तव्यनिष्ठा एवं मुस्तैदी के साथ भारत: बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर चौकसी एवं कर्तव्यों के निर्वहन को दर्शाता है।

घायल विद्यार्थी के इलाज के दौरान हुई मौत को लेकर शहर के आरएनबी अस्पताल में स्थिति तनावपूर्ण

कोकराझाड़ (विभास)। जिले के आरएनबी चिकित्सालय में तब तनाव उत्पन्न हो गई, जब एक विद्यार्थी की इलाज के दौरान मौत हो गई। आरोह है कि उक्त विद्यार्थी को इलाज के दौरान डाक्टरों द्वारा लापरवाही बरती गई थी। मिली जानकारी के अनुसार बीती रात कोकराझाड़ शहर के जेडी रोड में सड़क हादसे में बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय के छात्र रामी कश्यव बसुमतारी गंभीर रूप से घायल हो गया था। जिसे शहर के आरएनबी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां उसकी मौत हो गई। इसके बाद अस्पताल में तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। वहीं बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय विद्यार्थियों ने आरोप लगाया है कि डॉक्टर की लापरवाही और समय पर सही इलाज न करने के चलते उक्त घायल विद्यार्थी की मौत हो गई। इसके अलावा विद्यार्थी के परिजन व और विद्यार्थियों ने इलाज कर रहे चिकित्साधिकारी के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग प्रशासन से की है। बाद स्थिति को तनावपूर्ण देखते हुए आरएनबी चिकित्सालय में पुलिस और जिला प्रसासन के अधिकारी पहुंच गए और जांच करने की भी आश्वासन दी। वहीं कोकराझाड़ के विधायक लोरेंस इस्लारी भी चिकित्सालय में पहुचें, जहां उन्होंने कहा कि डाक्टरों पर लगाए गए सभी आरोपों पर जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर आरोप सिद्ध हुआ तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मायुमं तेजपुर जागृति शाखा का पहली बार *इंस्पायरिंग वूमेन 2023* कार्यक्रम आयोजित

तेजपुर। मारवाड़ी युवा मंच तेजपुर जागृति शाखा द्वारा पहली बार *इंस्पायरिंग वूमेन 2023* का किया गया जिसके तहत मारवाड़ी समाज की उन महिलाओ सम्मानित किया गया जिन्होंने अपनी काबिलियत के बलबूते परिवार समाज एंव अन्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त करते हुए समाज की अन्य महिलाओ को भी प्रेरित और प्रेरणा प्रदान करती आई है। जाग्रति शाखा द्वारा तेजपुर की बेटी एवं जागृति शाखा तेजपुर की पूर्व शाखा मंत्री खुशबू जैन अग्रवाल, की स्मृति में उनकी जन्मतिथि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में तेजपुर मारवाड़ी समाज से चयनित पांच महिलाओं को यह विषेश सम्मान प्रदान किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ दिवंगत खुशबू जैन अग्रवाल के माता-पिता कविंदर- कविता जैन, शाखा सलाहकार राजीव जैन, तेजपुर शाखा अध्यक्ष अरुण बाहेती जागृति शाखा अध्यक्षा शर्मिला लोहिया द्वारा दीप प्रज्ज्वलित और मनीषा मंत्री, पूनम पांडिया द्वारा द्विप शलोक गायन एवं

उद्देश्य व्याख्या के साथ प्रारंभ कार्यक्रम में आमंत्रित समाज की विशिष्ट अतिथियो श्रीमती कविता जैन, श्रीमती उषा जिंदल, श्रीमती सुशीला डुग्गर, श्रीमती चंद्रकांता बेंगानी, श्रीमती सरोज कोठारी, श्रीमती किरण सरावगी, श्रीमती वंदना लोहिया और जाग्रति शाखा तेजपुर की रक्तदान शिविर संयोजिका शीतल छल्लानी को उनके सराहनीय कार्य के लिए शाखा द्वारा चूंदड़ी से सम्मानित किया गया। वही तेजपुर जागृति शाखा द्वारा तेजपुर मारवाड़ी महिला समाज से चयनित पांच *इंस्पायरिंग महिलाओ* को उनके उपलब्धि और उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया जिनमें श्रीमती उषा किरण टिबड़ेवाल, श्रीमती पुष्पा गोलछा, श्रीमती लक्ष्मी अग्रवाल, श्रीमती चंदा कोठारी, और श्रीमती पूनम शर्मा पंडिया का संक्षिप्त परिचय शाखा सदस्याओ सभा के समक्ष रखते हुए उन्हें दुपट्टा एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। सभी सम्मानित महिलाओं ने शाखा अध्यक्षा शर्मिला लोहिया द्वारा लिए गए साक्षात्कार के दौरान पांचों सम्मान प्राप्त करने वाली महिलाओं ने अपने अनुभव कार्यक्रम में उपस्थित समाज की अन्य महिलाओं के साथ प्रेरक संदेश के साथ सांझा किए। शाखा सदस्याओ द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ समापन कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों और सम्मानित इंस्पायरिंग महिलाओ ने जाग्रति शाखा की इस पहल की सराहना करते हुए शाखा को आने वाले दिनों में इसी तरह की नई सोच के साथ समाज की नारीशक्ति का मनोबल बढ़ाने और प्रेरणा प्रदान करने वाले कार्यक्रम आयोजित रहने हेतु बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

डीटीडीसी के चार दिवसीय ब्रांडिंग महोत्सव का शानदार समापन

गुवाहाटी (विभास)। देश की अग्रणी एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स कंपनी डीटीडीसी की ओर से आयोजित चार दिवसीय ब्रांडिंग महोत्सव का शानदार समापन डीटीडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक शुभाशीष चक्रवर्ती की उपस्थिति में गुवाहाटी हुआ। इस मौके पर लास्ट गेट स्थित डीटीडीसी के क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित समारोह में डीटीडीसी के कार्यकारी निदेशक अभिषेक चक्रवर्ती, निदेशक (कस्टमर एक्सपीरियंस) अर्पिता सि. मित्रा, उपाध्यक्ष कौशिक भट्टाचार्जी, पूर्वोत्तर के प्रमुख सुकांत विश्वास, शांतनु चक्रवर्ती सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस चार दिवसीय ब्रांडिंग महोत्सव के दौरान डीटीडीसी के सीएमडी शुभाशीष चक्रवर्ती ने गुवाहाटी स्थित कंपनी के सभी स्टोरों का व्यक्तिगत रूप से भ्रमण कर डीटीडीसी के नए रीब्रांडिंग लुक के साथ कुल 54 स्टोर का शुभारंभ किया। इस दौरान सीएमडी चक्रवर्ती ने डीटीडीसी के सभी चैनल पार्टनर के साथ व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर उनके अनुभव एवं कार्य के दौरान आने वाली, चुनौतियों को जाना। इस मौके पर श्री चक्रवर्ती ने अपने सभी चैनल पार्टनर्स को समग्र विकास के लिए अपने बहुमूल्य सुझाव भी दिए। इस अवसर पर कंपनी के कार्यकारी निदेशक

अभिषेक चक्रवर्ती ने घोषणा करते हुए कहा की नए वर्ष में 1 जनवरी से डीटीडीसी के सभी स्टोरों में ई: कॉमर्स डिलीवरी सीओडी सेवा ग्राहकों के लिए उपलब्ध रहेगी। इस मौके पर श्री चक्रवर्ती ने कहा की देश भर में रणनीतिक रूप से तैनात 15,000+ से अधिक चैनल पार्टनर के साथ, डीटीडीसी 96त्न भारतीय आबादी को सेवा प्रदान कर रहा है। नेटवर्क पूरे भारत में 14,000+ पिन कोड और पूर्वोत्तर क्षेत्र में 400+ पिनकोड को कवर करता है, जिसने डीटीडीसी को व्यवसायों और व्यक्तियों के लिए पसंदीदा लॉजिस्टिक्स भागीदार बना दिया है। डीटीडीसी में, हम विकास और साझेदारी की शक्ति में विश्वास करते हैं, और अपने एक्सप्रेस पार्सल, ई-कॉमर्स और अंतर्राष्ट्रीय वर्टिकल के माध्यम से हम अपने ग्राहकों को सर्वोत्तम श्रेणी की सेवाएं देना जारी रखेंगे। डीटीडीसी के ब्रांडिंग महोत्सव के मौके पर पूर्वोत्तर के प्रमुख सुकांत विश्वास ने कहा कि देश की अग्रणी एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स कंपनी डीटीडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक शुभाशीष चक्रवर्ती का चार दिनों तक गुवाहाटी के 54 स्टोर में जाकर बातचीत करना अपने आप में कंपनी की अपने सभी चैनल पार्टनरों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। श्री विश्वास ने डीटीडीसी के सभी अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आशा जताई की भविष्य में भी इसी तरह उनका प्यार, अनुभव, सहयोग एवं मार्गदर्शन मिलता रहेगा। निदेशक (कस्टमर एक्सपीरियंस) अर्पिता सि. मित्रा ने कहा की डीटीडीसी एक्सप्रेस लिमिटेड घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय सेवाएं प्रदान करने वाली भारत की अग्रणी एकीकृत एक्सप्रेस लॉजिस्टिक कंपनियों में से एक है। डीटीडीसी प्रौद्योगिकी: सक्षम लॉजिस्टिक्स सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है, जो विभिन्न उद्योग क्षेत्रों में ग्राहकों की एक विस्तृत श्रृंखला को सेवा प्रदान करता है। डीटीडीसी आज भारत के सबसे बड़े भौतिक रूप से सुलभ एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स नेटवर्क का संचालन करता है और इसके 15,000+ से अधिक विशिष्ट चैनल भागीदार हैं जो इसकी बिक्री और सेवा क्षमताओं में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं।

तेममं ने मां का दिशा बोध बेटी की उड़ान कार्यशाला का किया आयोजन

गुवाहाट (विभास)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित तेरापंथ महिला मंडल गुवाहाटी के तत्वावधान में अध्यक्षता अमराव बोथरा की अध्यक्षता में स्थानीय तेरापंथ धर्म स्थल में स्थाई प्रकल्प स्वस्थ परिवार स्वस्थ समाज के अंतर्गत मां का दिशाबोध बेटी की उड़ान कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र से हुई। मंडल की बहनों द्वारा प्रेरणा गीत का संगान किया गया। अध्यक्ष ने अपने स्वागत वक्तव्य से सभी का स्वागत किया। इस कार्यशाला को प्रतियोगिता का रूप देते हुए दो चरणों में पूर्ण किया गया।जिसमें प्रथम चरण में मां और बेटी को अपने भावों की अभिव्यक्ति देनी थी तथा दूसरे चरण में सभी जोड़ियों से रोचक प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में पूर्व अध्यक्ष सरोज बरड़ीया तथा कार्य समिति सदस्य मीरा सुराणा ने कुशल भूमिका निभाई। कार्यक्रम में मां बेटी की कई जोड़ियों ने भाग लिया जिसमें सुनीता गुंजन गुजरानी को सर्वश्रेष्ठ जोड़ी के रूप में सम्मानित किया गया। ममता हर्षा दुग्गड़, बबीता दर्शना पटवा, खुशबू टिया चोपड़ा, कोमल तनीषा गुलगुलिया की प्रस्तुति सराहनीय रही। सभी प्रतिभागियों को भी पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। सारिका दुग्गड़ ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया तथा सह संयोजिका पायल कोठारी ने गेम्स व प्रश्नों के द्वारा कार्यशाला को और भी रोचक बना दिया। उपाध्यक्ष कुसुम कोटेचा ने सभी का आभार व्यक्त किया बहनों की सराहनीय उपस्थित रही तथा जयघोष के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

वरिष्ठ नागरिक मंच, मणिपुर इकाई ने अपनी पहली ऑनलाईन काव्य गोष्ठी संपन्न की

मणिपुर। वरिष्ठ नागरिक मंच, मणिपुर ईकाई ने अपनी पहली ऑनलाइन काव्य: गोष्ठी संपन्न की। काव्य: गोष्ठी में वरिष्ठ नागरिक काव्य: मंच, पूर्वोत्तर की अध्यक्षा एवं तेजपुर विश्वविद्यालय की सहायक प्रोफेसर डॉ. गोमा देवी अधिकारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं वहीं साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता डॉ. युवराज भट्टराई काव्य: गोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थिति थे। डॉ. भट्टराई आकाशवाणी, संस्कृत विभाग में वार्ताकार हैं। काव्य: गोष्ठी में मणिपुर, असम व पंजाब के 20 कवियों ने अपनी स्वरचित कविता पाठ कर मंच को मंत्रमुग्ध कर दिया। कविता वाचन क्रम में मुख्य एवं विषिष्ट अतिथियों ने भी कविता वाचन की। विषिष्ट अतितिथ डॉ. युवराज भट्टराई ने प्रेमरसयुक्त छन्दबद्ध कविता पाठ कर काव्य: गोष्ठी में चार चांद लगा दिया। वहीं कवि सौमित्रम ने अपनी काव्य प्रस्तुति कर सबका दिल जीत लिया। अन्य कवि राहुल राई *बोगीको*, डॉ. एम प्रियोबती, मनीषा पाल, डॉ. सीताराम अधिकारी, अभा कुमारी चौधरी, तुलसी क्षेत्री, सुचित सिंह, साजन घिमिरे, सबिना दाहाल, गुरसेवक, संतोष कुमार महतो, सौरभ सुवेदी, सुमित प्रधान एवं रोशन दियाल ने अपनी-अपनी कविता पाठ कर काव्य: गोष्ठी को सफल बना दिया। कार्यक्रम के बीच में डॉ. गोमा देवी अधिकारी ने वरिष्ठ नगारिक मंच, मणिुर ईकाई की नवगठित समिति सदस्य की घोषणा की और सफल कार्यकाल के लिए शुभकामना प्रदान की। नवगठित सदस्य में संरक्षक सीता देवी छेत्री, अध्यक्ष हर्कबहादुर लामगादे, *रोहित*, महासचिव, रोशन दियाली एवं सुमित प्रधान सचिव के रूप में नियुक्त हुए। कविता वाचन पष्चात विशिष्ट अतिथि डॉ युवराज भट्टराई ने पाठ की गई कविताओं का मुल्यांकन किया और प्रखर कवि होने के गुण बताए। काव्य: गोष्ठी आयोजकर्ता, वनकाम मणिपुर ईकाई के अध्यक्ष सह मंच संचालन करने वाले कवि हर्कबहादुर लामगादे रोहित ने अंत में कविता पाठ की। वनकाम, मणिपुर ईकाई के नवनियुक्त सचिव सुमित प्रधान के धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात अध्यक्ष हर्कबहादुर लामगादे रोहित ने कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की। कवि: गोष्ठी गुगल मीट पर ऑनलाईन हुई थी।

आरएसएस प्रचारक ने मणिपुर में शांति का किया आह्वान

सावोमबुंग (मणिपुर) (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अखिल भारतीय कार्यवाहक वी भगैया जी ने आज मणिपुर में शांति का आह्वान किया है। इंफाल पूर्वी जिले के अंतर्गत सावोमबुंग में सरकार द्वारा संचालित अस्थायी आश्रय घरों में सेवा भारती मणिपुर और मणिपुर सेवा समिति द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान लगभग 600 आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों (आईडीपी) की एक सभा को संबोधित करते हुए भगैया जी ने कहा कि हम सभी एक परिवार के सदस्य, हम सभी भारत माता के बेटे और बेटियां हैं। राज्य में तीन दिवसीय दौरे पर आए 75 वर्षीय वरिष्ठ आरएसएस प्रचारक ने आग्रह किया कि राज्य में मौजूदा स्थिति के बावजूद हम सभी को शांतिपूर्ण मणिपुर के लिए मिलकर काम करने का प्रयास करना चाहिए।

थानेश्वर मालाकार की 24वीं पुस्तक *एरी अहा खोज* का विमोचन

गुवाहाटी (विभास)। असम साहित्य सभा के जयंत कुमार-लखिमी वरुवा सदन में रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम में गुवाहाटी विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. प्रदीप वरगोहाई ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी और लेखक थानेश्वर मालाकार की 24वीं पुस्तक *एरी अहा खोज* का विमोचन किया। इस कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में शिक्षाविद डॉ. दयानंद पाठक उपस्थित थे। डॉ. करगोहाई ने कहा कि सामाजिक जीवन के सभी वर्ग के लोगों के सान्निध्य और रिश्ते प्रशासनिक अधिकारियों को दुर्लभ अनुभव देते हैं। उन्होंने श्री मालाकार को एक कार्यकता बताते हुए कहा कि इंसान से प्रेम करना सहज नहीं है। उन्होंने कहा कि इस किताब में ऐतिहासिकता के कई तत्व मौजूद हैं। प्रोफेसर एवं लेखिका डॉ. नमिता डेका ने मालाकार के साहित्यिक कायों की वैज्ञानिक समीक्षा की और कहा कि मालाकार के लेखन की सकारात्मक सोच ने सभी को आकर्षित किया है। पुस्तक के लेखक थानेश्वर मालाकार ने होमेन बरगोहाई, डॉ. लक्ष्मीनंदन बोरा, डॉ. हिरेन गोहाई और अन्य की उपस्थिति को याद

किया और उदलागुड़ी, कोकराझाड़ और बरपेटा जिलों के आयुक्त के रूप में अपने कार्यकाल को छोड़ अपने करियर के विभिन्न अनुभवों का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि *एरी अहा खोज* में असम आंदोलन के विभिन्न अनुभवों का भी वर्णन किया गया है। बैठक का संचालन विजय शंकर शमां ने किया। सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी, लेखक रवेंद्र कुमार दास, कामरूपा जिला साहित्य सभा के पूर्व अध्यक्ष धीरेन शमां, भारतीया प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गुवाहाटी में गणित के प्रोफेसर डॉ. स्वरूप नंदन बोरा और कलाकार चंदन सुतिया ने भी अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. गार्गी मालाकार और संस्कृता मालाकार ने दो गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया। यह पुस्तक स्वर्गीय डॉ. लक्ष्मीनंदन बोरा और उनकी पत्नी माधुरी बोरा की स्मृति को समर्पित है।

सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने जापानी ओयाशियो क्लास पनडुब्बी का किया दौरा

- जापान के वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व के साथ बातचीत होगी, कई रक्षा संस्थानों में भी जाएंगे
- जनरल अनिल चौहान हिरोशिमा पीड़ितों की याद में विशेष श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे

नई दिल्ली, (हि.स.)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान अपनी आधिकारिक यात्रा पर जापान पहुंच गए हैं। योकोसुका बेस की अपनी यात्रा के दौरान सीडीएस को सेल्फ डिफेंस फ्लीट के कमांडर-इन-चीफ वाइस एडमिरल सैतो अकीरा ने जापान मैरीटाइम सेल्फ डिफेंस फोर्स (जेएमएसडीएफ) मिशन के बारे में जानकारी दी। उनके साथ योकोसुका जिले के कमांडेंट वाइस एडमिरल इतो भी थे और उन्होंने ओयाशियो क्लास पनडुब्बी का दौरा किया। सीडीएस जनरल अनिल चौहान जापान की आधिकारिक यात्रा के लिए 10 दिसंबर की रात को नई दिल्ली से रवाना हुए थे। उनकी इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच उत्कृष्ट रक्षा संबंधों को और भी सशक्त बनाना है। यह यात्रा भारत और जापान के बीच रक्षा सहयोग के बढ़ते महत्व को उजागर करती है। जनरल अनिल चौहान का जापान के वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व के साथ बातचीत करने और कई रक्षा संस्थानों तथा प्रमुख प्रतिष्ठानों का दौरा करने का कार्यक्रम

है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जापान के रक्षा मंत्री मिनोरू किहारा के साथ भेंट करेंगे। वे चीफ ऑफ स्टाफ, ज्वाइंट स्टाफ, जापान सेल्फ डिफेंस फोर्सेज के जनरल योशिदा योशीहिदे के साथ बैठक करेंगे। इसके अलावा उनका ऐक्वज़िशन टेक्नोलॉजी एंड लॉजिस्टिक्स एजेंसी के आयुक्त फुकासावा मसाकी और जापान के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिफेंस स्टडीज के उपाध्यक्ष मेजर जनरल अडाची योशिकी के साथ भी बातचीत का कार्यक्रम है। जनरल अनिल चौहान हिरोशिमा पीस पार्क जाकर हिरोशिमा दुर्घटना पीड़ितों की याद में विशेष श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। अपनी यात्रा के दौरान चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान कई विषय विशेषज्ञों तथा अनुसंधान विद्वानों के साथ बातचीत करेंगे और सैन्य प्रतिष्ठानों का भी दौरा करेंगे। इन बैठकों और चर्चा का उद्देश्य आपसी सहभागिता को बढ़ावा देना, क्षेत्रीय सुरक्षा पर विचारों का आदान-प्रदान करना तथा द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को सशक्त करने के साथ-साथ रक्षा उपकरण एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। वे क्षेत्र में शांति बढ़ाने के लिए हिरोशिमा में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प भी अर्पित करेंगे। भारत और जापान साल 2023 में राजनयिक संबंधों के 71 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। सीडीएस की यह यात्रा विशेष रणनीतिक एवं वैश्विक साझेदारी को सशक्त करने के लिए दोनों देशों की प्रतिबद्धता को व्यक्त करती है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की यह यात्रा पिछले 70 साल में भारत और जापान के बीच स्थापित हुए स्थायी सौहार्द को प्रदर्शित करते हुए कई रणनीतिक मुद्दों, विशेषकर रक्षा सहयोग में द्विपक्षीय सहयोग को और बढ़ावा देगी।

दिल्ली आबकारी घोटाला: संजय सिंह की जमानत याचिका पर 21 दिसंबर को फैसला

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट में आज दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में गिरफ्तार आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया। स्पेशल जज एमके नागपाल ने जमानत याचिका पर 21 दिसंबर को फैसला सुनाने का आदेश दिया। संजय सिंह की न्यायिक हिरासत भी 21 दिसंबर को पूरी हो रही है। सुनवाई के दौरान ईडी ने संजय सिंह की जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि दो करोड़ का लेन-देन दो किश्तों में किया गया। यह लेन-देन संजय सिंह के घर पर हुआ। ईडी ने कहा कि सर्वेश को संजय सिंह के घर पर पैसा दिया गया, जो संजय सिंह का कर्मचारी है। दिनेश अरोड़ा ने इसकी पुष्टि की है। ईडी ने कहा था कि उनके खिलाफ कैश ट्रांजेक्शन, कॉल रिकार्ड समेत अन्य साक्ष्य मौजूद है। ईडी ने मामले में गवाह का नाम गुप्त रखने के लिहाज से काल्पनिक नाम अल्फा के जरिये बताया कि उसने अभिषेक बोइनपल्ली से चार करोड़ लेकर एक करोड़ संजय सिंह को दिए। ईडी ने कहा कि शुरूआत में उसने अपने बयान में गौतम मल्होत्रा, मनीष सिसोदिया और संजय सिंह के नाम का खुलासा नहीं किया था। उसका कहना था कि यह लोग प्रभावशाली

हैं और इनसे उसको खतरा हो सकता था। ईडी की तरफ से कहा गया कि संजय सिंह के पास से कुछ संवेदनशील दस्तावेज मिले थे, जो ईडी की फाइल का हिस्सा थे। ईडी ने संजय सिंह को 4 अक्टूबर को उनके सरकारी आवास पर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था।

कश्मीरी गेट ऑटो पार्ट्स गोदाम/वेयर हाउस में भीषण आग

नई दिल्ली, (हि.स.)। उत्तरी जिले के कश्मीरी गेट इलाके स्थित एक वेयरहाउस/गोदाम में बीती रात भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही अलग अलग दमकल स्टेशन से आग बुझाने वाली आधा दर्जन से ज्यादा गाड़ियां मौके पर रवाना की गई। दमकल कर्मियों ने तुरंत मौके पर आग बुझाने की शुरूआत की। वहां पर घुप अंधेरा था, जिसकी वजह से दमकलर्मियों को आग बुझाने में काफी दिक्कत हो रही थी। धीरे धीरे गाड़ियों की संख्या बढ़कर 12 से ज्यादा हो गई। दमकल कंट्रोल रूम को रात 9:24 बजे के आसपास गोदाम में आग लगने की सूचना मिली थी। पाईवालान से असिस्टेंट डिविजनल ऑफिसर सुमित कुमार को, कनॉट प्लेस से एसटीओ प्रवीण यादव को, गीता कालोनी से अनूप यादव को और रानी झांसी रोड दमकल स्टेशन से स्टेशन ऑफिसर रविंद्र सहित 60 से ज्यादा दमकलकर्मी घंटों आग बुझाने की कोशिश में जुटे रहे।

गृह मंत्रालय ने गुजरात को 338.24 और हिप्र को 633.73 करोड़ की वित्तीय सहायता की मंजूरी दी

नई दिल्ली, (हि.स.)। गृह मंत्रालय ने तूफान विपरजॉय से प्रभावित गुजरात और वर्षा प्रभावित हिमाचल प्रदेश के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष से क्रमशः 338.24 करोड़ और 633.73 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सहायता राशि जारी किए जाने को मंजूरी प्रदान की है। मंत्रालय के अनुसार केंद्र सरकार ने पहले ही गुजरात और हिमाचल प्रदेश के राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष को 584 करोड़ और 360.80 रुपये जारी किए थे। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान बाढ़, बादल फटने और भूस्खलन के कारण हिमाचल प्रदेश गंभीर आपदा से गुजरा था। उधर, गुजरात राज्य चक्रवात बिपरजॉय से बुरी तरह प्रभावित हुआ

था। गृह मंत्रालय के अनुसार प्रभावितों को त्वरित राहत देने के लिए दोनों राज्यों के लिए एक अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय टीम की प्रतिनियुक्ति की गई थी। हिमाचल प्रदेश सरकार को तत्काल राहत कार्यों के प्रबंधन में मदद करने के लिए 21 अगस्त को एनडीआरएफ से 200 करोड़ रुपये की राशि भी अग्रिम रूप से जारी की गई थी। केंद्र सरकार ने पहले एसडीआरएफ को अपने हिस्से की दोनों किश्तें जारी की थीं, जो कुल 360.80 करोड़ रुपये थीं।

भ्रष्ट अधिकारियों को मुख्यमंत्री की कड़ी चेतावनी

सिलीगुड़ी, (हि.स.)। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मंगलवार को सिलीगुड़ी के कंचनजंगा स्टेडियम में सरकारी सेवा समारोह में शामिल हुई है। इस कार्यक्रम से कई सेवाएं लोगों को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रदान की। इसके अलावा कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलन्यास किया। इस दौरान ममता ने बिना नाम लिए ही भ्रष्टाचार के मुद्दे पर मंच से भ्रष्ट अधिकारी को कड़ी चेतावनी दी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि अगर कोई नेता पांच रुपये चुराए तो उसे टीवी पर 10 बार दिखाया जाता है। अगर कोई अधिकारी किसी

भ्रष्टाचार में शामिल है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ममता ने आगे कहा कि कुछ ब्लॉक भूमि अभिलेख कार्यालय (बीएलआरओ) अधिकारी बदमाशों के साथ मिलकर जमीन के काले कारोबार में शामिल है। उसके खिलाफ कड़े कदम उठाए जाएंगे।

मोदी सरकार सबसे झूठी : रघुराम राजन

नई दिल्ली (ईएमएस)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने एक किताब लिखी है। इस किताब का नाम ब्रेकिंग द मोस्ट है। यह बुक इन दिनों बड़ी चर्चा में है।पूर्व गवर्नर ने मोदी सरकार को सबसे झूठी सरकार,इस पुस्तक में बताया है। रघुराम राजन ने कोरोना की बीमारी में आंकड़ों को छुपाते हुए बहुत कम लोगों की मौत का आंकड़ा देने के लिए मोदी सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। रघुराम राजन का कहना है, कि भारत सरकार ने 5 लाख 60 हजार मौत होना बताया है। जबकि डब्ल्यूएचओ के अनुसार भारत में 50 लाख से अधिक लोंगो की मौत हुई है। रघुराम राजन ने कहा कि भारत सरकार द्वारा आंकड़ों में हेरा फेरी की जा रही है। वास्तविकता से उलट दिखाया जा रहा है। भारत सरकार ने समय रहते यदि अपनी आर्थिक पॉलिसी को नहीं बदला, तो भारत

बहुत बड़े आर्थिक संकट में फंसने जा रहा है। उल्लेखनीय है प्रधानमंत्री के पद पर जब डॉक्टर मनमोहन सिंह थे। तब रघुराम राजन ने रिजर्व बैंक के गवर्नर का पद संभाला था। आर्थिक सुधारो को लेकर उन्होंने बहुत काम किया। मोदी सरकार के आने के बाद उनके और सरकार के बीच में मतभेद सामने आए। उसके बाद वह इस्तीफा देकर चले गए। राहुल गांधी का इंटरव्यू भी बाद में विवाद का विषय बना। रघुराम राजन ने जिस तरीके से किताब में आर्थिक स्थिति को लेकर खुलासा किए हैं। इससे यह किताब और रघुराम राजन दोनों ही चर्चाओं में आ गए हैं।

मेट्रो स्टेशन के ट्रैक पर हाई वोल्टेज ड्रामा, कूदने जा रही लड़की को पुलिस ने बचाया

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के एक मेट्रो स्टेशन के रेलवे ट्रैक से लड़की के नीचे कूदने की कोशिश का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में लड़की मेट्रो स्टेशन से थोड़ा आगे रेलवे ट्रैक के साथ वाली रेलिंग पर चढ़कर नीचे कूदने की कोशिश करती है। वीडियो 11 दिसंबर की शाम करीब 5 बजे का है। वीडियो दिल्ली के शादीपुर मेट्रो स्टेशन का बताया जा रहा है। जहां एक लड़की मेट्रो स्टेशन से आगे निकलकर ट्रैक के सहारे बॉउंड्री के जरिए आगे निकल गई और फिर वहां से कूदकर सुसाइड की धमकी देने लगी। जब लड़की को मेट्रो पुलिस और नीचे सड़क से गुजर रहे लोगों ने देखा तो शोर मचाना शुरू किया। इस बीच मेट्रो स्टाफ और सीआरपीएफ के जवान उस जगह पर पहुंचे जहां लड़की रेलिंग पर चढ़कर

नीचे कूदने का प्रयास कर रही थी। हालांकि नीचे खड़े लोग उसे ऐसा नहीं करने की बात कह रहे थे, जिसके पीछे मनसा थी कि लड़की को बातों में कुछ देर उलझाया जा सके। ताकि इस बीच सीआरपीएफ के जवान वहां पहुंच कर उसे बचा ले। लोगो ने उस लड़की को बातों में उलझाए रखा और फिर मेट्रो स्टाफ और पुलिस ने लड़की को कूदने से बचा लिया। फिलहाल मेट्रो पुलिस इस मामले की जांच कर लड़की से पूछताछ की गई कि आखिर वह ऐसा क्यों कर रही है। लड़की ने अपने परिवार वालों के बारे में बताया, जिसके बाद उसके परिवार वालों को बुलाया गया और समझाया भी गया। साथ ही लड़की के काउंसलिंग की भी बात की गई।

मप्र के नए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज लेंगे शपथ, समारोह में मोदी-शाह होंगे शामिल

भोपाल, (हि.स.)। मध्य प्रदेश में नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार दोपहर 12 बजे भोपाल के मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित भव्य समारोह में पद और गोपनीयता की शपथ लेंगे। समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत भाजपा शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्री व पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। मनोनीत मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वयं इसकी जानकारी मीडिया के साथ साझा की है। उन्होंने कहा है कि शपथ ग्रहण 13 दिसंबर को होगा। डॉ. मोहन यादव के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए भोपाल पहुंच रहे प्रधानमंत्री मोदी का कार्यक्रम मंगलवार को जारी हो गया है। प्रधानमंत्री बुधवार सुबह 11 बजे भोपाल पहुंचेंगे। यहां एयरपोर्ट पर नवनियुक्त मुख्यमंत्री डॉ. यादव उनकी आगवानी करेंगे। इसके बाद वह सीधे मोतीलाल नेहरू स्टेडियम पहुंचेंगे, जहां शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होगा। डॉ. मोहन यादव के साथ राजेंद्र शुक्ला और जगदीश देवड़ा उप

मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। कार्यक्रम को लेकर भोपाल में चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया गया है। संभावना है कि नए मुख्यमंत्री के साथ कुछ विधायक भी मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के अलावा डॉ. मोहन यादव के शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा शासित राज्य उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, असम के मुख्यमंत्री हेमंता विस्वा सरमा, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे शामिल होंगे। इसके अलावा अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों में माणिक साहा, एन बिरेन सिंह, पेमा खांडू भी शामिल हो सकते हैं। भाजपा के बड़े नेता शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों में जुट गए हैं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने मंगलवार को सुबह मोतीलाल नेहरू स्टेडियम का निरीक्षण किया। यहां विशाल डोम तैयार कराया जा रहा है। इसमें दो हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था की जा रही है। विशाल मंच तैयार हो रहा है, जहां दो दर्जन से अधिक नेताओं के बैठने की व्यवस्था रहेगी। इसके लिए लाल परेड में तीन हेलिपैड बनाए जा रहे हैं। यहीं पर वरिष्ठ नेताओं के हेलीकॉप्टर उतरेंगे।

भाजपा का भ्रष्टाचार पर वार, कहा- कांग्रेस का नाम कप्शन पार्टी होना चाहिए

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कांग्रेस सांसद के कथित कैश कांड पर लगातार हमलावर है। आज (मंगलवार) संवाददाता सम्मेलन में केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि इस पार्टी (कांग्रेस) का नाम करप्शन पार्टी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके गठबंधन आईएनडीआईए के कई नेता भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। उनमें कुछ जेल में तो कुछ बेल पर हैं। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि मोदी की गारंटी लोगों की सेवा की गारंटी है। भ्रष्टाचारियों को बेनकाब करने की गारंटी है। कांग्रेस भ्रष्टाचारियों के साथ है। किरेन

रिजिजू ने धीरज साहू से राहुल गांधी की नजदीकियों का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस को कैश कांड पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, सोनिया गांधी सहित कुछ समय पहले किए गए नए विपक्षी गठबंधन के सभी नेताओं ने चुप्पी साध रखी है। कांग्रेस की नीति है लूटो और दूसरों को भी लूटने दो। रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कांग्रेस से जुड़ी भ्रष्टाचार की इस बीमारी को ठीक करने की गारंटी लेकर आए हैं।

उमर अब्दुल्ला को हाई कोर्ट से झटका, पत्नी पायल से तलाक की अर्जी खारिज

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से अलग रह रही पत्नी पायल अब्दुल्ला से तलाक की मांग वाली उनकी याचिका खारिज कर दी है। जस्टिस संजीव सचदेवा की अध्यक्षता वाली बेंच ने उमर अब्दुल्ला की याचिका खारिज करने का आदेश दिया। उमर अब्दुल्ला ने पायल अब्दुल्ला पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। इसके पहले ट्रायल कोर्ट ने भी उमर अब्दुल्ला की तलाक की अर्जी 30 अगस्त, 2016 को खारिज कर दी थी। ट्रायल कोर्ट के आदेश के खिलाफ उमर अब्दुल्ला ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इसके पहले हाई कोर्ट ने उमर अब्दुल्ला को आदेश दिया था कि वो अपनी पत्नी पायल अब्दुल्ला को बतौर अंतरिम गुजारा भत्ता डेढ़ लाख रुपये हर महीने

दें। जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद की बेंच ने उमर को निर्देश दिया था कि वो अपने बेटे की पढ़ाई के लिए हर महीने 60 हजार रुपये दें। सुनवाई के दौरान उमर अब्दुल्ला ने कहा था कि पायल और उनके दो बेटों ने जिस गुजारा भत्ते की मांग की है वो स्वीकार करने योग्य नहीं है। उमर की इस दलील का पायल अब्दुल्ला के वकील ने पुरजोर विरोध किया था और कहा था कि 2016 से पायल अकेले रह रही हैं, और उन्हें कोई खर्च नहीं दिया जा रहा है। यहां तक कि उनके पास अपने बेटों की फीस तक भरने के पैसे नहीं हैं। उमर ने कहा था कि पायल अपना गुजारा कर सकती हैं, क्योंकि उनका अपना व्यवसाय है और दिल्ली में उनका एक घर भी है। बेटे भी अब बड़े हो गए हैं, जो गुजारा भत्ता नहीं मांग सकते हैं।

लाखों लोगों के लिए खुशखबरी जल्द चालू हो सकता है द्वारका एक्सप्रेस

नई दिल्ली (ईएमएस)। द्वारका एक्सप्रेस-वे का गुरुग्राम भाग जल्द से जल्द चालू कराने का प्रयास जिला प्रशासन करेगा। इसके लिए जिले के उपायुक्त निशांत कुमार यादव भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को पत्र लिखेंगे। पत्र में कहा जाएगा कि जगह-जगह कुछ साइन बोर्ड लगाकर गुरुग्राम भाग को चालू किया जाए। साइन बोर्ड में यह लिखा जाए कि दिल्ली में निर्माण कार्य अधूरा होने की वजह से आप दिल्ली सीमा से आगे नहीं जा सकते। इस तरह के बोर्ड लगाकर दिल्ली सीमा तक यानी गुरुग्राम भाग को चालू किया जा सकता है। इससे लाखों लोगों को राहत मिलेगी। दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस-वे पर से वाहनों का दबाव कुछ हद तक कम हो जाएगा। दिल्ली के महिपालपुर में शिवमूर्ति के आगे से लेकर गुरुग्राम में खेड़कीदौला टोल प्लाजा के नजदीक तक द्वारका

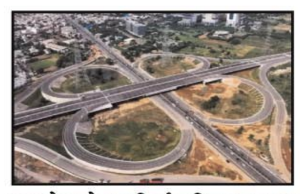

एक्सप्रेस-वे का निर्माण किया जा रहा है। इसे दो भाग में बांटा गया है। गुरुग्राम भाग का निर्माण कार्य कई महीने पहले पूरा हो चुका है। दिल्ली भाग का निर्माण पूरा होने में कम से कम तीन महीने लगेंगे। एनएचएआई का मानना है कि जब तक दिल्ली भाग का निर्माण पूरा नहीं होता है, तब तक गुरुग्राम भाग को चालू करने का विशेष लाभ नहीं। ऐसे में फरवरी से पहले काम पूरा होने के बाद भी गुरुग्राम भाग चालू नहीं हो सकता। जिला प्रशासन का मानना है कि गुरुग्राम भाग को चालू किया जा सकता है। केवल जगह-जगह कुछ साइन बोर्ड लगाने होंगे, ताकि दिल्ली जाने वाले लोग द्वारका एक्सप्रेस-वे पर न चढ़ सकें। खेड़कीदौला टोल प्लाजा के नजदीक दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस-वे के ऊपर फुल क्लोवरलीफ फ्लाईओवर का निर्माण लगभग एक साल पहले पूरा हो चुका है। द्वारका एक्सप्रेस-वे के गुरुग्राम भाग को चालू न किए जाने से फुल क्लोवरलीफ फ्लाईओवर को भी चालू नहीं किया जा रहा है। इसका निर्माण सदर्न पेरिफेरल रोड, दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस-वे और द्वारका एक्सप्रेस-वे को आपस में जोड़ने के लिए किया गया है। सदर्न पेरिफेरल रोड एक तरफ गांव घाटा के नजदीक गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड से जुड़ा है। ऐसे में इसे चालू किए जाने से फरीदाबाद एवं दिल्ली के लोगों को भी लाभ होगा। फरीदाबाद की तरफ से आने वाले लोग इफको चौक से दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस-वे पर न चढ़कर सीधे गांव घाटा से ही मुड़ जाएंगे।

285 लाख टन पहुंचा देश में उर्वरक उत्पादन : मांडविया

नई दिल्ली, (हि.स.)। केन्द्र सरकार ने कहा है कि देश में उर्वरक उत्पादन में वृद्धि हुई है और किसानों को रियायती दरों पर उर्वरक उपलब्ध कराए जा रहे हैं। रसायन और उर्वरक मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को राज्यसभा में पूछे गये एक सवाल के जवाब में बताया कि अभी नैनो यूरिया के नौ संयंत्र देशभर में काम कर रहे हैं। सरकार वर्ष 2025 तक 13 और संयंत्र शुरू करेगी। इन संयंत्रों के माध्यम से नैनो यूरिया के उत्पादन को और अधिक बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम दुनिया के पहले देश हैं, जिसने सबसे पहले नैनो यूरिया बनाया है। नैनो यूरिया की 500

एमएल की एक बोतल यूरिया के एक बैग को रिप्लेस कर रही है। इससे किसानों की मेहनत और लागत दोनों कम हुई है। मनसुख ने कहा कि उर्वरक क्षेत्र में हम मजबूत हुए हैं लेकिन अभी हमें लगभग 200 लाख टन यूरिया का आयात करना पड़ता है। इसके लिए समय-समय पर निविदा मंगाई जाती है और पारदर्शी तरीके से हम यूरिया की खरीद करते हैं।

शिवराज से मिल कर भावुक हुई लाडली बहनें, फफक-फफक कर रोने लगीं

शिवराज बोले- मेरे बारे में पार्टी करेगी फैसला

भोपाल, (हि.स.)। मध्य प्रदेश में नए मुख्यमंत्री के चयन के बाद शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार देर शाम राज्यपाल से मिल कर उन्हें अपना इस्तीफा सौंप दिया। इसके बाद मंगलवार को लाडली बहनें और उनके समर्थक उनसे मिलने के लिए पहुंचे। इस दौरान लाडली बहनें भावुक हो गईं और कुछ महिलाएं फफक-फफक कर रोने लगीं। शिवराज ने उन्हें सांत्वना दी। इस दौरान शिवराज भी भावुक नजर आए। मुख्यमंत्री का पद छोड़ने के बाद शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को पहली पत्रकार वार्ता की। उन्होंने 2003 में उमा भारती के मुख्यमंत्री बनने से लेकर अभी तक के अपने कार्यकाल का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मैं अपनी विदाई से पूरी तरह संतुष्ट हूं। मोहन यादव को बहुत-बहुत बधाई। उन्होंने कहा कि दोनों उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ला को भी बहुत-बहुत बधाई देता हूं। उनका अभिनंदन करता हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में भाजपा की सरकार जो तेजी से

काम चल रहे हैं, उन्हें पूरा करेगी। लोक कल्याणकारी योजनाओं को लागू करेगी और प्रगति और विकास की दृष्टि से मध्य प्रदेश नई ऊंचाइयां छुएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा मेरा मिशन है। मेरे बारे में फैसला पार्टी करेगी। दरिद्र नारायण की सेवा का मेरा मिशन चलता रहेगा। मामा का रिश्ता पाया का है। भैया का रिश्ता विश्वास का है। ये रिश्ते मैं टूटने नहीं दूंगा। जनता ही मेरे लिये पूजा है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व का मैं आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने मुझे समय- समय पर मार्गदर्शन किया। जनता का भी आभारी हूं, उन्होंने मुझे अपने बीच का ही माना। प्रशासनिक मित्रों को भी धन्यवाद, उनकी मदद से ही लाडली बहना जैसी योजना बनी। उन्होंने कहा कि एक बात विनम्रतापूर्वक कहता हूं कि अपने लिए कुछ मांगने से बेहतर मरना पसंद करूंगा इसलिए मैंने कहा था कि दिल्ली नहीं जाऊंगा। उन्होंने कहा कि एक साधारण कार्यकर्ता को भाजपा ने साढ़े अठारह साल मुख्यमंत्री बनाकर रखा, इससे बड़ा काम क्या हो सकता है। अब मेरा समय पार्टी को देने का आया है, पार्टी जो काम देगी, वह करूंगा। गौरतलब है कि सोमवार शाम भाजपा विधायक दल की बैठक में मोहन यादव को सर्वसम्मति से पार्टी विधायक दल का नेता चुन लिया गया। उनके नाम का प्रस्ताव शिवराज सिंह चौहान ने रखा था, जिसका सभी विधायकों ने समर्थन किया। विधायक दल की बैठक के बाद शिवराज सिंह चौहान राजभवन पहुंचे और मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। राज्यपाल ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर मोहन यादव को सरकार बनाने का न्योता दिया।

उप्र में भी मोहन यादव को तुरूप के पत्ते की तरह प्रयोग करेगी भाजपा, सपा से खिसक सकता है यादव वोट

लखनऊ, (हि.स.)। मोहन यादव मध्य प्रदेश ही नहीं, उप्र की राजनीति को भी निश्चित ही प्रभावित करेंगे। भाजपा आज से ही तुरूक के पत्ते के रूप में प्रयोग करने की योजनाओं पर काम करने लगी है। सुलतानपुर जिले में ससुराल होने के कारण सहजता से वे यहां लोगों में अपनी बिरादरी के बीच अपनत्व की भावना जोड़ने में सफल हो सकते हैं।

इससे सपा को अभी से खतरे का एहसास होने लगा है। मोहन यादव को मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री घोषित किए जाने पर उनकी ससुराल सुलतानपुर में जश्न का माहौल है। ससुराली जनों के साथ मोहल्ले के लोग सोमवार को जश्न में शामिल हुए। ससुर ब्रह्मनंद और साले विवेकानंद को बधाई देने का सिलसिला जारी है। परिवार के सदस्यों को फोन पर प्रत्यक्ष मिलकर लोग बधाईयां दे रहे हैं। संघ के नेता पवनेश ने बताया कि करीब डेढ वर्ष पहले मोहन यादव आए थे। भाजपा ने मोहन को सत्ता में हिस्सेदारी देकर इस वोट बैंक को अपने साथ लाने की कवायद कर रही है। यह तो बड़े पद की बात है, लेकिन भाजपा का यह प्लान पहले चल रहा था। उत्तर प्रदेश में यादव समाज 80 के दशक से ही बहुत जागरूक और सत्ता में हिस्सेदारी में रहा है। यही कारण है कि अखिलेश के सत्ता से बाहर होने के बाद से यादव समाज फिर सत्ता में हिस्सेदारी तलाशने लगा। भाजपा ने इसे अवसर बनाया। 2017 से ही यादवों में पकड़ मजबूत करने की कोशिश शुरू कर दी। उत्तर प्रदेश में इस समय खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव हों या राज्य सभा सांसद हरनाथ सिंह यादव, ये यादव समाज में भाजपा के बड़े चेहरे हैं। आजमगढ़ लोकसभा उपचुनाव में भाजपा दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ को मैदान में उतारा।

उन्होंने अखिलेश परिवार के सबसे खास धर्मेंद्र यादव को चुनाव में हराया। अब मोहन यादव के साथ-साथ यूपी में भाजपा इन्हीं बड़े चेहरों के साथ 24 के चुनाव में उतरेगी ओर यादव वोट बैंक में और सेंध लगाने की कोशिश करेगी। केंद्र में जीत की हैट्रिक के लिए, भाजपा फिर से पार्टी शासित उत्तर प्रदेश पर बहुत अधिक भरोसा कर रही है, जहां यादव सबसे प्रमुख ओबीसी समूह हैं। उत्तर प्रदेश में लगभग नौ प्रतिशत यादवों का इटावा, बदायूं, मैनपुरी, फिरोजाबाद, इटावा, मैनपुरी, फैजाबाद, संत कबीर नगर, बलिया, जौनपुर और आजमगढ़ सहित कई लोकसभा क्षेत्रों में लगभग निर्णायक प्रभाव है। जून 2022 में, सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा सीट खाली करने के बाद भाजपा के दिनेश लाल यादव निरहुआ ने लोकसभा उपचुनाव में आजमगढ़ जीता। मोहन यादव की शादी 1994 में उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर के विवेकानंद नगर मोहल्ले में रहने वाले ब्रह्मानंद यादव की बेटी सीमा यादव से हुई थी।

उनके ससुर बह्मानंद उस समय रीवां मध्यप्रदेश में एक इंटर कालेज में प्रधानाचार्य थे। उस समय मोहन विद्यार्थी परिषद के संगठन मंत्री थे। दोनों परिवार उसी समय संपर्क में आए। ब्रह्मानंद 1997 में रिटायर होने पर विद्याभारती में पूर्णकालिक रहे। इस संबंध में वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक हर्ष वर्धन त्रिपाठी का कहना है कि मोहन यादव को म.प्र. का मुख्यमंत्री बनाने से निश्चय ही उप्र में भी असर पड़ेगा। अभी तक यही एक मात्र बिरादरी थी, जिस पर उप्र में भाजपा कोई प्रमुख असर नहीं डाल पा रही थी, लेकिन अखिलेश का घटता जनाधार यादव समाज को भी भाजपा की ओर ले जाने में सफल होगा।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए लक्ष्य व संकल्प के साथ कार्य करें युवा : राष्ट्रपति

-आईआईआईटी लखनऊ के दीक्षांत समारोह में शामिल हुई राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

लखनऊ, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने उत्तर प्रदेश के दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन मंगलवार को लखनऊ में इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी लखनऊ (आईआईआईटी लखनऊ) के दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं। राष्ट्रपति ने मेधावियों को मेडल प्रदान कीं। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित संस्थान के इस दूसरे दीक्षांत समारोह में उनके साथ उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने युवाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मैंने अभी देखा है कि आपके संस्थान के लोगों में विद्या ददाति विनयम... को उल्लेखित किया है जिसका अर्थ है विद्या विनय देती है और विनय से पात्रता आती है। पात्रता से धन आता है और धन से धर्म आता है। धर्म से सुख प्राप्त होता है। मुझे आशा है कि आप सब अपने संस्थान के ध्येय के अनुकूल आचरण करते हुए भविष्य का निर्माण करेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे बताया गया है कि आईआईआईटी लखनऊ को विशेष दर्जा दिया गया है, यह दर्जा आपकी क्षमता का परिचायक है। मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं की इंजीनियरिंग और बिजनेस जैसे क्षेत्र में शिक्षा प्रधान करने वाले आईआईटी जैसे संस्थान शिखर पर खड़े हैं। डिजिटल बिजनेस के लिए संस्थान ने प्रोग्राम शुरू किया है, यह सराहनीय कदम है। राष्ट्रपति ने डिजायर, डेमोक्रेसी, डेवलपमेंट जैसे 5 डी का उल्लेख किया। भारत अपनी आजादी के 100 साल पूरा करने के वक्त विकसित राष्ट्र का लक्ष्य रखा है। इस दिशा में कार्य करने के लिए आप सबको संकल्प लेना होगा। इस मौके पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यहां के युवा अपने पाठ्यक्रम के साथ-साथ अन्य एक्टिविटी में भी शामिल हो रहे हैं। यह बहुत अच्छी बात है। आज पूरी दुनिया भारत की और देख रही है। भारत के मनीषियों ने विश्व को बहुत कुछ दिया है। हमारी संस्कृति का संदेश विश्व बंधुत्व एवं सबक सुख की कामना का है।

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के रूप में मुझे आईआईआईटी लखनऊ से बहुत उम्मीदें हैं। यहां के छात्र अपने साथ-साथ समाज के उसे वंचित लोगों का भी ध्यान रखें। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए आईआईआईटी लखनऊ को बधाई देती हूं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का स्वागत करते हुए कहा कि आईआईआईटी लखनऊ के द्वितीय दीक्षांत समारोह में जिन युवाओं को डिग्री मिल रही है, उन्हें और उनके अभिभावकों को हम बधाई देते हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमारा देश आज दुनिया के अंदर एक बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। हम सब नए भारत को देख रहे हैं। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में भारत ने अपने युवा ऊर्जा के लिए रास्ते खोले हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने देश की 5 ट्रिलियन डॉलर इकोनामी का लक्ष्य रखा है। वहीं उत्तर प्रदेश एक ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी की ओर आगे कदम बढ़ा रहा है। मुख्यमंत्री ने युवाओं को देसी के प्रति ईमानदारी और निष्ठा के साथ कार्य करने की सीख दी। उन्होंने बताया कि फरवरी में हुए ग्लोबल इन्वेस्टर समिति के तहत अब तक 40 हजार करोड़ के निवेश के प्रस्ताव उत्तर प्रदेश को मिले हैं। युवा इस दिशा में भी अपना कॅरियर चुन सकते हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि आप (युवा) अपनी पूरी प्रतिभा और मेहनत को देश के विकास में लगाएंगे। युवाओं को मैं बधाई देता हूं और राष्ट्रपति का एक बार फिर हृदय से अभिनंदन करता हूं।

लगातार तीसरी बार एबीवीपी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य बने ऋषभ गुप्ता

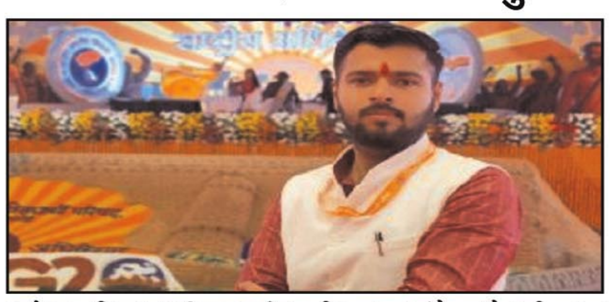

अयोध्या, (हि.स.)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का 69वां राष्ट्रीय अधिवेशन इंद्रप्रस्थ नगर दिल्ली के बुराड़ी मैदान में संपन्न हुआ। एबीवीपी के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर राज शरण शाही ने अयोध्या जिले के राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य ऋषभ गुप्ता को संगठन के प्रति कार्य कुशलता एवं निष्ठा को देखते हुए लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मनोनित किया। ऋषभ गुप्ता अयोध्या जिले के रुदौली के रहने वाले हैं। इससे पहले वह तहसील संयोजक, जिला संयोजक, विभाग सह संयोजक के दायित्व का कुशलता पूर्वक निर्वहन कर चुके हैं। ऋषभ गुप्ता ने बताया कि संगठन के नेतृत्व आशा और विश्वास के साथ जो जिम्मेदारी मिली है, उसका निष्ठा पूर्वक निर्वहन करुंगा एवं संगठन के प्रति दृढ़ संकल्पित रहूंगा।

राष्ट्रीय टीम में पुनः जगह मिलने पर विद्यार्थी परिषद के विभाग संगठन मंत्री अमन मिश्रा, जिला संगठन मंत्री पवन पांडेय, जिला प्रमुख डॉ. अमित मिश्रा, जिला सह प्रमुख अलका सोनी, जिला संयोजक मोहित साहू ने बधाई दी है।

लगातार तीसरी बार एबीवीपी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य बने ऋषभ गुप्ता

अयोध्या, (हि.स.)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का 69वां राष्ट्रीय अधिवेशन इंद्रप्रस्थ नगर दिल्ली के बुराड़ी मैदान में संपन्न हुआ। एबीवीपी के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर राज शरण शाही ने अयोध्या जिले के राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य ऋषभ गुप्ता को संगठन के प्रति कार्य कुशलता एवं निष्ठा को देखते हुए लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मनोनित किया। ऋषभ गुप्ता अयोध्या जिले के रुदौली के रहने वाले हैं। इससे पहले वह तहसील संयोजक, जिला संयोजक, विभाग सह संयोजक के दायित्व का कुशलता पूर्वक निर्वहन कर चुके हैं। ऋषभ गुप्ता ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि संगठन के नेतृत्व आशा और विश्वास के साथ जो जिम्मेदारी मिली है, उसका निष्ठा पूर्वक निर्वहन करुंगा एवं संगठन के प्रति दृढ़ संकल्पित रहूंगा।

मोदी की गारन्टी के साथ सबको जोड़ रही भाजपा : सुभाष यदुवंश

लखनऊ, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारन्टी के साथ यात्रा देश के विकास में सबकी भागीदारी के लिए सबको जोड़ रही है। विकसित भारत संकल्प यात्रा प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को गांव, मोहल्ले, चौपालों तक पहुंचा रही है। भाजपा के प्रदेश महामंत्री सुभाष यदुवंश ने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा समर्थ-सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के मंत्र के साथ जन-जन से जुड़ रही है। यात्रा के माध्यम से हर गांव में लाभार्थियों का सम्मान और विभिन्न योजनाओं से अब तक छूटे हुए पात्र व्यक्तियों की सूची तैयार करते हुए उन्हें आवास, पेयजल, रोजगार व चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी मंगलवार को राजधानी लखनऊ के प्रियदर्शनी कॉलेज, एलजी गोदाम के पास फैजुल्लागंज तृतीय वार्ड में विकसित भारत संकल्प यात्रा का नेतृत्व करेंगे।

कानपुर दर्शन यात्रा कार्यक्रम 17 दिसम्बर से प्रारंभ होगी

कानपुर, (हि.स.)। ऐतिहासिक, पौराणिक और सांस्कृतिक स्थल के रूप में 17 दिसम्बर से पहला कानपुर दर्शन यात्रा कार्यक्रम प्रारंभ होगा। यह जानकारी मंडलायुक्त अमित गुप्ता ने मंगलवार को दी। उन्होंने बताया कि पर्यटन विकास एवं प्रोत्साहन के लिए सोमवार को समिति संग बैठक की गई। इसमें यह निर्णय लिया गया। कानपुर एक ऐतिहासिक, पौराणिक और सांस्कृतिक स्थल के रूप में पर्यटन की दृष्टि से असीम संभावनाएं रखता है। किसी भी शहर में पर्यटन को प्रोत्साहित करने में सर्वप्रथम शहर के निवासियों और छात्र-छात्राओं को शहर के दर्शनीय एवं पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलों पर भ्रमण कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रोत्साहन की योजना को साकार करने के लिए सबसे पहले कानपुर के विद्यालयों के शिक्षकों के लिए भ्रमण कराने की योजना बनाई गई है। इसके बाद छात्र-छात्राओं को भ्रमण कराया जाएगा। मंडलायुक्त ने कहा कि हर दर्शनीय स्थल पर जहां टिकट दर निर्धारित है। वहां पर छात्र-छात्राओं के लिए 50 प्रतिशत की छूट दी गई है। कानपुर दर्शन यात्रा के साथ गाइड की सुविधा और आने वाले समय में ऑडियो विजुअल व्यवस्था भी कराई जाएगी, जिससे पर्यटकों में स्थलों की जानकारी प्राप्त हो और पर्यटन यात्रा को और आकर्षक बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि ट्रैवल एंड टूर ऑपरेटर्स के प्रतिनिधियों से भी कानपुर दर्शन यात्रा को और आकर्षक बनाने के सुझाव मांगे गए हैं। जिस पर टूर ऑपरेटर्स ने शहर में आने वाले बिजनेस टूरिस्ट एवं अन्य पर्यटकों के लिए यह योजना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि शहरवासियों से अपील किया है कि अपने शहर को जाने और गर्व भी महसूस करें कि आप कानपुर के रहने वाले हैं। यह शुरूआत आपके प्रयासों से ही अपने स्वरूप को ग्रहण करेगी।

झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र 15 दिसंबर से, गूंजेगा सांसद धीरज साहू का प्रकरण

- 14 दिसंबर को भाजपा विधायक दल की होगी बैठक

रांची, (हि.स.)। झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र 15 दिसंबर से शुरू हो रहा है। सदन की कार्यवाही शांतिपूर्ण संचालित करने के लिए जहां एक तरफ तैयारी पूरी की जा रही है। दूसरी ओर विपक्ष की ओर से सत्ता पक्ष को घेरने की तैयारी की गई है। इस शीतकालीन सत्र में छह कार्यदिवस होंगे, जिसमें सरकार की ओर से कई बिल भी सदन के पटल पर लाने की तैयारी की गई है। विधानसभाध्यक्ष ने 14 दिसंबर को शीतकालीन सत्र को लेकर हाई लेवल बैठक बुलाई है, जिसमें सदन की कार्यवाही को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेताओं के साथ-साथ राज्य के आला अधिकारी मौजूद रहेंगे। यह पहला मौका होगा जब नेता प्रतिपक्ष भी पंचम विधानसभा के इस सत्र के बैठक में मौजूद रहेंगे। शीतकालीन सत्र के दौरान सरकार को घेरने की तैयारी में जुटी प्रमुख विपक्षी दल भाजपा ने अपने विधायक दल की बैठक 14 दिसंबर को शाम सात बजे बुलाई है। इस बैठक में पार्टी द्वारा रणनीति बनाई जायेगी। जानकारी के मुताबिक शीतकालीन सत्र में भारतीय जनता पार्टी के द्वारा कांग्रेस सांसद धीरज साहू के घर आईटी रेड में मिले भारी भरकम राशि का मुद्दा भी सदन में उठाया जायेगा। भाजपा लगातार इस मामले में सांसद धीरज साहू पर कार्रवाई करने की मांग कर रही है और इस बहाने कांग्रेस पर हमला बोलने में जुटी है। भाजपा प्रदेश महामंत्री बालमुकुंद सहाय नेकहा कि आईटी की कार्रवाई के दौरान जिस तरह से कैश बरामद हुए हैं उससे साफ जाहिर होता है कि यह एक बड़ा मुद्दा है जिसे पार्टी प्रमुखता से रखने का प्रयास करेगी। इसके अलावा विपक्ष के द्वारा सरकार को भ्रष्टाचार, जनता से वादा खिलाफी सहित ऐसे कई मुद्दों पर घेरने की तैयारी की जा रही है। इन सब के बीच सत्ता पक्ष की ओर से भी विपक्ष के हमले का माकूल जवाब देने के लिए तैयार रहने को कहा गया है। 14 दिसंबर देर शाम सत्तारुढ दल के विधायक दल की बैठक होगी। मुख्यमंत्री आवास पर होने वाली इस बैठक में विपक्ष की रणनीति को सफल करने के लिए पूरी तैयारी की जाएगी और सदन में आने वाले सवाल का जवाब देने के लिए मंत्रियों को विशेष रुप से टास्क दिया जायेगा।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन नहीं जाएंगे ईडी कार्यालय

रांची, (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मंगलवार को ईडी कार्यालय नहीं जाएंगे। दुमका जिले में आपकी योजना,आपकी सरकार, आपके द्वार के तहत पूर्व निर्धारित कार्यक्रम में शामिल होने के कारण मुख्यमंत्री ईडी कार्यालय नहीं जाएंगे। ईडी ने बीते रविवार को छठा समन जारी कर पूछताछ के लिए मंगलवार सुबह 11 बजे ईडी दफ्तर बुलाया था लेकिन वे नहीं जा रहे हैं। ईडी ने इसके पहले पांच समन जारी कर चुका है। ईडी ने पहले समन में चार अक्टूबर और छठे समन 12 दिसंबर यानी आज पूछताछ के लिए बुलाया। यह सभी समन जमीन घोटाले मामले में मुख्यमंत्री से पूछताछ करने को लेकर जारी की गई है। ईडी की ओर से जारी समन को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समन की वैधानिकता को पहले हाई कोर्ट और उसके बाद सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे चुके हैं लेकिन उन्हें इस मामले में पहले सुप्रीम कोर्ट से और बाद में हाई कोर्ट से राहत नहीं मिली थी। सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने उन्हें हाई कोर्ट जाने की सलाह दी थी। बाद में हाई कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान समन की तिथि गुजर जाने का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री की याचिका को खारिज कर दिया था।

हाई कोर्ट ने चारा घोटाला के दोषी के पेंशन मामले में सरकार से दो सप्ताह में मांगा जवाब

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट में चाईबासा में चारा घोटाला के दोषी धनंजय शर्मा की सिविल रिव्यू (पुनर्विचार) याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की बेंच ने की। इस दौरान याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अजीत कुमार ने अदालत को बताया कि चारा घोटाला मामले में उनके याचिकाकर्ता को दोषी करार दिया गया था, लेकिन वर्ष 2002 में ही वे रिटायर हो चुके थे। ऐसे में बिहार पेंशन रूल के प्रावधान के मुताबिक अंतिम आदेश पारित नहीं किये जाने की परिस्थिति में उनकी पेंशन रोकना अनुचित है। अधिवक्ता ने कोर्ट से कहा कि एलपीए में पारित आदेश में कहा गया है कि सरकार ने उनके खिलाफ नियम 139 के तहत अंतिम निर्णय लिया गया था। ऐसी परिस्थिति में एलपीए में पारित आदेश पर पुनर्विचार की जरूरत है। इसके बाद हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को दो सप्ताह में शपथ पत्र के माध्यम से जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। चाईबासा में हुए मनरेगा घोटाला की जांच की मांग को लेकर याचिकाकर्ता ने वर्ष 2013 में जनहित याचिका दाखिल की थी, बाद में कोर्ट ने इस मामले को निष्पादित कर दिया था। इसके बाद में याचिकाकर्ता की ओर से वर्ष 2021 में फिर से जनहित याचिका दाखिल कर मामले की सीबीआई जांच की मांग की गई है। याचिकाकर्ता की ओर से की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि वित्तीय वर्ष 2008-9, 2009-10, 2010-11 में चाईबासा में करीब 28 करोड़ रुपए का मनरेगा घोटाला हुआ है। इसे लेकर चाईबासा में पुलिस ने 14 एफआईआर दर्ज की थी। बाद में एसीबी ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। चाईबासा में उक्त तीन वित्तीय वर्षों में मनरेगा कार्यों में अग्रिम राशि का भुगतान तो कर दिया गया था, लेकिन कोई काम धरातल पर नहीं हुआ था। उस समय चाईबासा के डीसी के. श्रीनिवासन थे।

यात्रियों की सुविधा के लिए बरौनी होकर चलाई जा रही है चार वन-वे स्पेशल ट्रेन

बेगूसराय, (हि.स.)। रेलवे द्वारा पूर्वोत्तर भारत से दिल्ली, बड़ोदरा एवं भोपाल आदि जगह के लिए जाने वाले यात्रियों की भीड़ के मद्देनजर बरौनी के रास्ते चार वन-वे स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। नार्थ ईस्ट से सभी ट्रेनें बरौनी-हाजीपुर-पाटलिपुत्र-डीडीयू के रास्ते चलाई जाएगी। गाड़ी संख्या- 05799 न्यू जलपाईगुड़ी-दिल्ली वन-वे स्पेशल 15 दिसम्बर को न्यू जलपाईगुड़ी से 13.40 बजे खुलकर, 17.00 बजे कटिहार, बरौनी 19.45 बजे बरौनी, 22.15 बजे पाटलिपुत्र तथा 16 दिसम्बर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन (डीडीयू) 02.00 बजे रुकते हुए 15.30 बजे दिल्ली पहुंचेगी। इस वन-वे स्पेशल ट्रेन में शयनयान श्रेणी के 14 एवं साधारण श्रेणी के चार कोच होंगे।

गाड़ी संख्या-05679 गुवाहाटी-उधना वन-वे स्पेशल 12 दिसम्बर को गुवाहाटी से रात साढ़े आठ बजे (20.30 बजे) खुलकर 13 दिसम्बर को सुबह 07.10 बजे कटिहार, 10.15 बजे बरौनी, 12.05 बजे हाजीपुर, 13.10 बजे पाटलिपुत्र एवं 17.00 बजे डीडीयू रुकते हुए 14 दिसम्बर को 14.50 बजे उधना पहुंचेगी। इस स्पेशल ट्रेन में तृतीय वातानुकूलित श्रेणी का एक, शयनयान श्रेणी के 12 एवं साधारण श्रेणी के एक कोच होंगे।

गाड़ी संख्या- 05877 रंगापाड़ा नॉर्थ-रानी कमलापति वन-वे स्पेशल 12 दिसम्बर को रंगापाड़ा नॉर्थ से आठ बजे खुलकर 13 दिसम्बर को 00.05 बजे कटिहार, सुबह 03.00 बजे बरौनी, 04.55 बजे हाजीपुर, 05.40 बजे पाटलिपुत्र एवं 09.00 बजे डीडीयू रुकते हुए 14 दिसम्बर को 04.00 बजे रानी कमलापति पहुंचेगी। इस ट्रेन में तृतीय वातानुकूलित इकॉनोमी श्रेणी के आठ, शयनयान श्रेणी के चार एवं साधारण श्रेणी के चार कोच होंगे।

इसी तरह गाड़ी संख्या-05936 डिब्रूगढ़-वडोदरा वन-वे स्पेशल ट्रेन 16 दिसम्बर को डिब्रूगढ़ से सुबह 05.00 बजे खुलकर देर रात 17 दिसम्बर को 01.10 बजे बरौनी जंक्शन, 03.00 बजे हाजीपुर एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन (डीडीयू) में 09.15 बजे रुकते हुए 18 दिसम्बर को 13.30 बजे वडोदरा पहुंचेगी। इस वन-वे स्पेशल ट्रेन में शयनयान श्रेणी के 15 कोच लगाए जा रहे हैं।

छुट्टी में घर आए एसएसबी जवान की मौत से मचा कोहराम, उत्तराखंड में तैनात था शहीद

बेगूसराय, (हि.स.)। बेगूसराय में मंगलवार को एसएसबी के एक जवान की अचानक मौत हो गई। मृतक बीहट नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या-17 गढ़हारा निवासी स्वर्गीय सुरेश चौधरी के पुत्र लक्ष्मण कुमार उर्फ बौआ है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है, उसके बाद मृत्यु के खुलासा होगा। घटना के संबंध में मृतक के ससुर निपनिया निवासी प्रमोद कुमार ने बताया कि लक्ष्मण कुमार एसएसबी में हेड कांस्टेबल के पद पर उत्तराखंड में तैनात था। दस दिसम्बर को वह छुट्टी में अपने घर आया था। रात में पत्नी रश्मि रानी सहित अपने तीनों बच्चों के साथ घर में ही था। इसी दौरान देर रात करीब दो बजे अचानक कंधे के आसपास दर्द हुआ तो पत्नी ने आयोडेक्स लगा दिया। लेकिन उसे राहत नहीं मिली तथा सुबह करीब छह बजे दर्द काफी तेज होने के बाद पत्नी रश्मि रानी ने अपने मायके फोन किया। जिसके बाद वहां से आए परिजन लक्ष्मण को बेगूसराय के एक निजी अस्पताल ले गए। जहां इलाज शुरू करते ही करीब साढ़े सात बजे मृत घोषित कर दिया गया। उसके बाद शव को पोस्टमार्टम करने के लिए सदर अस्पताल लाया गया है। इधर, मौत की सूचना मिलती ही परिजनों में कोहराम मच गया है। लक्ष्मण की शादी 2009 में रश्मि रानी से हुई थी तथा उसे दो लड़की एवं एक लड़का है। जिसका पालन पोषण अब बड़ी समस्या के रूप में उभर कर सामने आई है। घटना की सूचना एसएसबी के अधिकारियों को भी दिया गया है। परिजनों के आवेदन के आधार पर नगर थाना की पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है।

राष्ट्रीय नाट्य समारोह : बेगूसराय में शुरू हो गया चार दिवसीय "रंग उत्सव"

बेगूसराय, (हि.स.)। बिहार की सांस्कृतिक राजधानी बेगूसराय में सोमवार की रात से एक बार फिर चार दिवसीय राष्ट्रीय नाट्य समारोह "रंग उत्सव" शुरू हो गया। दिनकर भवन में आयोजित इस तृतीय रंग उत्सव में देश के विभिन्न हिस्सों से आए रहे प्रतिष्ठित नाट्य संस्थाओं के नाटकों की प्रस्तुति होगी। नाट्य समारोह का शुभारंभ मेयर पिंकी देवी, विधान पार्षद सर्वेश कुमार सिंह, मटिहानी विधायक राजकुमार सिंह, पूर्व मेयर संजय कुमार सिंह, आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार सिंह अमर, मुख्य संरक्षक सुनीता सिंह, दिलीप कुमार सिन्हा, वरिष्ठ रंगकर्मी अवधेश कुमार, समीर कुमार सिन्हा एवं चंदन कुमार सोनू आदि ने दीप प्रज्वलित किया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विधान पार्षद सर्वेश कुमार ने कहा कि हमारे यहां के रंगकर्मी देश के विभिन्न हिस्सों में जाकर अपने सांस्कृतिक कर्म को समृद्ध करते हैं। यहां के वरिष्ठ कलाकार सांस्कृतिक माहौल को पिछले 50 वर्षों से सींच रहे हैं। लेकिन प्रेक्षागृह में दर्शकों का कम जुड़ना शोभा नहीं देता है। रंगकर्म तपस्या, साधना और सीख है, अनुशासन से सिखाता है। हमें अपने इस सांस्कृतिक विरासत को लगातार आगे बढ़ाते रहना है। मेयर पिंकी देवी ने कहा कि राष्ट्रीय नाट्य समारोह रंग उत्सव का आयोजन हम सबके लिए गौरव की बात है। यहां के कलाकारों द्वारा बदलते दौड़ में भी रंगमंच को बनाए रखना प्रेरणा देता है। बदलते दौर में मोबाइल और टीवी के सामने हमारी यह सांस्कृतिक विरासत विलुप्त हो रही है। ऐसे में रंगमंच करना काफी सराहनीय दिया है। मनुष्य का जीवन में रंगमंच है। महात्मा गांधी भी सत्य हरिश्चन्द्र नाटक देखकर ही प्रभावित हुए थे। समारोह को संबोधित करते हुए मटिहानी विधायक और विधानसभा में सत्ताधारी दल के सचेतक राजकुमार सिंह ने कहा कि हम सब के लिए गर्व की बात है कि रंगमंच लगातार हो रहा है, नई ऊंचाई को छू रहा है। समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से देखकर नई-नई प्रतिभाएं सामने आ रही है। रंगमंच के कलाकार समाज को दिशा देते हैं। यह सभी कलाकार हम सबके प्रेरणाश्रोत हैं। कार्यक्रम का संचालन दीपक कुमार ने किया।

संपादकीया

आदिवासी की ताजपोशी

आरएसएस के समर्पित कार्यकर्ता, प्रधानमंत्री मोदी की प्रथम कैबिनेट के साथी, चार बार के लोकसभा सांसद और आदिवासी समाज के प्रमुख नेता विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री होंगे। वह भाजपा और राज्य के प्रथम आदिवासी मुख्यमंत्री होंगे। वैसे छत्तीसगढ़ के सर्वप्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी भी खुद को आदिवासी ही कहते रहे, लेकिन 2019 में अदालत ने उनका 'अनुसूचित जनजाति' वाला प्रमाण-पत्र 'अमान्य' कर दिया था, लिहाजा प्रशासनिक और राजनीतिक व्यवहार में विष्णुदेव ही राज्य के प्रथम आदिवासी मुख्यमंत्री माने जाएंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव और विजय शर्मा को उपमुख्यमंत्री बनाया जाना तय हुआ है। छत्तीसगढ़ के लगातार तीन बार मुख्यमंत्री रहे डॉ. रमन सिंह को 'विधानसभा अध्यक्ष' का दायित्व सौंपा जाएगा। विष्णुदेव साय भाजपा-संघ परिवार के मंजे हुए नेता हैं, क्योंकि उन्होंने सरपंच से लेकर मुख्यमंत्री तक का 'चरमोत्कर्ष' छुआ है। इन विधानसभा चुनावों में भाजपा ने आदिवासियों का नया वोट बैंक तैयार कर कांग्रेस के जबड़े से जीत छीनी है। चुनाव के किसी भी सर्वे में भाजपा की जीत के आसार नहीं थे। कांग्रेस के लिए सत्ता में बने रहने के स्पष्ट अनुमान लगाए गए थे, लेकिन जनादेश घोषित हुआ, तो सरगुजा क्षेत्र की सभी 14 सीट और बस्तर की 12 में से 8 सीट भाजपा के हिस्से आईं। इसे 'नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र' भी माना जाता है। कांग्रेस का पुराना, परंपरागत आदिवासी जनाधार ही ध्रुवीकृत हो गया। चूंकि भाजपा ने 2022 में ही आदिवासी नेता द्रौपदी मुर्मू को देश का राष्ट्रपति निर्वाचित कराया था, आदिवासियों के भगवान बिरसा मुंडा के जन्मदिन को 'राष्ट्रीय जनजाति दिवस' घोषित किया था, नतीजतन आदिवासियों के ध्रुवीकरण के ये दो बुनियादी कारण साबित हुए। इसके अलावा, आरएसएस ने 'बनवासी कल्याण आश्रम' के जरिए पुराने मध्यप्रदेश (अब छत्तीसगढ़) में आदिवासियों के लिए व्यापक कार्य किए हैं। प्रधानमंत्री मोदी की 'गारंटियों' के साथ-साथ छत्तीसगढ़ भाजपा के नेताओं ने भी राज्य की करीब 33 फीसदी आबादी, यानी कुल 90 में से 30 विधानसभा सीट, को विश्वास दिलाया कि भाजपा ही उनकी हितैषी पार्टी है। नतीजा सामने है। 2018 में इन आदिवासी बहुल इलाकों ने कांग्रेस को लबालब जनादेश दिया था। अब मोदी-शाह की भाजपा ने आदिवासियों के अलावा, ओबीसी, दलितों और महिलाओं के वोट बैंक सुनिश्चित कर लिए हैं। हाल ही में तीन राज्यों में जो जनादेश सामने आए हैं, उनमें इन समुदायों के बहुमत वोट भाजपा के पक्ष में आए हैं। यकीनन इससे लोकसभा चुनाव में भी पार्टी को फायदा मिलना चाहिए। यह सामाजिक संरचना भाजपा-संघ परिवार का 'राजनीतिक मॉडल' भी बन सकती है। क्या मप्र और राजस्थान में भी इसी तर्ज पर मुख्यमंत्रियों की ताजपोशी की जा सकती है? दरअसल इन तीनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों और संगठन के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही रहेगी कि 2024 के आम चुनाव में 65 लोकसभा सीट में से अधिकतम हिस्सा भाजपा की झोली में ही आए। लक्ष्य नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाने का है। मप्र की बारी तो आज ही है। जब आप यह संपादकीय पढ़ेंगे, तब तक मप्र का मुख्यमंत्री तय हो जाना चाहिए। मौजूदा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान राज्य में सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने 165 सीटों पर जनसभाएं कीं और आज भी हारी हुई सीटों पर लोकसभा के लिए प्रचार पर निकले हैं। आम धारणा यह है कि प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और भाजपा अध्यक्ष का राष्ट्रीय नेतृत्व अब नए चेहरे को उभारने के पक्ष में हैं। यही राजनीति राजस्थान में भी जारी है। दिलचस्प है कि दोनों राज्यों के प्रमुख नेताओं के खिलाफ कोई भी जन-लहर नहीं है। यदि नया चेहरा लाया जाता है, तो लोकसभा चुनाव में नुकसान भी संभव है। शेष दोनों राज्यों में ओबीसी और महिला को नेतृत्व सौंपा जाना चाहिए।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव और विजय शर्मा को उपमुख्यमंत्री बनाया जाना तय हुआ है। छत्तीसगढ़ के लगातार तीन बार मुख्यमंत्री रहे डॉ. रमन सिंह को 'विधानसभा अध्यक्ष' का दायित्व सौंपा जाएगा। विष्णुदेव साय भाजपा-संघ परिवार के मंजे हुए नेता हैं, क्योंकि उन्होंने सरपंच से लेकर मुख्यमंत्री तक का 'चरमोत्कर्ष' छुआ है। इन विधानसभा चुनावों में भाजपा ने आदिवासियों का नया वोट बैंक तैयार कर कांग्रेस के जबड़े से जीत छीनी है। चुनाव के किसी भी सर्वे में भाजपा की जीत के आसार नहीं थे। कांग्रेस के लिए सत्ता में बने रहने के स्पष्ट अनुमान लगाए गए थे, लेकिन जनादेश घोषित हुआ, तो सरगुजा क्षेत्र की सभी 14 सीट और बस्तर की 12 में से 8 सीट भाजपा के हिस्से आईं। इसे 'नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र' भी माना जाता है। कांग्रेस का पुराना, परंपरागत आदिवासी जनाधार ही ध्रुवीकृत हो गया। चूंकि भाजपा ने 2022 में ही आदिवासी नेता द्रौपदी मुर्मू को देश का राष्ट्रपति निर्वाचित कराया था, आदिवासियों के भगवान बिरसा मुंडा के जन्मदिन को 'राष्ट्रीय जनजाति दिवस' घोषित किया था, नतीजतन आदिवासियों के ध्रुवीकरण के ये दो बुनियादी कारण साबित हुए।

विष्णुदेव के दिवंगत दादा बुधनाथ साय 1947 से 1952 तक विधायक रह चुके हैं

विष्णुदेव साय का नाम आगे करके भाजपा ने देशभर के आदिवासी वर्ग को साध लिया है

ललित गर्ग

विष्णुदेव साय को छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री घोषित करके भारतीय जनता पार्टी ने एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं। वैसे भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जीवंत आदिवासी समाज को उन्नति के नये शिखर एवं राजनीति में समुचित प्रतिनिधि देने के लिये प्रतिबद्ध हैं। द्रौपदी मुर्मू को भारत का राष्ट्रपति बनाकर उन्होंने इस समुदाय की आशाओं पर खरे उतरने की कोशिश की है। निश्चित ही विष्णुदेव साय के मुख्यमंत्री बनने से आदिवासी समुदाय में खुशी जगी है, छत्तीसगढ़ के साथ-साथ पड़ोसी राज्य झारखंड और ओडिशा में भी भाजपा को लाभ मिलेगा, वहीं मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान के आदिवासी समुदाय के लोगों भी प्रभावित किया जा सकेगा। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव की दृष्टि से विष्णुदेव साय का निर्णय नया राजनीतिक धरातल तैयार करेगा एवं नयी राजनीतिक दिशाओं को उद्घाटित करेगा। जमीन से जुड़े, विनम्र, ईमानदार एवं सादगीप्रिय विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री बनाने का निर्णय निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह एवं भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा की दूरगामी सोच एवं राजनीतिक परिपक्वता से जुड़ी साहसिक एवं करिश्माई राजनीति की निष्पत्ति है। छत्तीसगढ़ की राजनीति में विष्णुदेव साय इसलिए बड़ा नाम है, क्योंकि अब तक चार बार के सांसद, तीन बार के विधायक और छत्तीसगढ़ में भाजपा के अध्यक्ष की कमान एवं केंद्र सरकार में राज्य मंत्री भी रह चुके हैं। 26 साल की उम्र में ही पहली बार विधायक बनने वाले विष्णुदेव के दिवंगत दादा बुधनाथ साय 1947 से 1952 तक विधायक रह चुके हैं। उनके दिवंगत ताऊ नरहरि प्रसाद साय भी दो बार विधायक और एक बार सांसद रह चुके हैं। विष्णुदेव साय ने ताज़ा चुनाव कुनकुरी विधानसभा सीट से लड़ा था, जिसमें उन्होंने 25 हजार 541 वोटों से जीत दर्ज की। कम बोलने और बेहद विनम्र माने जाने वाले विष्णुदेव साय को, पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह का बेहद करीबी माना जाता है। निश्चित ही उनकी मुख्यमंत्री की पारी ऐतिहासिक, अविस्मरणीय एवं राजनीतिक परिपक्वता का उदाहरण बनेगी। 21 फरवरी 1964 को एक आदिवासी परिवार में जन्में विष्णुदेव साय ने अपनी 10वीं तक की पढ़ाई कुनकुरी के लोयला हायर सेकेंडरी स्कूल से की है। अमित शाह ने चुनाव प्रचार के दौरान कहा भी था, विष्णुदेवजी हमारे अनुभवी कार्यकर्ता हैं, नेता हैं, सांसद रहे, विधायक रहे, प्रदेश अध्यक्ष रहे। एक अनुभवी नेता को भाजपा आपके सामने लाई है। आप इनको विधायक बना दो, उनको बड़ा आदमी बनाने का काम हम करेंगे। अमित शाह ने बड़ा आदमी बनाने का अपना वायदा इतना जल्दी पूरा कर दिया है। वैसे भी 32 फ़ीसद आदिवासी जनसंख्या वाले छत्तीसगढ़ की विधानसभा में आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित 29 सीटों में से 17 पर भाजपा के कब्ज़े के बाद माना जा रहा था कि किसी आदिवासी विधायक को भाजपा मुख्यमंत्री या उप मुख्यमंत्री बना सकती है। प्रधानमंत्री मोदी

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव की दृष्टि से विष्णुदेव साय का निर्णय नया राजनीतिक धरातल तैयार करेगा एवं नयी राजनीतिक दिशाओं को उद्घाटित करेगा। जमीन से जुड़े, विनम्र, ईमानदार एवं सादगीप्रिय विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री बनाने का निर्णय निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह एवं भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा की दूरगामी सोच एवं राजनीतिक परिपक्वता से जुड़ी साहसिक एवं करिश्माई राजनीति की निष्पत्ति है। छत्तीसगढ़ की राजनीति में विष्णुदेव साय इसलिए बड़ा नाम है, क्योंकि अब तक चार बार के सांसद, तीन बार के विधायक और छत्तीसगढ़ में भाजपा के अध्यक्ष की कमान एवं केंद्र सरकार में राज्य मंत्री भी रह चुके हैं।

ने सत्ता में आने के बाद से ही भ्रष्टाचार को बड़ा मुद्दा बनाया है। भ्रष्टाचार में लिप्त विपक्षी पार्टी के नेताओं के घरों पर ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स की रेड हो रही है। झारखंड के कांग्रेस के सांसद धीरज साहू के घर पर इनकम टैक्स की रेड और 500 करोड़ रुपए की बरामदी हुई है। इसलिये भाजपा ईमानदार नेताओं को आगे लाना चाहती है, विष्णुदेव साय जमीन से जुड़े हैं, आदिवासी हैं और लंबे समय से राजनीतिक जीवन में रहने के बावजूद भ्रष्टाचार के आरोपों से दूर हैं। ऐसे में वे भाजपा के इस कैटेगरी में एकदम फिट बैठे और मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार भी। ईमानदारी के साथ विनम्रता भी उनकी बड़ी विशेषता है। एक दिन पहले उन्होंने कहा- "विनम्रता को कमज़ोरी नहीं मानना चाहिए। मैं तो इसे अपनी ताक़त मानता हूं और मेरी कोशिश रहेगी कि आजीवन विनम्र बना रहूं।" राजनीतिक स्वार्थ के चलते आजादी के बाद से जंगलों और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले आदिवासियों को हमेशा से दबाया और कुचला जाता रहा है जिससे उनकी जिन्दगी अभावग्रस्त ही रही है। कांग्रेस ने आदिवासी के नाम पर सत्ता तो अनेक बार हासिल की, लेकिन उनके कल्याण के लिये कोई ठोस काम नहीं किये। जबकि आदिवासी समुदाय को कांग्रेस विचारधारा का ही माना जाता रहा है, लेकिन नरेन्द्र मोदी ने अपनी सूझबूझ एवं विवेक से आदिवासी लोगों का दिल जीता है। वर्ष 2007 में मुख्यमंत्री रहते नरेन्द्र मोदी गुजरात के आदिवासी इलाके कवांट में जैन संत गणि राजेन्द्र विजयजी के नेतृत्व में एक समारोह में 15 हजार करोड़ की वनबंधु योजना की शुरुआत की। इन दिनों इन्हीं जैन मुनि की चर्चा चुनाव सभाओं में एवं गुजरात की एक सभा में प्रधानमंत्री ने की। उनके मन में आदिवासी कल्याण की भावना है। राजनीति जोड़तोड़ की दृष्टि से देखा जाये तो कांग्रेस जहां मुस्लिम वोटों का ध्रुवीकरण एवं तुष्टिकरण कर रही है तो भाजपा के लिये आदिवासी समुदाय ही रौशनी बनते हुए दिख रहे हैं। निश्चित ही आगामी लोकसभा चुनाव में इन आदिवासी वोटों की महत्वपूर्ण भूमिका बनने वाली है। जब भाजपा हिन्दू राष्ट्र बनाने की ओर अग्रसर है, ऐसे में आदिवासी समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। आदिवासियों में एक बड़ी समस्या धर्म परिवर्तन की है। प्रलोभनों एवं साम्प्रदायिक ताकतों के कारण कई आदिवासी अपने धर्म को बदलकर आदिवासी समाज से बाहर हो रहे हैं जिसमें ईसाई धर्म को सर्वाधिक स्वीकार गया है। ईसाई मिश्नरियों ने भारत के आदिवासी क्षेत्र छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, ओडिशा, अंडमान निकोबार, झारखंड, गुजरात, महाराष्ट्र में धर्मांतरण के लिये विद्यालयों एवं छात्रावासों में सफल अभियान चलाया है। ऐसे में आदिवासी की अपनी संस्कृति एवं उनका अस्तित्व खतरा में आ गया। आदिवासी अर्थात जो प्रारंभ से वनों में रहता आया है। करीब 400 पीढ़ियों पूर्व सभी भारतीय वन में ही रहते थे और वे आदिवासी थे परंतु विकासक्रम के चलते पहले ग्राम बने फिर कस्बे और अंत में नगर, महानगर। यहीं से विभाजन होना प्रारंभ हुआ। जो वन में रह गए वे वनवासी, जो गांव में रह गए वे ग्रामवासी और जो नगर में चले गए वे नगरवासी कहलाने लगे। भारत में लगभग 25 प्रतिशत वन क्षेत्र है, इसके अधिकांश हिस्से में आदिवासी समुदाय रहता है। लगभग नब्बे प्रतिशत खनिज सम्पदा, प्रमुख औषधियां एवं मूल्यवान खाद्य पदार्थ इन्हीं आदिवासी क्षेत्रों में हैं। भारत में कुल आबादी का लगभग 11 प्रतिशत आदिवासी समाज है। इसी बड़ी आबादी को प्रभावित करने के लिये द्रोपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाना एवं विष्णुदेव को मुख्यमंत्री बनाना भाजपा की परिपक्व राजनीति को दर्शाता है। विष्णुदेव साय का निर्णय राज्य में आदिवासी वोटर्स को ध्यान में रखते हुए सामने आया है। इससे पहले भी आदिवासी वोटर को साधने के लिए भाजपा ने कई सकारात्मक घोषणाएं की हैं। ऐसे में कहा जा सकता है कि भाजपा एक सोची-समझी रणनीति के तहत आगे बढ़ रही है। स्वतंत्रता आन्दोलन में आदिवासी समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। ऐसे अनेक महा-आदिवासी हुए हैं जिन्होंने भारत की मिट्टी एवं उसके स्वतंत्र अस्तित्व-आजादी के लिए अपना बलिदान एवं महान योगदान दिया। ऐसे महान वीर आदिवासियों से भारत का इतिहास समृद्ध है, जिनमें अप्पा साहब, तात्या टोपे, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर, जयपाल सिंह मुण्डा, शहीद वीर नारायण सिंह, शहीद गंडाधुरा, शहीद रानी दुर्गावती, शहीद बिरसा मुंडा, शहीद सिद्धों, कानु, शहीद तिलका मांझी, शहीद गेंद सिंह, झाड़ा सिरहा जैसे महान आदिवासियों ने अपना बलिदान देकर समाज एवं देश के लिये एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। फिर क्या कारण है कि इस जीवंत एवं मुख्य समाज को देश की मूल धारा से काटने के प्रयास निरन्तर किये जा रहे हैं। आजादी के बाद बनी सभी सरकारों ने इस समाज की उपेक्षा की है। यही कारण है कि यह समाज अनेक समस्याओं से घिरा है। भाजपा आदिवासी समाज के अस्तित्व एवं अस्मिता को धुंधलाने के प्रयासों को नियंत्रित करने एवं सक्रिय होकर आदिवासी कल्याण की योजनाओं को लागू करने में जुटी है। निश्चित तौर पर लोकसभा चुनाव में आदिवासी वोट काफी अहम होगा। भाजपा ने छत्तीसगढ़ में फिर आदिवासी कार्ड खेला है। विष्णुदेव साय प्रभावी आदिवासी नेता हैं और आदिवासी समुदाय में उनकी बड़ी पकड़ है।

दृष्टि कोण

पांच राज्यों में चुनाव नतीजों के निहितार्थ

हाल के पांच राज्यों के चुनाव परिणाम देश की दोनों पार्टियों- भाजपा व कांग्रेस के तौर-तरीकों को भी उजागर करते हैं। ये बताते हैं कि इन पार्टियों ने किन तरीकों से अपनी-अपनी चुनावी समर लड़ी है। क्या हैं इन दोनों के फर्क, और इनका असर, इस आलेख में इसी विषय पर चिंतन की कोशिश करेंगे। कभी जादूगर का खेल देखा है? राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जादूगर के बेटे हैं, लेकिन जादू दिखा कोई दूसरा रहा है। पांच राज्यों में हुआ चुनाव ऐसी जादूगरी का नमूना है। अब जब चुनावी धूल बैठ चुकी है, घायल अपने घावों की साज-संभाल में लगे हैं, विजेता अपनी जीती कुर्सियां झाड़-पोंछ रहे हैं, हम जादू के पीछे का हाल देखने-समझने की कोशिश करें। मोदी-शाह ने जिस नई चुनावी शैली की नींव 2014 से डाली है, उसकी विशेषता यह है कि न उसका आदि है, न अंत! यह सतत चलती है। चुनाव की तारीख घोषित होने पर चुनावी-

मुद्रा में आना, चुनाव की तारीख तक चुनाव लडऩा और फिर जीत-हार के मुताबिक अपना-अपना काम करना, ऐसी आरामवाली राजनीति का अभ्यस्त रहा है यह देश, इसके राजनीतिक दल! मोदी-शाह मार्का राजनीति इसके ठीक विपरीत चलती है। वह तारीखें देखकर नहीं चलती, नयी तारीखें गढ़ती है। चुनावी सफलता की तराजू पर तौलकर वह अपना हर काम करती है। उनके लिए चुनाव वसंत नहीं है कि जिसका एक मौसम आता है, यह बारहमासी झड़ी है। उनके लिए विदेश-नीति भी चुनाव है, यूक्रेन-फिलस्तीन-गाजा-इसरायल भी और पाकिस्तान भी चुनाव हैं। जी-20 भी चुनाव है। खेल व खिलाड़ी भी चुनाव हैं। चंद्रयान भी चुनाव है, सरकारी तंत्र व धन भी चुनाव के लिए है। उनके लिए जनता भी एक नहीं, कई हैं जिनका अलग-अलग चुनावी इस्तेमाल है। मार्च 2018 में प्रधानमंत्री ने जनता का एक नया वर्ग पैदा किया था : विकास के लिए प्रतिबद्ध जिले! 112 जिलों की सूची बनी। ये जिले ऐसे थे जिनके विकास की तरफ कभी विशेष ध्यान नहीं दिया गया था। जो बड़े राजनीतिक पहलवान हैं वे अपने व अपने आसपास के चुनाव क्षेत्रों के लिए सारे संसाधन बटोरने में मग्न रहते हैं। नए चुनाव क्षेत्रों का सर्जन किसी के ध्यान में भी नहीं आता। मोदी जी ने अपनी रणनीति में इसे शामिल किया और 112 जिलों की सूची बना दी। किसी ने नहीं समझा कि यह चुनाव की नई कांस्टीट्यूएंसी तैयार करने की योजना है। इन जिलों में से 26 जिले ऐसे थे जो मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान तथा तेलंगाना के 81 चुनाव क्षेत्रों में फैले थे। ये सभी अधिकांशतः आदिवासी व अन्य पिछड़े समुदायों के इलाके थे। पहली बार इन इलाकों को लगा कि कोई है जो इनका अस्तित्व मानता ही नहीं, बल्कि उन्हें आगे भी लाना चाहता है। यहां विकास की क्या कोशिशें हुईं, उनकी समीक्षा का यह मौका नहीं है। मौका है यह समझने का कि इन 81 चुनाव क्षेत्रों में भाजपा ने इस बार कांग्रेस को कड़ी टक्कर लगाई। 2018 में जहां इन क्षेत्रों में भाजपा ने बमुश्किल 23 सीटें जीती थीं, 2023 में उसने यहां 52 सीटें जीती हैं, पिछले के मुकाबले दोगुने से ज्यादा। यह अपने लिए नए चुनावी आधार गढऩे की योजना का एक हिस्सा था। स्मार्ट सिटी योजना, अलग-अलग समूहों को नकद सहायता की लगातार घोषणा आदि सब चुनाव के नए कारक हैं जिनके जनक मोदी जी हैं।

कुछ अलग

जश्न की गारंटी

अंततः एक साल की सरकार ने अपनी उपलब्धियों की जमीन पर सत्ता हस्तांतरण की प्रासंगिकता साबित करने की हरसंभव कोशिश कर दी। धर्मशाला में सुक्खू सरकार बहुत कुछ अपने करीब खड़ा कर पाई, जबकि विपक्षी भाजपा की असलियत में प्रदेश हितों की अनदेखी का जिक्र हर वक्ता ने किया। मंच पर दर्द था, तो कहीं-कहीं वही नगाड़े लौट आए और धुनें बज उठीं, जो भाजपा से सत्ता छीन कर बजे थे। यह दीगर है कि जिस सत्ता ने कांग्रेस के चुनावी अभियान को प्रशस्त किया, उसके एक साल के जश्न में न प्रियंका गांधी दिखीं और न ही पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष खडग़े मौजूद रहे। सरकार के बगल में बैठे प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजीव शुक्ला संवारते रहे और महफिल में कई चिराग जले। कुछ दिशाएं दिखीं, कुछ मजमून उभरे, लेकिन आर्थिक संसाधनों की कमी ने परेशान किया है। इसलिए हिमाचल में आपदा के जिक्र ने भाजपा के आक्रोश को बौना कर दिया। जनता के साथ संबोधन की भाषा, सरलता और तरलता के साथ मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अपनी गारंटियों के साथ कुछ कदम लिए, कुछ समय अवधि तय की, तो उन अड़चनों को साझा किया जिनको भाजपा बिसात मान कर खेलती रही। यानी प्रदेश ने आपदा की राहत में अपनी सारी संवेदना बिछाकर किसी तरह 45 सौ करोड़ बिछा दिए, लेकिन केंद्र हिमाचल की सिसकियों को नजरअंदाज करता रहा। धर्मशाला के जश्न में प्रदेश की वित्तीय स्थिति अपना दुखड़ा सुना गई, तो जयराम सरकार की आर्थिक कारगुजारी कहीं कपड़े धोती दिखाई दी। कर्ज की ओढऩी के नीचे वर्तमान सरकार को पिछली सरकार की देनदारियां नसीब हुईं या इस बोझ के सदमे से जश्न की वजह बताई गई। जो भी हो, सरकार ने एक साल बाद सत्ता का कुनबा, संगठन का मलबा और गारंटियों का हलवा पुनः बांट दिया। सिलसिलेवार ढंग से यह बताने की कोशिश की गई कि गारंटियों के मायनों में सरकार के इरादे कितने स्पष्ट हैं और वर्तमान का सर्वश्रेष्ठ शीर्षासन सरकारी कर्मचारी के लिए किस तरह अमल में आया। सुक्खू सरकार सुखाश्रय से 680 करोड़ की स्टार्टअप योजना तक किस आशय व संवेदना से पहुंची है, इसे तसदीक करता जश्न आगामी साल के रथ पर सवार होकर तीन नई गारंटियों की मंजिल की ओर बढ़ गया, जहां किसान का दूध अब छह रुपए किलो की दर पर अतिरिक्त कमाई करेगा तथा गोबर की कमाई का धंधा भी मेहनत करेगा। लाहुल-स्पीति की महिलाओं को भाई सुखविंदर सुक्खू ने पंद्रह सौ रुपए की गारंटी दे दी तथा साठ साल से ऊपर महिला पेंशन योजना के कुल ग्यारह सौ की जगह पंद्रह सौ देने का करार यह जश्न कर गया। सुक्खू सरकार ने अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों के आविष्कार में अपनी गारंटी को कलई कर ली और साथ ही साथ अगले साल की अमानत में दर्ज रोजगार का सरकारी आंकड़ा बीस हजार गिन लिया। जाहिर है धर्मशाला का जश्न कई पांव पर चला। अगर एक साल की सरकार ने कुछ गारंटियों को अमल में लाने का बोझ ढोया, तो पांव के छाले भी गिने जाएंगे और आगे के सफर में गारंटियों के नए मील पत्थर भी उठाने पड़ेंगे। सरकार ने विपक्ष की भाषा और बोली में अपने वक्त की लड़ाई और संघर्ष का लेखाजोखा रखा। आपदा में हुई सियासत के लिए कान मरोड़े गए, तो पुलिस भर्ती घोटाले और अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की पद्धति में ढूंढे गए सांपनाथों का जिक्र भी किया गया। व्यवस्था परिवर्तन के ऊंट किस बल बैठे, इसका तो जिक्र हुआ, लेकिन कांगड़ा में सत्ता के मरुस्थल पर कब हरियाली आएगी, इसका उल्लेख नहीं हुआ। जश्न की तालियों के बीच कांगड़ा हवाई अड्डे का विस्तार मंडराता हुआ देखा गया।

देश दुनीया से

लोकसभा चुनावों में सोशल मीडिया की भूमिका

भारतीय जनता पार्टी, जो विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है, की यह नीति रहेगी कि देश के 800 मिलियन या 80 करोड़ लोग, जो भारतीय जनता पार्टी की लोक कल्याण नीतियों से लाभान्वित हुए हैं या हो रहे हैं, वे आने वाले चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को वोट दें, उसका समर्थन करें। इसका उदाहरण हाल ही में पांच राज्यों में हुई चुनावी गतिविधियां थीं, जिनमें सोशल मीडिया का भरपूर प्रयोग किया गया। सोशल मीडिया समांतर मीडिया, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक से कहीं आगे है। हर नागरिक, जिसके पास फोन है, वह अपने फोन का प्रयोग कर किसी भी तरह की जानकारी अपने खास समूहों में बांट सकता है।

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में सोशल मीडिया प्लेटफार्म अपनी अहम भूमिका निभाएंगे। भारतीय जनता पार्टी, जो विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है, की यह नीति रहेगी कि देश के 800 मिलियन या 80 करोड़ लोग, जो भारतीय जनता पार्टी की लोक कल्याण नीतियों से लाभान्वित हुए हैं या हो रहे हैं, वे आने वाले चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को वोट दें, उसका समर्थन करें। इसका उदाहरण हाल ही में पांच राज्यों में हुई चुनावी गतिविधियां थीं, जिनमें सोशल मीडिया का भरपूर प्रयोग किया गया। सोशल मीडिया समांतर मीडिया, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक से कहीं आगे है। हर नागरिक, जिसके पास फोन है, वह अपने फोन का प्रयोग कर किसी भी तरह की जानकारी अपने खास समूहों में बांट सकता है। लोग इसका दुरुपयोग भी करते हैं, लेकिन आप किसी निर्धारित नीति के अंतर्गत इसका प्रयोग करते हैं तो यह आपके हित में भी काम कर सकता है। देश में काम कर रही सभी राजनीतिक पार्टियों में भारतीय जनता पार्टी तकनीकी रूप से सबसे आगे है। अभी तक भारतीय जनता पार्टी ने जिला स्तर पर 300 काल सेंटर स्थापित किए हैं जहां पर आप फोन करके भारतीय जनता पार्टी के सदस्य बन सकते हैं। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा आने वाले चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में वोटिंग प्रतिशत में बढ़ोतरी करने के लिए सोशल मीडिया, तकनीक और साधनों का प्रयोग करने के लिए काम कर रहे हैं। छात्र राजनीति से अपना राजनीतिक जीवन शुरू करने वाले जगत प्रकाश नड्डा की युवाओं में खास पकड़ है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और भारतीय जनता युवा मोर्चा से जुड़े कार्यकर्ता उन्हें हर कीमत पर अपना योगदान देना चाहते हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विश्व का सबसे बड़ा छात्र राजनीतिक संगठन बन गया है जिसका लाभ पार्टी को मिलेगा। देश के गृह मंत्री श्री अमित शाह ने भी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से अपना राजनीतिक सफर शुरू किया था। यह बात उन्होंने हाल ही में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के वार्षिक उत्सव में कही। इस छात्र संगठन से आए बहुत से योग्य लोग केंद्र सरकार में शामिल हैं। हाल ही में पांच राज्यों में हुए चुनावों से आए नतीजों ने यह साबित कर दिया कि सोशल मीडिया चुनावों को एक नई दिशा दे सकता है। राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी ने अपने सोशल मीडिया के संसाधनों से अच्छी बढ़त हासिल की। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री श्री अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने अनथक रैलियां की और पार्टी को अभूतपूर्व विजय दिलाई। भारतीय जनता पार्टी ने आने वाले लोकसभा चुनावों की तैयारी युद्ध स्तर पर शुरू कर दी है। गृहमंत्री श्री अमित शाह ने पिछले सप्ताह एक बड़ी रैली को संबोधित किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री श्री अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा की यह त्रिमूर्ति पार्टी के हर कार्यकर्ता के दिल में है। सोशल मीडिया के सभी प्लेटफॉम्र्स पर ये तीनों देश के अधिकतर लोगों से जुड़े हुए हैं। यही बात इन्हें विपक्षी दलों के नेताओं से अलग करती है। भारतीय जनता पार्टी की तेलंगाना में हार से भले ही कांग्रेस को कुछ सांत्वना मिली हो, लेकिन मध्यप्रदेश में कांग्रेस को बुरी तरह से हार का सामना करना पड़ा। छत्तीसगढ़ में भी वह सरकार को बचा नहीं सके। राजस्थान में कांग्रेस को पूरी उम्मीद ही नहीं, विश्वास था कि वह सरकार को फिर से स्थापित कर पाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत और श्री सचिन पायलट के बीच का मनमुटाव वोटों का प्रतिशत भारतीय जनता पार्टी की तरफ ले गया। सोशल मीडिया के व्हाट्सएप्प, इंस्टाग्राम, फेसबुक और एक्स जैसे प्लेटफॉम्र्स पर यह मतभेद खासे नजर आए, जिसका खामियाजा कांग्रेस पार्टी को भुगतना पड़ा। जहां तक इंडी अलायन्स या गठबंधन का प्रश्न है, ऐसा लगने लगा है कि यह किसी भी दिशा में नहीं जा रहा। मानो चुनावी युद्ध के रथ को 100 अश्व खींच रहे हों और सभी अलग दिशा में भाग रहे हैं, जो ज्यादा देर तक नहीं चल पाएगा। पांच राज्यों के चुनावों में श्री मल्लिकार्जुन खडग़े इतने प्रभावशाली नहीं रह पाए। अधिकतर लोगों को लगता है कि कांग्रेस पार्टी को फिर से अपने संगठन में बदलाव करने होंगे ताकि आने वाले लोकसभा चुनावों में वे देश में अपनी पार्टी की बिगड़ती छवि को सुधार सकें। यही नहीं, देश के प्रधानमंत्री के लिए अपशब्दों का प्रयोग करने से बचना चाहिए। पनौती शब्द का प्रयोग इस चुनाव में कांग्रेस पार्टी को काफी महंगा पड़ा। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों की घोषणा आने वाले कुछ महीनों में कभी भी हो सकती है। इंडी गठबंधन, भारतीय जनता पार्टी और कई क्षेत्रीय दल 18वीं लोकसभा के लिए चुनाव मैदान में अपनी रणनीतियों के साथ उतरेंगे।

आप का नजरीया

हड्डी का स्वाद...

लोकतंत्र के मन्दिर में घंटा-घडियाल बजाने के लिए एक बार पुनः चुने जाने पर वह फूले नहीं समा रहे थे। इसका कारण भी था। आखिर पाँचवीं बार किसी प्रदेश का मुख्यमंत्री होना कोई छोटी बात तो नहीं। इसमें कोई शक नहीं कि यह काम है तो मेहनत का। अभी सरकार बनने में कुछ विलम्ब था। लिहाज़ा वह गुनगुनी धूप में बैठ कर बंद आँखों से सर्दियों का आनन्द उठा रहे थे। मैं उन्हें बधाई देने के लिए उनके सरकारी आवास पर जा पहुँचा। बधाई स्वीकार करते हुए उन्होंने मुझे बैठने का इशारा किया। थोड़ी देर में बातों का सिलसिला चल पड़ा। मैंने उनसे पूछा कि उन्हें पाँचवीं बार जीतते हुए कैसा लग रहा है। वह सधे हुए स्वर में बोले, 'ठीक वैसे ही, जैसे फेल होने की तमाम आशंकाओं के मध्य कोई छात्र अच्छे नम्बरों से पास हो जाता है। मुझे यह अन्दाज़ा नहीं था कि लोगों के मध्य मेरी रुदाली का इतना फायदा होगा। भले लोग मुझे मामा कहते हैं और मैं उनका मामा हूँ भी। लेकिन शरद जोशी के व्यंग्य वाला मामा नहीं कि मेरे नहाते हुए कोई मेरे कपड़े लेकर भाग जाए। मैं पिछले बीस सालों से लोगों को मामा बना रहा हूँ। तब से लोग घाट पर कपड़े उतार कर नहा रहे हैं और मैं श्रीकृष्ण की तरह उनके वस्त्र हरण कर सत्ता के पेड़ पर चढ़ा हूँ। मैं उन्हें रेवडियाँ बाँट रहा हूँ। रेवडियाँ खाते वस्त्रविहीन लोग अपने कपड़े वापिस लेना भूल गए हैं। उनकी इसी ख़ुशफहमी का फायदा उठाते हुए मैं सत्ता की डाल पर बैठ कर राग दरबारी गा रहा हूँ। बहनों को बरगलाना जऱा आसान होता है। उनकी देखा-देखी भाई भी पाले में आ जाते हैं।' वह साँस लेने के लिए रुके तो मैंने पूछा कि यह रिश्ता क्या कहलाता है। वह बोले, 'सत्ता में केवल वोट का ही रिश्ता होता है। जिस तरह चलती बस में कंडक्टर को सवारी नजऱ आने पर उसे केवल रुपये दिखते हैं, उसी तरह लोग मुझे वोट नजऱ आते हैं। चुनावी लोकतंत्र में वोटों की संख्या मायने रखती है। लोगों का पूर्ण समर्थन नहीं। मैं केवल इस बात पर विश्वास करता हूँ कि सभी लोगों को पहली बार मूर्ख बना रहा हूँ। यह लोगों की मरज़ी पर निर्भर करता है कि वे इस बार मूर्ख बन रहे हैं, अगली बार बनेंगे या बार-बार। भीड़ का यही व्यवहार मेरी सफलता की कुंजी है।' मैंने शंकित हुए पूछा कि क्या ऐसा करना देश हित में है। वह बोले, 'आप मरे जग प्रलय। जब तक कुरसी है, जगत है। राजनीति में आदमी की कद्र तभी तक होती है, जब तक वह कुरसी पर है। देश की परवाह किसको है। न हमें न लोगों को। अगर हमें होती तो हम कज़ऱ् लेकर घी पीने की जगह प्रदेश में ऐसे संसाधन विकसित न करते, जो स्थाई राजस्व के स्रोत होते। अगर लोगों को होती तो क्या वे हमारे कान पकड़ कर हम लोगों को ये काम करने को मजबूर न करते। सबको चुपड़ी रोटियाँ चाहिए। लेकिन अपनी-अपनी। वह भी बिना काम किए। अगर लोगों को एक बार सब्सिडी या फ्री का खाने की आदत पड़ जाए तो कौन हाड़ तुड़ाना चाहता है। इसके बाद ज़ात, धर्म और सम्प्रदाय के छौंक से सब्सिडी और फ्री की योजनाएं सोने पर सुहागा हो उठती हैं। तुमने कुत्ते को देखा ही होगा।

अफगानिस्तान में आतंकी गतिविधियों को लेकर चिंतित, जरूरत पड़ी तो.., अमेरिकी विदेश मंत्रालय का बड़ा बयान

वॉशिंगटन।
अमेरिका ने अफगानिस्तान के मौजूदा हालात को लेकर चिंता जताई है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह अफगानिस्तान में आतंकी गतिविधियों की संभावनाओं से चिंतित है और उम्मीद करता है कि तालिबान देश को आतंकियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बनने से रोकेगा। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने अफगानिस्तान को लेकर यह बयान तब दिया, जब उनसे इस देश को लेकर अमेरिका की चिंताओं के बारे में पूछा गया। मिलर ने कहा, हम अफगानिस्तान में आतंकी गतिविधियों के बढ़ने की संभावना को लेकर चिंतित हैं। हम पहले ही साफ कर चुके हैं कि हमारे पास आज भी दूसरे देशों में आतंक-रोधी अभियान चलाने की क्षमता है। लेकिन हमें उम्मीद है कि तालिबान अफगानिस्तान को आतंकियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह नहीं बनने देगा। गौरतलब है कि अफगानिस्तान के हालात को लेकर हाल ही में संयुक्त राष्ट्र के सहायता मिशन ने कहा था कि देश में शिया और हजारा समुदाय के खिलाफ बीते कुछ महीनों में हिंसा की घटनाएं बढ़ी हैं। खासकर काबुल, बल्ख, हेरात जैसे प्रांतों में। हेरात प्रांत में कुछ दिनों पहले ही शिया मुस्लिमों पर हमला भी हुआ था। वहीं, एक दिसंबर को एक बंदूकधारी के हमले में चार पुरुष और दो महिलाओं की मौत हुई थी। यह घटना हेरात प्रांत के हजारा आबादी वाले इलाके में हुई थी। मिलर ने कहा कि अफगानिस्तान में महिलाओं और बच्चियों के साथ हो रही घटनाओं को लेकर अमेरिका काफी चिंतित है। खासकर तालिबान के आने के बाद से महिलाओं के मानवाधिकारों को लगातार कुचला जा रहा है और छोटी लड़कियों को स्कूली शिक्षा या उच्च शिक्षा से दूर किया जा रहा है। मिलर ने आगे अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच उपजे विवादों को लेकर भी अमेरिका का पक्ष रखा। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के खराब होते रिश्तों के बारे में सवाल पर मिलर ने कहा कि हम दोनों के बीच विवादों के राजनयिक तौर पर हल किए जाने का समर्थन करते हैं। हम इस पूरी प्रक्रिया से जुड़े हैं और आगे भी दोनों पक्षों से जुड़े रहेंगे। बता दें कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के रिश्तों में बीते कुछ महीनों में खटास आई है। पहले दोनों देशों के बीच जारी सीमा विवाद को लेकर खींचतान जारी रही। इसके बाद तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की ओर से पाकिस्तानी सेना पर किए गए हमलों को लेकर भी दोनों देशों के रिश्तों में खटास आई।

न्यूज ब्रीफ

सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक निर्णय से बौखलाया पाकिस्तान, कहा- फैसले का कोई विधिक मूल्य नहीं

इस्लामाबाद। जम्मू-कश्मीर पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। इस मुद्दे पर पहले भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर फजीहत करा चुका पाकिस्तान कोई सबक नहीं ले रहा। पाकिस्तान की केयर टेकर सरकार का कहना है कि भारत ने एकतरफा फैसला किया है, जिसकी कोई कानूनी कीमत नहीं है। वह इस फैसले के खिलाफ संयुक्त राष्ट और यूरोपीय संघ से शिकायत करेगा। दिलचस्प बात यह है कि संयुक्त राष्ट और यूरोपीय संघ अब कश्मीर को विवादित मुद्दा नहीं मानते हैं। यहां तक कि संयुक्त राष्ट की तमाम बैठकों में अब पहले की तरह कश्मीर के मुद्दे को एजेंडे में भी शामिल नहीं किया जाता है। खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे वाली कहावत सच साबित करते हुए पाकिस्तान के विदेश मंत्री जलील अब्बास जिलानी ने कहा कि 5 अगस्त, 2019 को भारत की तरफ से की गई एकतरफा और अवैध कार्रवाई को अंतरराष्टीय कानून मान्यता नहीं देते हैं। लिहाजा, इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भी कोई कानूनी मूल्य नहीं है। संयुक्त राष्ट सुरक्षा परिषद के प्रासंगिक प्रस्तावों के मुताबिक कश्मीरियों को आत्मनिर्णय का अपरिहार्य अधिकार है। वहीं, पूर्व पीएम और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के अध्यक्ष शहबाज शरीफ ने फैसले की आलोचना करते हुए इसे पक्षपातपूर्ण निर्णय बताया। शरीफ ने कहा कि भारतीय सुप्रीम कोर्ट ने संयुक्त राष्ट के प्रस्तावों के खिलाफ फैसला देकर अंतरराष्टीय कानूनों का उल्लंघन किया है। पक्षपाती फैसले से कश्मीरी संघर्ष में कोई कमी नहीं आएगी।

इजराइल की तरफ जा रहे वाणिज्यिक टैंकर पर यमन से क्रूज मिसाइल का हमला; हूतियों ने दी ये चेतावनी

जेरूसलम। हूती नियंत्रित यमन की तरफ से लॉन्च की गई एक क्रूज मिसाइल ने वाणिज्यिक टैंकर पर हमला किया, जिससे उसमें आग लग गई। हालांकि, इस हादसे में किसी के हताहत होने की कोई जानकारी नहीं दी गई है। दो अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि यह हमला टैंकर एसटीआरआईएमडीए पर बाब-अल मंडब जलडमरूमध्य से लगभग 60 समुद्री मील (111किमी) पर हुआ। अधिकारियों ने बताया कि अमेरिकी नौसेना विध्वंसक यूएसएस मेसन इस हमले के दौरान वहां मौजूद था, उसने हस्तक्षेप किया। सात अक्तूबर को शुरू हुए इजराइल हमास युद्ध अब पूरे मिडिलईस्ट में फैल गया है। ईरान गठबंधन वाले हूती भी इस संघर्ष में शामिल हो गए हैं। ये लगातार शिपिंग लेन पर हमले करने के साथ इजराइल पर रॉकेट दाग रहे हैं। हूती ने कहा कि वह राष्टीयता की परवाह किए बिना इजराइल की तरफ जाने वाले सभी जहाजों को निशाना बनाएंगे। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि एसटीआरआईएमडीए का इजराइल के साथ कोई संबंध था या नहीं। यमन के आधे से ज्यादा इलाकों में नियंत्रण करने वाले इस संगठन ने बताया, यह हमला फलस्तीन के समर्थन में किया गया है। यह तब तक जारी रहेगा, जबतक इजराइल गाजा पट्टी में हमले करना बंद नहीं कर देता।

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार भारतवंशी रामास्वामी को मिली जान से मारने की धमकी, आरोपी गिरफ्तार

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्टपति पद के उम्मीदवार भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी को जान से मारने की धमकी देने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान 30 वर्षीय टायलर एंडरसन के तौर पर की गई है। यूएस के न्याय विभाग के अनुसार आगामी कार्यक्रम के लिए एंडरसन ने दो हैरान करने वाला संदेश जारी किया था। अपने पहले संदेश में आरोपी ने कहा, बढ़िया, मेरे लिए उम्मीदवार के दिमाग को उड़ाने का अच्छा मौका है। अपने दूसरे संदेश में उसने कहा, मैं इसमें शामिल होने वाले सभी लोगों को मार डालूंगा। रामास्वामी की टीम ने इस धमकी पर प्रतिक्रिया देते हुए पुलिस को इसकी जानकारी दी। एंडरसन की गिरफ्तारी के बाद रामास्वामी ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं उस टीम का आभारी हूं, जो हमारे आसपास है। मुझे सुरक्षित रखने के लिए वह अपना काम कर रहे हैं।

इजराइल द्वारा लड़ाई में सफेद फास्फोरस के इस्तेमाल की खबरों से अमेरिका परेशान, हड्डियां तक जला सकता है

वॉशिंगटन।
अमेरिका ने उन रिपोर्ट्स को लेकर चिंता जाहिर की है, जिनमें दावा किया गया है कि इजराइल द्वारा लेबनान पर किए गए हमले में सफेद फास्फोरस का इस्तेमाल किया गया है। अमेरिका के नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के स्ट्रैटेजिक कम्युनिकेशन के समन्वयक जॉन किर्बी ने कहा कि अमेरिका इस बारे में और ज्यादा जानकारी जुटा रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका दूसरे देशों की सेनाओं के सफेद फास्फोरस इस उम्मीद से ही मुहैया करता है कि वह इसका सही तरीके से इस्तेमाल करेंगे और युद्ध के नियमों का पालन करेंगे।

लेबनान के हमले में सफेद फास्फोरस का इस्तेमाल होने की रिपोर्ट्स

बता दें कि मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि इजराइल ने अक्तूबर में लेबनान में किए गए हमले में सफेद फास्फोरस का इस्तेमाल किया था। जॉन किर्बी ने कहा कि हम इन खबरों को लेकर चिंतित हैं और इस मामले में ज्यादा जानकारी जुटा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सफेद फास्फोरस के हमले में 9 आम नागरिक घायल हुए थे और मानवाधिकार संगठनों की मांग है कि इस मामले की युद्ध अपराध के तौर पर जांच की जानी चाहिए। दरअसल इजराइली सीमा के नजदीक लेबनान में देहरा इलाके में ऐसे सबूत मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि यहां हमले में सफेद फास्फोरस का इस्तेमाल किया गया था।

क्यों खतरनाक है लड़ाई में सफेद फास्फोरस का इस्तेमाल

सफेद फास्फोरस एक रासायनिक पदार्थ है, जो अपने ज्वलनशील गुणों के लिए जाना जाता है। सफेद फास्फोरस ऑक्सीजन के संपर्क में आने पर जल उठता है। आम तौर पर इसका इस्तेमाल तोपखाने के गोलों, बम और रॉकेट में किया जाता है। कई बार दुश्मन को भ्रमित करने और तेज रोशनी और गाढ़ा धुंआ पैदा करने के लिए भी इसका इस्तेमाल होता है लेकिन अगर इसका इस्तेमाल सीधे इंसानों पर बड़े पैमाने पर किया जाए तो इससे गंभीर जलन महसूस होती है और यह जलन हड्डियों तक पहुंच सकती है।

इस जलन से बने घावों को ठीक होने में काफी वक्त लगता है और उनमें संक्रमण होने का खतरा भी ज्यादा रहता है। यह घाव जानलेवा हो सकते हैं। साथ ही इसके संपर्क में आने पर इंसानों में सांस लेने में दिक्कत और शरीर के कई अंग काम करना बंद कर सकते हैं। साथ ही सफेद फास्फोरस का इंसानी शरीर पर असर जीवन भर रह सकता है। सफेद फास्फोरस से लगने वाली आग घरों, बिल्डिंग्स को तबाह कर सकती है और अगर कोई इंसान सफेद फास्फोरस से लगी आग की चपेट में आ जाए तो यह हड्डियां तक जलाकर खाक करने की क्षमता रखता है।

इजराइल ने किया इनकार

वहीं इजराइली सेना ने इन आरोपों से इनकार किया है। इजराइली सेना ने मीडिया रिपोर्ट्स पर कहा कि उन्होंने सिर्फ हथियारों में कानूनी तरीके से ही सफेद फास्फोरस का इस्तेमाल किया है। जैसा कि रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि इजराइली सेना ने सफेद फास्फोरस से भरे शैल दागे, लेकिन इजराइली सेना ने इससे साफ इनकार किया है और कहा है कि सिर्फ धुंआ करने के लिए सफेद फास्फोरस का इस्तेमाल किया गया ना कि आग लगाने के उद्देश्य से है।

हमास की कैद में बंद अमेरिकी नागरिकों के परिजन नाराज, सामने आई वजह

वॉशिंगटन।
बीती 7 अक्तूबर को हमास द्वारा बंधक बनाए गए अमेरिकी नागरिकों के परिजन इन दिनों थोड़े नाराज बताए जा रहे हैं। दरअसल उनकी शिकायत है कि बंधकों को छुड़ाने की प्रक्रिया बहुत धीमी गति से चल रही है। साथ ही व्हाइट हाउस में यहूदियों के त्योहार हनुक्का का आयोजन किया गया, इस दौरान कई बंधकों के परिजनों को आमंत्रित ही नहीं किया गया।

बंधकों के परिजनों की नाराजगी की ये है वजह

अमेरिका की रूबी चेन का बेटा इटे 7 अक्तूबर से इजराइल से लापता है। उन्होंने बताया कि कई बंधकों के परिजनों को हनुक्का फेस्टिवल के लिए व्हाइट हाउस में आमंत्रित ही नहीं किया गया, जबकि उनमें से कई वॉशिंगटन डीसी में ही मौजूद हैं। वहीं व्हाइट हाउस ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन ने व्हाइट हाउस में हनुक्का फेस्टिवल का आयोजन किया। इस दौरान 800 के करीब मेहमानों को बुलाया गया। इनमें होलोकास्ट सर्वाइवर, सांसद और यहूदी समुदाय के कई नेता शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति बाइडन ने बताया कि उनकी सरकार बंधकों की रिहाई के लिए हरसंभव कोशिश कर रही है। साथ ही गाजा में मानवीय मदद भी पहुंचाई जा रही है।

बाइडन बोले- बंधकों की रिहाई बेहद मुश्किल काम

बाइडन ने कहा कि उन्होंने 20 घंटे से ज्यादा समय इजराइली, कतर और मिस्त्र के समकक्षों के साथ बातचीत में बिताया है। इस दौरान कई मुद्दों पर बात हुई लेकिन यह बेहद मुश्किल स्थिति है। बाइडन ने बताया कि 100 से ज्यादा बंधकों को रिहा करा लिया गया है लेकिन हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक प्रत्येक बंधक को रिहा नहीं कर दिया जाता। बता दें कि अमेरिका के सात पुरुष और एक महिला नागरिक हमास के इजराइल पर हमले के बाद से लापता हैं। तीन अमेरिकी महिलाओं और एक चार साल की बच्ची ही बीते दिनों रिहा करा लिया गया। बाइडन सरकार भी बंधकों के परिजनों के संपर्क में है और कई बार उनकी मुलाकात राष्ट्रपति बाइडन, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और अमेरिका के एनएसए जैक सुलिवन के साथ हो चुकी है। कई बंधकों के परिजनों का मानना है कि रिहाई में हो रही देरी से उनकी परेशानी बढ़ती जा रही है।

आत्मसमर्पण करने वाले हमास के आतंकी कर रहे दिलचस्प खुलासे

तेल अवीव।
इजराइल के रक्षा मंत्री योआव गैलांट का कहना है कि हमास से लड़ाई तभी खत्म होगी, जब हमारा उद्देश्य पूरा हो जाएगा। रक्षा मंत्री ने दावा किया कि हमास की जो बटालियन बेहद खतरनाक मानी जाती थीं, वो जाबालिया और शेजैया बटालियन खत्म होने के कगार पर हैं। अमेरिका जो कह रहा है, हम उस पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। बता दें कि अमेरिका ने अपील की है कि हमले में आम नागरिकों को नुकसान नहीं होना चाहिए। इजराइली मीडिया के साथ बातचीत में इजराइली रक्षा मंत्री ने कहा कि मेरा मानना है कि अगर हम हमास पर सैन्य दबाव बढ़ाएंगे तो बंधकों को लेकर होने वाली डील ज्यादा बेहतर मिलेगी और अगर डील बेहतर होगी तो हम उस पर विचार कर पाएंगे। गैलांट ने कहा कि इजराइली सेना ने हमास के मजबूत गढ़ों को चारों तरफ से घेर लिया है। सैंकड़ों हमास के आतंकी आत्मसमर्पण कर चुके हैं, जिससे पता चलता है कि हमास में खलबली मची हुई है। गैलांट ने कहा कि जो भी आत्मसमर्पण करेगा, उसकी जान बख्श दी जाएगी। साथ ही जिन आतंकियों ने आत्मसमर्पण किया है, वह काफी दिलचस्प खुलासे कर रहे हैं। इनमें कई

आतंकी वो भी हैं, जो 7 अक्तूबर के हमले में शामिल थे। इजराइली रक्षा मंत्री ने कहा कि हमास के चीफ याहया सिनवर या किसी भी अन्य शीर्ष कमांडर का भी वो ही हश्र होगा, जो अन्य आतंकियों का हो रहा है कि या तो आत्मसमर्पण करें या फिर मरने के लिए तैयार रहें।

इजराइली की आंतरिक खुफिया एजेंसी ने दावा किया है कि उन्होंने बीते महीने गाजा से 500 से ज्यादा आतंकियों को गिरफ्तार किया है। फिलहाल इन आतंकियों से पूछताछ जारी है। कई आतंकियों को आम नागरिकों के रिहायशी इलाकों से गिरफ्तार किया गया है। कई स्कूलों से गिरफ्तार किए गए हैं। इजराइली सेना ने बताया है कि हमास के खिलाफ लड़ाई में अभी तक उसके 104 सैनिक मारे गए हैं। सात सैनिक मारे गए।

आकाशगंगा में मिला 13 अरब साल पुराना ब्लैक होल, सूर्य से लगभग 10 लाख गुना विशाल

वाशिंगटन।
आकाशगंगा के बीचों बीच स्थित सबसे पुराने ब्लैक होल का पता चला है। यह ब्रह्मांड की शुरुआत के समय का है। इसकी उम्र लगभग लगभग 13 अरब वर्ष है। खगोलविदों ने नासा के जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप से इसका पता लगाया है। बिग बैंग निर्माण के 44 करोड़ साल बाद ही यह एक आकाशगंगा के केंद्र में था। इसका द्रव्यमान सूर्य के द्रव्यमान का लगभग दस लाख गुना है। हालांकि, खगोलविदों ने अभी इसे कोई नाम नहीं दिया है।

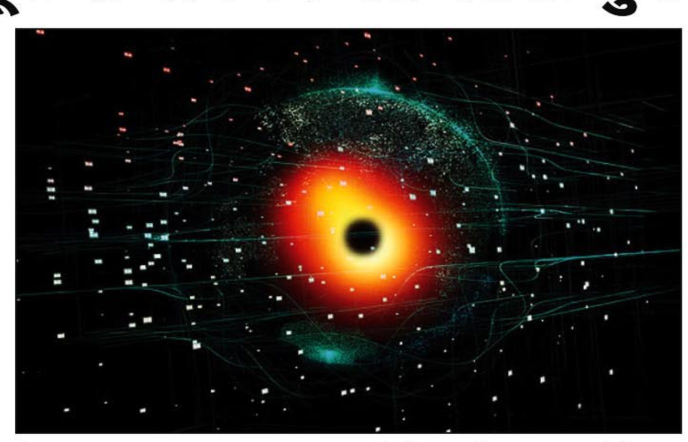

ब्लैकहोल की सीधी तस्वीर नहीं

कैंब्रिज विश्वविद्यालय के खगोल भौतिकविद और शोध के प्रमुख वैज्ञानिक रॉबर्टो मैओलिनो ने कहा कि शुरुआती ब्लैकहोल के हिसाब से यह आश्चर्यजनक रूप से बड़ा है। सवाल उठता है कि यह इतनी जल्दी इतना बड़ा कैसे हो गया। यह शोध वैज्ञानिक शोधपत्र एआरएक्सआईवी में प्रकाशित हुआ है। इसके मुताबिक, ब्लैकहोल की सीधी तस्वीर नहीं है, क्योंकि कोई भी प्रकाश इससे बाहर नहीं आ पाता, लेकिन खगोलविदों ने ब्लैकहोल की अभिवृद्धि डिस्क, गैस और धूल के प्रभामंडल के स्पष्ट संकेत का पता लगाया है, जो ब्लैक होल के चारों ओर तेजी से घूमता है।

इसलिए अहम है खोज

खगोलविदों के अनुसार ब्लैक होल के अध्ययन से हमें यह समझने में मदद मिल सकती है कि आकाशगंगाओं के केंद्र में कैसे इन्होंने विशालकाय रूप लिया। जैसे हमारी आकाशगंगा के केंद्र के ब्लैकहोल का द्रव्यमान सूर्य के द्रव्यमान से अरबों गुना ज्यादा है। माना जा रहा था कि आकाशगंगा के केंद्र में ब्लैक होल आसपास के सितारों और अन्य चीजों को निगलने के कारण बढ़ रहे हैं। लेकिन इस ब्लैकहोल की खोज हमारी समझ बदल रही है।

नए अवलोकन से खुला रहस्य

जीएन-जेड11 नामक आकाशगंगा के नवीनतम अवलोकन से इस रहस्य का खुलासा हुआ। वैज्ञानिक मान रहे हैं कि या तो यह बड़े ही पैदा हुए थे, या फिर बहुत तेजी से फूल गए। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के प्रोफेसर एंड्रयू पोंटजेन ने कहा, यह समझना की ब्लैकहोल कहां से आए, हमेशा से एक पहेली रही है। लेकिन अब यह पहेली गहरी होती जा रही है। जेम्स वेब टेलीस्कोप ने हमें समय में पीछे झांकने में मदद की है। इससे हमें पता चला कि कुछ ब्लैक होल ने शुरुआती ब्रह्मांड में तेजी से बढ़े।

यूएन के पूर्व महासचिव बान की मून

तीन राजनयिकों को दिवाली- पावर ऑफ वन अवॉर्ड

न्यूयॉर्क।
संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव बान की मून और तीन राजनयिकों को दिवाली पावर ऑफ वन अवॉर्ड्स से नवाजा गया। ये सम्मान शांतिपूर्ण और सुरक्षित विश्व की खातिर काम करने के लिए हर साल दिया जाता है। कूटनीति के ऑस्कर के रूप में प्रतिष्ठित यह पुरस्कार संयुक्त राष्ट्र के पूर्व स्थायी प्रतिनिधियों या संयुक्त राष्ट्र सचिवालय के पूर्व उच्च-स्तरीय सदस्यों या जल्द सेवानिवृत्त होने वाले उच्च स्तरीय सदस्य को दिया जाता है। यह निस्वार्थ भाव से सभी के लिए शांतिपूर्ण और सुरक्षित दुनिया बनाने के प्रयासों के लिए दिया जाता है।

दिवाली फाउंडेशन यूएसए ने की स्थापना - इन अवॉर्ड की स्थापना दिवाली फाउंडेशन यूएसए ने 2017 में की थी। पूर्व संयुक्त राष्ट्र प्रमुख को दिवाली फाउंडेशन यूएसए द्वारा आयोजित

2023 दिवाली स्टैम्प - द पावर ऑफ वन अवार्ड समारोह में लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। वर्ष 2023 के लिए अन्य पुरस्कार विजेताओं में संयुक्त राष्ट्र में बोस्निया और हर्जेगोविना के पूर्व स्थायी प्रतिनिधि राजदूत मिरसादा कोलाकोविक, संयुक्त राष्ट्र में दक्षिण कोरिया के पूर्व स्थायी प्रतिनिधि राजदूत किम सूक और 72वें संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष और बेलग्रेड-प्रिस्टिना संवाद के लिए यूरोपीय संघ के विशेष प्रतिनिधि शामिल हैं।

बान की मून बोले, अंधेरे में रोशनी का काम - अपने संबोधन में संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव बान की मून ने बढ़ते अंधेरें की दुनिया में महत्वपूर्ण प्रकाश को आगे बढ़ाने के लिए दिवाली फाउंडेशन यूएसए के काम और दूरदर्शी दृष्टिकोर्ण की सराहना की है। बान ने कहा कि आज की दुनिया इस तरह खंडित दिखती है जैसी पहले कभी नहीं थी। उन्होंने कोविड-19 महामारी, जलवायु संकट और क्षेत्रीय संघर्षों का हवाला दिया। बात दें बान की मून संयुक्त राष्ट्र के आठवें महासचिव थे, जिन्होंने जनवरी 2007 से दिसंबर 2016 तक दुनिया के शीर्ष राजनयिक के रूप में दो कार्यकाल तक सेवा दी।

अवॉर्ड अज्ञान पर ज्ञान का प्रतीक- रुचिरा कंबोज - संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि राजदूत रुचिरा कंबोज ने संयुक्त राष्ट्र के राजनयिकों, दूतों, नागरिक समाज के सदस्यों और नीति विशेषज्ञों की उपस्थिति वाले कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि दिवाली एक ऐसा उत्सव है जो भारतीयों के दिलों में एक बहुत ही विशेष स्थान रखता है। उन्होंने कहा, दिवाली सिर्फ एक त्योहार से कहीं अधिक है। यह एक भावना है जो अंधकार पर प्रकाश, अज्ञान पर ज्ञान और निराशा पर आशा की विजय का प्रतीक है।

भाजपा का जम्मू-कश्मीर में संघर्ष बलिदान का एक लंबा इतिहास है : कौल

जम्मू (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है और इस मील के पत्थर का श्रेय पार्टी के प्रतिबद्ध कार्यकर्ताओं को जाता है, जो अपनी जड़ें मजबूत करने के लिए जमीनी स्तर पर चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। अशोक कौल ने कहा कि पार्टी में लगातार काम करने, बेहतर समन्वय और सबसे ऊपर अनुशासन के जरिए यह उपलब्धि हासिल की गई है। वह डोडा शहर में पार्टी कार्यालय में डोडा जिले के पदाधिकारियों और वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। कौल ने कहा कि भाजपा का जम्मू-कश्मीर में प्रजा परिषद और उसके बाद जनसंघ के दिनों से ही संघर्ष और बलिदान का एक लंबा इतिहास रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी जम्मू-कश्मीर को भारत माता का मुकुट मानती है और संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी मातृभूमि के सम्मान के लिए अग्रिम पंक्ति में खड़ा होना अपना प्रमुख कर्तव्य मानता है। उन्होंने कहा कि यद्यपि भाजपा एक राजनीतिक दल है लेकिन इसका मिशन देश और इसके लोगों की सेवा करना है, जो इसे अन्य दलों की तुलना में एक अलग संगठन बनाता है। उन्होंने आगे पदाधिकारियों और अन्य लोगों से 2024 के आम चुनावों के मद्देनजर और अधिक प्रयास करने को कहा ताकि चुनावों के दौरान अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों का अधिकतम समर्थन सुनिश्चित किया जा सके।

टेक्सटाइल और पैकेजिंग से जुड़े कारोबारियों पर आयकर सर्वे, व्यापारियों में मचा हड़कंप

जोधपुर (हिंस)। प्रदेश में मंगलवार सुबह आयकर विभाग की कार्रवाई से व्यापारियों में हड़कंप मच गया। इनकम टैक्स की अलग-अलग टीमों ने जोधपुर, पाली और ब्यावर में व्यापारिक प्रतिष्ठानों और घरों पर छापा मारा। सभी उद्योगपति टेक्सटाइल और पैकेजिंग से जुड़े हुए हैं। जोधपुर में शास्त्रीनगर इलाके में एक व्यापारी के निवास और बोरानाडा इंडस्ट्रियल एरिया में छापेमारी की कार्रवाई की। पाली जिला मुख्यालय पर टेक्सटाइल उद्योगपतियों के यहां आयकर विभाग की रेड जारी है। ब्यावर में भी आयकर विभाग की कार्रवाई चल रही है। इस कार्रवाई में जयपुर, जोधपुर सहित राज्य के अलग-अलग जिलों की टीमों के अलावा गुजरात इनकम टैक्स के भी अधिकारियों को शामिल किया गया है। आयकर विभाग के अनुसार आज सुबह इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की ओर से कई व्यापारियों के घरों व संस्थान पर एक साथ छापा मारा गया। आईटी की एक टीम मंगलवार तड़के जोधपुर पहुंची। टीम ने शास्त्रीनगर स्थित एक कारोबारी के घर पर रेड दी है। इनके प्रदेशभर में पैकेजिंग का कार्य है। अभी टीम की ओर से व्यापारी के घर पर कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अन्य व्यापारियों में भी हड़कंप मचा हुआ है। वहीं दूसरी तरफ आयकर विभाग की अन्य टीम पाली में पहुंची। यहां एक बड़े उद्योगपति के घर और फैक्ट्रियों पर इनकम टैक्स के अधिकारी छापेमारी कर रहे हैं। अभी तक चार फैक्ट्री और तीन मकान पर विभाग की कार्रवाई चल रही है। इसी तरह ब्यावर जिले के रायपुर उपखंड के पिपलिया कला में दो औद्योगिक इकाई पर भी इनकम टैक्स ने छापा मारा है। पूरी औद्योगिक इकाई में इस वक्त सर्च ऑपरेशन किया जा रहा है। आयकर विभाग के सूत्रों के अनुसार इस कार्रवाई को अंजाम देने के लिए राज्य के प्रमुख आयकर विभाग के अधिकारी और कर्मचारी सोमवार रात को ही जोधपुर जिले में ग्रामीण क्षेत्र के एक हेरिटेज फोर्ट पर एकत्र हो गए थे। यहां से सुबह चार बजे टीमों को अलग-अलग जगह के लिए रवाना किया गया। फिलहाल आयकर विभाग ने किसी तरह की अधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है।

श्रीकरणपुर विधानसभा चुनाव में नॉमिनेशन शुरू

श्रीगंगानगर (हिंस)। जिले की श्रीकरणपुर विधानसभा के स्थगित हुए चुनाव के लिए मंगलवार से नॉमिनेशन प्रक्रिया शुरू हो गई। इसके तहत एसडीएम ऑफिस के बाहर बेरिकेडिंग की गई है। यहां केवल कांग्रेस कैंडिडेट को ही नॉमिनेशन करना है। हालांकि अब तक कांग्रेस ने कैंडिडेट की घोषणा ही नहीं की है। ऐसे में नॉमिनेशन की प्रक्रिया कांग्रेस कैंडिडेट की घोषणा के बाद ही शुरू हो पाएगी। नॉमिनेशन उन्नीस दिसंबर तक किए जा सकेंगे। इससे पहले कांग्रेस को कैंडिडेट भी घोषित करना होगा और नॉमिनेशन भी करवाना होगा। यहां बारह कैंडिडेट ने नॉमिनेशन किया था। इसमें कांग्रेस कैंडिडेट गुरमीत कुन्नर के निधन के बाद यहां मैदान में ग्यारह कैंडिडेट हैं। ये ग्यारह कैंडिडेट अभी मैदान में रहेंगे। केवल कांग्रेस कैंडिडेट ही फिर से नॉमिनेशन करेगा। श्रीकरणपुर विधानसभा क्षेत्र में 19 दिसंबर तक नॉमिनेशन फार्म जमा करवाए जा सकते हैं। 20 दिसंबर को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी तथा 22 दिसंबर तक नाम वापस लिए जा सकते हैं। वोटिंग 5 जनवरी को होगी और 8 जनवरी सुबह आठ बजे से जिला मुख्यालय पर काउंटिंग होगी। यहां कांग्रेस के अलावा भाजपा और आम आदमी पार्टी मैदान में हैं। यहां भाजपा ने पूर्व मंत्री सुरेंद्रपालसिंह टीटी को उतारा है। वहीं आम आदमी पार्टी ने किसान नेता व पृथ्वीपालसिंह संधू को मौका दिया है। संधू कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष हैं। ऐसे में उन्हें मजबूत कैंडिडेट माना जा रहा है।

हाईकोर्ट अधिवक्ता को आदेश : स्थाई लोक अदालतों में कर्मचारियों की भर्ती को लेकर अवगत कराए

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ के वरिष्ठ न्यायाधीश विजय बिश्नोई और न्यायाधीश मदन गोपाल व्यास ने हाइकोर्ट के अधिवक्ता को आदेश दिया कि वे राज्य के स्थाई लोक अदालतों में कर्मचारियों की भर्ती की चयन प्रक्रिया बाबत हाईकोर्ट प्रशासन से निर्देश लेकर आगामी तारीख 10 जनवरी तक न्यायालय को अवगत कराएं। एडवोकेट वी डी दाधीच की ओर से दायर जनहित याचिका पर बहस करते हुए अधिवक्ता अनिल भंडारी ने कहा कि 26 अप्रैल 2016 को राज्य सरकार के विधि विभाग ने स्थाई लोक अदालतों में रीडर और आशुलिपिक के एक एक पद तथा लिपिक ग्रेड द्वितीय के तीन पद और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को दो पद हरेक स्थाई लोक अदालत में स्वीकृत किए थे, लेकिन साढ़े सात साल हो जाने के बावजूद राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण अभी तक सारे पदों पर भर्ती पूर्ण नहीं कर सका है। उन्होंने प्रार्थना पत्र पेश कर कहा कि प्राधिकरण ने गत 11 अगस्त को आदेश जारी कर स्थाई लोक अदालत, जोधपुर के अध्यक्ष का तबादला पचास दिन बाद से यानी एक अक्तूबर से प्रभावी करते हुए कोटा कर दिया, जिससे 50 प्रकरण जो निर्णय वास्ते सुरक्षित थे, उन्हें वापिस सुनवाई के वास्ते रख दिया गया और दो माह तक न्यायिक कार्रवाई लगभग ठप रही, जिससे सितंबर तक लंबित मामलों की संख्या 1056 हो गई। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण को निर्देश दिए जाएं कि भविष्य में इस तरह आगामी तारीख से तबादले नहीं करें। प्राधिकरण की ओर से पैरवी करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता सहायक महाधिवक्ता संदीप शाह ने कहा कि लोक अदालतों में कर्मचारियों की भर्ती की जिम्मेदारी हाईकोर्ट की है। न्यायालय द्वारा उन्हें मौखिक रूप से यह कहे जाने पर कि आगामी तारीख से तबादले करने का क्या कारण रहा है, उन्होंने कहा कि वे प्राधिकरण से स्थिति स्पष्ट कर न्यायालय को अवगत कराएंगे। हाईकोर्ट की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. सचिन आचार्य ने स्थाई लोक अदालतों में कर्मचारियों की भर्ती चयन प्रक्रिया बाबत हाईकोर्ट से निर्देश लेकर अवगत कराने वास्ते समय देने का अनुरोध किया।

हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र में सुरक्षा रहेगी चाक-चौबंद

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा विधानसभा के 15 दिसंबर से शुरू हो रहे शीतकालीन सत्र के मद्देनजर विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने मंगलवार को हरियाणा, पंजाब व यूटी चंडीगढ़ के सुरक्षा अधिकारियों की बैठक की और उन्हें जरूरी दिशा-निर्देश दिए। बैठक में तय हुआ कि विधायकों के साथ उनका सहायक स्टाफ विधानसभा परिसर में प्रवेश नहीं करेगा। विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने कहा कि विधानसभा सत्र की कार्यवाही देखने के लिए बड़ी संख्या में स्कूल और कॉलेजों के विद्यार्थियों और पत्रकारों के दल के आने की संभावना है। इसके मद्देनजर पुख्ता प्रबंध करने की जरूरत है। दर्शकों के लिए हारट्रान की ओर से कंप्यूटरीकृत फोटो वाले प्रवेश पत्र जारी किए जाएंगे। बैठक में तय हुआ कि दर्शक दीर्घा का समुचित प्रयोग करते हुए अधिक से अधिक लोगों को सत्र दिखाने की व्यवस्था की जाएगी। इसके लि ए एक घंटेभर की अवधि के लिए पास जारी किए जाएंगे। विधान भवन के

बाहर पार्किंग की समुचित व्यवस्था व वहां ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों के जलपान के लिए अस्थायी कैंटीन बनाने के भी निर्देश दिए गए हैं। बैठक में तय हुआ कि विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा प्रबंध पुख्ता किए जाएंगे। इसके लिए उन्होंने हरियाणा, पंजाब और यूटी चंडीगढ़ पुलिस के अधिकारियों की समन्वय कमेटी बनाने के भी निर्देश दिए। इस कमेटी में शामिल अधिकारी व्हट्सअप ग्रुप पर एक दूसरे से जुड़े रहेंगे। इसके साथ ही चंडीगढ़ प्रशासन की ओर से सत्रावधि के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट की तैनाती भी की जाएगी। किसी भी मामले में कार्रवाई के लिए चंडीगढ़ पुलिस भी मौके पर मौजूद रहेगी। विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने कहा कि विधान सभा परिसर के बाहर किसी भी प्रकार के रोष प्रदर्शन की अनुमति नहीं रहेगी। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसके लिए पहले से पूरी तैयारी रखें। सत्र के दौरान किसी भी आम या खास को हथियार के साथ प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। बैठक में हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल, गृह सचिव टीवीएसएन प्रसाद, पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर, एडीजीपी सीआईडी आलोक मित्तल, एसएसपीएस प्रभजोत सिंह, आईजी सुरक्षा सौरभ सिंह, हरियाणा विधान सभा सचिव राजेंद्र कुमार नांदल, पंजाब से एडीजीपी सुरक्षा सुधांशु एस श्रीवास्तव, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्वर्ण सिंह, यूटी चंडीगढ़ से एसडीएम संयम गर्ग, चंडीगढ़ के एसपी मृदुल, डीएसपी गुरमुख सिंह, सीआईएसएफ के सहायक कमांडेंट नितिन कुमार, हारट्रोन के अतिरिक्त प्रबंध निदेशक विवेक कालिया, पंजाब विधान सभा के सचिव रामलोक खटाना समेत अनेक अधिकारी मौजूद रहे।

विवाहिता की मौत पर परिजनों ने लगाया जाम, ससुरालजनों की गिरफ्तारी की मांग

फतेहाबाद (हिंस)। जिले के जाखल क्षेत्र के गांव ढेर में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद परिजनों ने मंगलवार को टोहना में चंडीगढ़ रोड पर जाम लगा दिया। वह लोग आरोपित ससुरालीजनों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। जाखल पुलिस को दी शिकायत में गांव सिधानी निवासी हरमेल कौर ने बताया कि उसने अपनी लड़की सोमा की शादी नवंबर 2019 में लखवीर सिंह निवासी ढेर के साथ की थी। उसका तीन साल का एक लड़का भी है। हरमेल ने बेटी सोमा को आत्महत्या करने के लिए मजबूर करने का आरोप उसके ससुरालजनों पर लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए टोहाना के नागरिक अस्पताल भिजवाया है। पुलिस ने ससुरालजनों के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोप का केस दर्ज किया है। मंगलवार को परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए आरोपियों की

गिरफ्तारी की मांग को लेकर टोहाना में चंडीगढ़ रोड पर जाम लगा दिया। जाम के कारण चंडीगढ़ रोड पर यातायात अवरुद्ध हो गया। जाम की सूचना मिलते ही डीएसपी मौके पर पहुंचे और लोगों से बातचीत कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। परिजनों ने कहा कि जब तक पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार नहीं करती, न तो वे शव लेंगे और न ही जाम खोलेंगे। हरमेल कौर का कहना है कि सोमा के पति के जेठानी के साथ नाजायज संबंध होने की जानकारी बेटी ने दी थी। इसका विरोध करती है तो उसका पति, सास व जेठानी उसकी बेटी के साथ मारपीट करते थे। उन्होंने बताया कि 10 दिसंबर को सोमा का फोन आया कि उसका पति, सास व जेठानी उससे झगड़ा कर रहे हैं। शाम को उन्हें सूचना मिली कि सोमा की मौत हो गई है। इस पर जब वे मौके पर गए तो सोमा के ससुरालजनों ने बताया कि सोमा ने चुन्नी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। सोमा बैड पर मृत अवस्था में पड़ी थी। इस पर उन्होंने इस बारे में पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने सोमा के पति लखवीर, सास गुड्डी व जेठानी गुरविन्द्र कौर के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोप में केस दर्ज किया है।

आआपा हरियाणा में बदलाव यात्रा 15 दिसंबर से शुरू करेगी : चंद्रशेखर रावत

पलवल (हिंस)। हरियाणा में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 15 दिसंबर से बदलाव यात्रा शुरूआत करेंगे। जिला अध्यक्ष ने दावा करते हुए कहा कि 2029 लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की सरकार बनेगी। यह जानकारी आम आदमी पार्टी पलवल जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर रावत ने प्रेस वार्ता में दी। इस हरियाणा के लाल ने एक मौका केजरीवाल ने के नाम से प्रदेश की 90 विधानसभाओं में बदलाव यात्रा निकाली जाएगी। 15 दिसंबर से 24 दिसंबर तक पूरे प्रदेश में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता बदलाव का संदेश देंगे। सिरसा से शुरू होने वाली यात्रा का नेतृत्व डॉ. अशोक तंवर करेंगे। महेंद्रगढ़ से शुरू होने वाली यात्रा का नेतृत्व अनुराग ढांडा करेंगे। कालका से शुरू होने वाली यात्रा का नेतृत्व निर्मल सिंह करेंगे। जबकि फरीदाबाद से शुरू होने वाली यात्रा का नेतृत्व डॉ. सुशील गुप्ता करेंगे। उन्होंने बताया कि फरीदाबाद से शुरू हुई यात्रा जींद में खत्म होगी। सिरसा से शुरू हुई यात्रा भिवानी में और कालका से शुरू हुई यात्रा पानीपत में और महेंद्रगढ़ से शुरू हुई यात्रा कैथल में खत्म होगी। इसके तहत 90 विधानसभाओं का दौरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस यात्रा के दौरान हरियाणा की बदहाल स्थिति के बदलाव के लिए प्रदेश की जनता को जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मनोहर लाल सरकार में प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था का बुरा हाल है। 30 हजार शिक्षकों के पद खाली हैं। 1585 स्कूलों में शौचालय नहीं है। 131 स्कूलों में पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है। 236 स्कूलों में बिजली के कनेक्शन नहीं हैं। 8240 कक्षाओं की कमी है। यही बदहाली चिकित्सा के क्षेत्र में भी है। 10 दिन चलने वाली यात्रा के माध्यम से 90 विधानसभाओं और 10 लोकसभा क्षेत्रों में जाने का काम करेंगे और प्रदेश के चारों कोनों से शुरू होने वाली यात्रा पूरे प्रदेश में बदलाव का संदेश देगी।

कुमारी शैलजा ने डेरा बाबा भूमणशाह में टेका माथा

सिरसा (हिंस)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव व कांग्रेस कार्य समिति की सदस्य कुमारी शैलजा मंगलवार को सिरसा जिले के दौरे पर पहुंची है। वे यहां कई स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेंगी। कुमारी शैलजा ने संगर साधा स्थित डेरा बाबा भूमणशाह में मत्था टेक कर अपने दौरे की शुरूआत की। मंगलवार को सिरसा आगमन से पहले कांग्रेस नेता शैलजा संगरसाधा स्थित डेरा बाबा भूमणशाह में पहुंची। वहां पर उन्होंने मत्था टेका और डेरे केगद्दीनशीन संत बाबा ब्रह्मदास महाराज से आशीर्वाद लिया। इसके बाद वे कांग्रेस कार्यकर्ता देशराज दुग्गल के निधन पर शोक व्यक्त करने उनके गांव चतरगढ़ पट्टी पहुंची और दुग्गल के परिजनों से मिलकर अपनी संवेदना व्यक्त की। उसके बाद वे पूर्व सांसद सरदार चरणजीत सिंह रोजी के बड़े भाई सरदार बंतासिंह के निधन पर शोक व्यक्त करने गांव रोजी पहुंचीं। वे पूर्व सांसद चरणजीत सिंह रोजी से मिलीं। उनका हालचाल जाना और परिजनों से बात की। उसके बाद वे सरपंच केवल कृष्ण जिंदल के पिता हेमराज के निधन पर शोक व्यक्त करने गांव रोजी में ही गई। उसके बाद उन्होंने पूर्व सरपंच सरदार बलदेव सिंह की भाभी बलवीर कौर के निधन परशोक व्यक्त करने गांव लहंगेवाला में पहुंचीं। बाद दोपहर पूर्व सरपंच सोहन सिंह की पत्नी बेटी के निधन परशोक व्यक्त करने गांव थिराज गई। उसके बाद सरदार कुलदीप सिंह गदराना के पिता सरदार कौर सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करने गांव गदराना में पहुंचीं।

जेल प्रबंधन ने दूसरे व्यक्ति को किया रिहा, गृह मंत्री ने दिए जांच के आदेश

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के अंबाला जेल प्रशासन पर मिलीभगत कर एक व्यक्ति को जमानत पर छोड़ने के बजाए दूसरे व्यक्ति को छोड़ने एवं व्यक्ति पर फर्जी केस दर्ज करने का आरोप लगाते हुए परिवार ने हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज के समक्ष गुहार लगाई। इस संबंध में गृह मंत्री ने डीजी जेल को पूरे मामले में जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। विज मंगलवार को सुबह अपने आवास पर आए लोगों की समस्याओं को सुन रहे थे। अंबाला जिले के गांव बलाणा निवासी महिला व परिवार के सदस्यों ने अंबाला जेल प्रशासन पर आरोप लगाते हुए बताया कि उनका बेटा झगड़े के मामले में अंबाला सेंट्रल जेल में था। उसकी गत दिनों जमानत हो गई थी, परिवार सदस्य जब बेटे को लेने जेल पहुंचे तो जेल प्रशासन ने उन्हें बताया कि उनका बेटा पहले ही जमानत पर छूटकर घर चला गया है। उन्होंने बताया कि पूरी रात वह बेटे की तलाश करते रहे, मगर उसका कहीं कोई अता-पता नहीं चला।

इसके बाद वह फिर सेंट्रल जेल गए, लेकिन जेल प्रशासन ने उन्हें कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी। लगभग सप्ताह बाद उन्हें पता चला कि उनके बेटे को फिर से कोर्ट में पेश किया जा रहा है। कोर्ट में वह गए तो उनके बेटे ने बताया कि उसकी पहले जमानत हो गई थी, मगर जेल प्रशासन ने उसके स्थान पर जेल में बंद एक अन्य व्यक्ति को छोड़ दिया और अब मिलीभगत को छिपाने के लिए जेल प्रशासन ने उसे फर्जी केस में फंसाकर गिरफ्तार किया गया है। परिवार ने गृह मंत्री अनिल विज से इस मामले में जेल प्रशासन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने व उनके बेटे पर दर्ज हुए फर्जी केस को रद्द करने की मांग उठाई। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए गृह मंत्री अनिल विज ने डीजी जेल से बात की और सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। विज ने कहा कि जेल प्रशासन की मिलीभगत के बिना ऐसा संभव नहीं हो सकता है कि एक व्यक्ति के बदले दूसरे व्यक्ति को जेल से छोड़ दिया जाए। उन्होंने डीजी जेल को पूरे मामले में जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। पत्रकारों से बातचीत के दौरान गृह मंत्री अनिल विज ने बताया कि यह काफी गंभीर मामला है और जांच के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने इस संबंध में जेल प्रशासन से भी बात की थी जिन्होंने उनसे कहा कि गलती से किसी अन्य व्यक्ति को छोड़ दिया। विज ने कहा कि यह काफी गंभीर मामला है, यदि इस प्रकार गलतियां हुई तो और भी गलत लोगों को जेल से छोड़ा जा सकता है।

अकाली दल ने मनाया 103वां स्थापना दिवस

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में कई बार सत्ता संभाल चुके शिरोमणि अकाली दल ने मंगलवार को अपना 103वां स्थापना दिवस मनाया। दरबार साहिब में अखंड पाठ साहिब का आयोजन किया गया, वहीं अकाली दल प्रधान सुखबीर सिंह बादल समेत कई अकाली नेताओं ने यहां संगत के जूते साफ करके सेवा की। मंगलवार को सुखबीर बादल, सांसद हरसिमरत कौर, पूर्व मंत्री दलजीत सिंह चीमा समेत अन्य नेता सुबह दरबार साहिब पहुंचे। यहां श्री अखंड पाठ की शुरू आत की गई। इसके बाद सुखबीर सिंह बादल ने संगत के जूते साफ करने की सेवा की। कार्यक्रम में 14 दिसंबर को सुबह 10 बजे श्री अखंड पाठ साहिब के भोग के बाद कीर्तन और अरदास की जाएगी। शिरोमणि अकाली दल कांग्रेस के बाद दूसरी सबसे पुरानी पार्टी है।

जन संवाद संकल्प यात्रा से जन-जन तक पहुंच रहा सरकारी सेवाओं का लाभ : अभय सिंह

नारनौल (हिंस)। जिला में विकसित भारत जन संवाद संकल्प यात्रा लगातार जन-जन तक सरकारी सेवाओं का लाभ पहुंचा रही है। इसमें शामिल हर नागरिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प की शपथ भी ले रहे हैं। मंगलवार को यह यात्रा नारनौल खंड के गांव बलाह खुर्द, दौचाना, नांगल चौधरी खंड के गांव इकबालपुर नंगली, नेहरू नगर, कनीना खंड के गांव नांगल हरनाथ, बुचावास तथा महेंद्रगढ़ खंड के गांव बसई व बास खुडाना गांवों में पहुंची। इस दौरान गांव बलाह खुर्द व दौचाना में नांगल चौधरी के विधायक डा. अभय सिंह यादव मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। वहीं इकबालपुर नंगली व नेहरू नगर में भाजपा जिलाध्यक्ष दयाराम यादव, गांव बसई व बास खुडाना में जिला परिषद सदस्य देवेंद्र, नांगल हरनाथ में सरपंच अंग्रेज देवी व बुचावास में एसईपीओ कृष्णपाल मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे। विधायक अभय सिंह यादव ने कहा कि इस यात्रा का मुख्य मकसद आमजन को सरकार की योजनाओं से अवगत करवा कर उनको इन योजनाओं का लाभ देना है। यह यात्रा प्रदेश के लाखों पात्र नागरिकों को योजनाओं के साथ जोड़ने का कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि देश को विकसित राष्ट्र की श्रेणी में लाने के लिए हर व्यक्ति को विकसित राष्ट्र की सोच के साथ आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने व्यवस्था परिवर्तन करते हुए पारदर्शी शासन दिया है। संकल्प यात्रा के दौरान पात्र नागरिकों को मुफ्त में गैस कनेक्शन दिए जा रहे हैं लेकिन जो लाभार्थी अभी तक छूट गए हैं, उनके आवेदन भी मौके पर ही भरवाए जा रहे हैं। साथ ही विभिन्न विभागों की योजनाओं के लिए पंजीकरण भी करवा रहे हैं।

मिस एंड मिसेज इंडिया ग्लैम के आगामी सीजन के लिए प्री इवेंट ग्रूमिंग सेशन में मॉडल्स कर रही हैं प्रेक्टिस

जयपुर (हिंस)। भारत को नए साल की पहली ब्यूटी क्वीन प्रदान करने वाले ब्यूटी पैजेंट मिस एंड मिसेज इंडिया ग्लैम की अपकमिंग सीजन के लिए जोर-शोर से तैयारियां जारी हैं, जिसके अंतर्गत वैशाली नगर स्थित मिस इंडिया ग्लैम एकेडमी में मॉडल्स के लिए ग्रूमिंग सेशन लिए जा रहे हैं। इनमें ब्यूटी पेजेंट के जयपुर ऑडिशन में चयनित 40 मॉडल्स को मॉडलिंग एक्सपर्ट्स कैटवॉक, बॉडी बैलेंसिंग, कैमरा पोजिंग, सेफ एक्सप्रेशन आदि की प्रेक्टिस करवा रहे हैं, वहीं योगा, हैल्थ एंड फिटनेस, न्यूट्रिशन एक्सपर्ट्स मॉडल्स को फिट और एनर्जेटिक बनाने की टिप्स दे रहे हैं। मिस एंड मिसेज इंडिया ग्लैम के फाउंडर डायरेक्टर पवन टांक के अनुसार रविसूर्या ग्रुप एवं अनंता रिसोर्ट जयपुर के सहयोग से 28 से 31 दिसंबर को इस नेशनल ब्यूटी पेजेंट का ग्रांड फिनाले आयोजित किया जाएगा, जिसमें ग्रूमिंग वर्कशॉप के अलावा फोटो

शूट्स, टैलेंट राउंड आदि एक्टिविटिज होंगी। इसके साथ ही न्यू ईयर 2024 की ग्रांड वेलकम पार्टी भी होगी। मिस एंड मिसेज इंडिया ग्लैम की विनर्स को कैश प्राइज, क्राउन, ट्रॉफी सहित कई पुरस्कारों से नवाजा जाएगा। मिस एंड मिसेज इंडिया ग्लैम के फाउंडर डायरेक्टर पवन टांक के अनुसार ब्यूटी पेजेंट के लिए वाइल्ड कार्ड एंट्रीज ली जा रही हैं, जिसके लिए इंडिया ग्लैम डॉट ओआरजी पर संपर्क किया जा सकता है। ग्रूमिंग सेशन में प्रसिद्ध कोरियोग्राफर राहुल शर्मा के निर्देशन में मॉडल्स को प्रतिदिन चार घंटे की कड़ी प्रेक्टिस करवाई जा रही है। इसमें मिस इंडिया ग्लैम राजस्थान 2022 शैफाली टांक, सेकंड रनरअप 2023 दीपिका सिंह नरूका और मिसेज इंडिया ग्लैम राजस्थान 2022 माधुरी दुर्गानी मॉडल्स को कैटवॉक के टिप्स दे रही हैं, वहीं डा. शमिता शर्मा योगा सेशन में हैल्थ और न्यूट्रिशन की नॉलेज शेयर कर रही हैं। कोरियोग्राफर राहुल शर्मा का कहना है कि मॉडल्स को परफेक्ट कैटवॉक के लिए हाई हील पर बॉडी को बैलेंस करना काफी मुश्किल भरा होता है और इसके लिए नैरो बीम पर कैटवॉक की प्रैक्टिस से ही मॉडल्स रैंप पर अपना बेस्ट परफॉर्मेंस दे पाती है।

इंफोसिस के सीएफओ नीलंजन रॉय ने दिया इस्तीफा : कंपनी ने जयेश संघराजका को नया चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर नियुक्त किया

नई दिल्ली।

आईटी कंपनी इंफोसिस के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर नीलंजन रॉय ने इस्तीफा दे दिया है। कंपनी से उनकी एग्जिट 31 मार्च 2024 से प्रभावी होगी। कंपनी ने नीलंजन रॉय की जगह जयेश संघराजका को 1 अप्रैल 2024 से नए सीएफओ के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की है।

नीलंजन रॉय 2018 से कंपनी के सीएफओ पद पर थे। इससे पहले फॉर्मर प्रेसिडेंट रवि कुमार एस और मोहित जोशी ने कंपनी से इस्तीफा दे दिया था। पिछले 12 महीनों में इंफोसिस ने कम से कम आठ सीनियर मैनेजमेंट पर्सनल को खो दिया है। कुछ ने राइवल कंपनी जॉइन कर ली है।

इंफोसिस में 18 साल से ज्यादा समय से काम कर रहे हैं जयेश

जयेश संघराजका इंफोसिस में अपने दो कार्यकाल के दौरान 18 साल से ज्यादा समय से काम कर रहे हैं। पहले उन्होंने कंपनी में 2000 से 2007 तक काम किया। फिर वे दिसंबर 2012 से अब तक कंपनी के साथ काम कर रहे हैं।

जयेश ने कंपनी में कई लीडरशिप रोल्स निभाए हैं

जयेश ने कंपनी में कई लीडरशिप रोल्स निभाए हैं। वे वर्तमान में कंपनी के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट और डिप्टी चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर (अक्टूबर 2015 से) के पद पर काम कर रहे हैं। उनके पास 25 साल से ज्यादा का वर्क एक्सपीरियंस है और वे एक चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं।

जयेश की नियुक्ति इंफोसिस के सीईओ और एमडी ने क्या कहा

जयेश की नियुक्ति पर इंफोसिस के सीईओ और एमडी सलिल पारेख ने कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि जयेश संघराजका सीएफओ का पद संभालेंगे। उनका एक्सपीरियंस इस काम को ज्यादा ऊंचाइयों तक ले जाने में हमारी मदद करेगा।

नीलंजन के जाने से बना लीडरशिप वैक्यूम

अमेरिका बेस्ड आईटी रिसर्च फर्म रिसर्च ने कहा, नीलंजन समेत अन्य के जाने से इंफोसिस में डेवलप हुआ लीडरशिप वैक्यूम चिंताजनक है। कंपनी के चेयरमैन नंदन नीलेकणि और एमडी सलिल पारेख को जहाज को स्थिर करने के लिए कदम उठाने होंगे।

इस साल की शुरुआत में, इंफोसिस के दोनों प्रेसिडेंट मोहित जोशी और रवि कुमार एस को राइवल कंपनी टेक महिंद्रा और कॉग्निजेंट ने सीईओ के तौर पर हायर किया था। अगस्त में, मुख्य मानव संसाधन अधिकारी रिचर्ड लोबो ने 23 साल के कार्यकाल के बाद इस्तीफा दे दिया था।

न्यूज ब्रीफ

सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी, सोना 61,300 रुपए और चांदी 72,200 रुपए

नई दिल्ली । इस सप्ताह पहले दिन गिरावट के बाद दूसरे दिन सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी गई है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव तेजी के साथ 61,300 रुपये और चांदी के वायदा भाव 72,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रेक्ट 119 रुपये की तेजी के साथ 61,236 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रेक्ट 194 रुपये की तेजी के साथ 61,311 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव भी तेजी के साथ खुले। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 217 रुपये की तेजी के साथ 72,081 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह 321 रुपये की तेजी के साथ 72,185 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्टीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरूआत आज तेज रही। कॉमेक्स पर सोना 1,997.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,993.70 डॉलर था। फिलहाल यह 7.50 डॉलर की तेजी के साथ 2,001.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 23.12 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 23.05 डॉलर था। फिलहाल यह 0.15 डॉलर की तेजी के साथ 23.21 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

एक हफ्ते में फिर पांच आईपीओ में निवेश का मौका, 4200 करोड़ रुपये जुटाएंगी कंपनियां

नई दिल्ली । पांच कंपनियां एक बार फिर आईपीओ के जरिये बाजार से पैसा जुटाने को तैयार हैं।ये पांचों कंपनियां मिलकर 4,200 करोड़ रुपये जुटाएंगी। पहला आईपीओ 13 दिसंबर और अंतिम 18 दिसंबर को खुलेगा। ऐसे में निवेशकों को एक बार फिर आईपीओ में पैसा लगाने का अवसर मिलेगा। इंडिया शेल्टर व डोम्स इंडस्ट्रीज का आईपीओ 13 दिसंबर को खुलकर 15 दिसंबर को बंद होगा।दोनों कंपनियां 1,200-1,200 करोड़ जुटाएंगी।इनके भाव क्रमशः 469-493 रुपये व 750-790 रुपये हैं।आइनॉक्स का इश्यू 14-18 दिसंबर तक खुलेगा, जिसका भाव 627-660 रुपये है।मोतीसंस ज्वेलर्स व सूरज इस्टेट का आईपीओ 18-20 दिसंबर तक खुलेगा। 20 साल बाद कोई ऑटो कंपनी आईपीओ लाने की तैयारी में है। ओला इलेक्ट्रिक 8500 करोड़ जुटाने के लिएइश्यू ला सकती है। साइज के हिसाब से यह देश के शीर्ष 15 आईपीओ में होगा। मुथूट फिनकॉर्प 1,350 करोड़ रुपये जुटाने के लिए इसी महीने इश्यू लाएगी।इसके अलावा, क्रेडो, आरबीजेड ज्वेलर्स, मुक्का प्रोटीन्स, हैप्पी फोर्जिंग भी इसी महीने आईपीओ ला सकती हैं। सेबी से इन सभी को मंजूरी मिल चुकी है। इस वित्त वर्ष में 44 कंपनियों ने अब तक 35,000 करोड़ रुपये बाजार से जुटाए हैं।

रुपया एक पैसे बढ़कर 83.36 प्रति डॉलर

नई दिल्ली । रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले एक पैसे की बढ़त के साथ 83.36 पर पहुंच गया। विदेशी कोषों के निरंतर प्रवाह और घरेलू शेयर बाजार में तेजी से भारतीय मुद्रा को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से भारतीय मुद्रा की बढ़त सीमित रही। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.37 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 103.58 पर कारोबार कर रहा था।

जलवायु संबंधी वित्त पोषण में विकासित देशों की तुलना में भारत-चीन का योगदान अधिक, विश्लेषण में खुलासा

नई दिल्ली ।

भारत, चीन और ब्राजील सहित कुछ विकासशील देश बहुपक्षीय विकास बैंकों के माध्यम से जलवायु संबंधी वित्त पोषण में वैश्विक उत्तर के कई देशों की तुलना में अधिक योगदान देते हैं। ब्रिटेन की एक वेबसाइट की ओर से जलवयु विज्ञान और पॉलिसी से सबंधित विश्लेषण में यह बात सामने आई है।

यह विश्लेषण ऐसे समय में सामने आया है जब विकसित देश जलवायु वित्त के लिए दानदाता आधार को व्यापक बनाने पर जोर दे रहे हैं ताकि चीन और सऊदी अरब जैसे विकासशील देशों को इसमें शामिल किया जा सके।

उदाहरण के लिए, सितंबर में वैश्विक स्टॉकटेक से अपनी अपेक्षाओं पर जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) को प्रस्तुत करते हुए, न्यूजीलैंड ने कहा, विभिन्न देशों के पास योगदान करने की अलग-अलग क्षमताएं हैं, जो समय के साथ बदल गई हैं। वर्तमान और ऐतिहासिक उत्सर्जन, राष्ट्रीय धन और अन्य कारकों की एक श्रृंखला बदल गई है, और बदलना जारी है। तीस साल पुरानी सूचियों के आधार पर विभाजन समकालीन वास्तविकता को प्रतिबिंबित नहीं करता है।

वैश्विक थिंक टैंक ओवरसीज डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (ओडीआई) के एक वर्किंग पेपर का हवाला देते हुए कार्बन ब्रीफ के विश्लेषण में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि कई विकासशील देश जलवायु कार्रवाई के लिए स्वेच्छा से दूसरों को वित्त प्रदान करते हैं, फिर भी उनके योगदान को काफी हद तक मान्यता प्राप्त नहीं है क्योंकि वे इसकी रिपोर्ट नहीं करते हैं। विश्लेषण में सुझाव दिया गया है कि चीन, भारत, ब्राजील और रूस शीर्ष 20 वैश्विक जलवायु वित्त प्रदाताओं में से हैं।

चीन ने 1,236 मिलियन अमरीकी डालर का योगदान दिया है, जबकि भारत ने जलवायु वित्त पोषण के लिए अन्य विकासशील देशों के साथ एकजुटता में 765 मिलियन अमरीकी डालर प्रदान किए हैं। इसमें से अधिकांश वित्तीय सहायता बहुपक्षीय विकास बैंकों के माध्यम से प्रदान की जाती है।

यूएनएफसीसीसी के तहत, जलवायु वित्त प्रदान करने की जिम्मेदारी अनुबंध देशों के उच्च आय वाले देशों की है जो 1992 में संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन पर हस्ताक्षर किए जाने के समय आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) के सदस्य थे।

यूरोपीय संघ, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे विकसित राष्ट्र 2020 तक विकासशील देशों को वार्षिक जलवायु वित्त में न्यूनतम 100 बिलियन अमरीकी डालर प्रदान करने के लिए बाध्य हैं, जो 2025 तक विस्तारित है। हालांकि, वे इस प्रतिबद्धता को पूरा करने में विफल रहे हैं। विकासशील देशों की समान जिम्मेदारी नहीं है, लेकिन पेरिस समझौते के तहत स्वैच्छिक जलवायु वित्त में योगदान करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया जाता है। विकसित राष्ट्र 100 अरब डॉलर के लक्ष्य को बदलने के लिए 2022 के बाद एक नए जलवायु वित्त लक्ष्य से जुड़ी बातचीत के बीच, योगदानकर्ताओं की सूची का विस्तार करने के की कोशिश कर रहे हैं। उनकी यह कोशिश उन सिद्धांतों के खिलाफ जाते हैं जिसके अनुसार जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए अमीर देशों को अपने पर्याप्त ऐतिहासिक उत्सर्जन के कारण प्राथमिक जिम्मेदारियों का वहन करना चाहिए।

किआ सॉनेट फेसलिफ्ट जल्द होगी लांच, 6 एयरबग और अडास से लैस

नई दिल्ली । भारतीय कार बाजार में किआ सॉनेट फेसलिफ्ट जल्द लॉन्च होने जा रही है। किआ डीलरशिप में नई सॉनेट की बुकिंग शुरू हो चुकी है।नई सॉनेट एसयूवी को डीलरशिप पर 25 हजार रुपये की टोकन राशि देकर बुक कराया जा सकता है। कंपनी ने यह भी घोषणा की है कि ऐसे ग्राहकों जिन्होंने सॉनेट की बुकिंग पहले करवाई है उन्हें नए मॉडल की डिलीवरी की जाएगी। जानकारी के अनुसार, नई किआ सॉनेट नए फ्रंट और रियर बंपर और हेडलाइट सेटअप के साथ आएगी। इसके अलावा कार में नए डिजाइन का टेल लाइट सेटअप भी दिया गया है। कार के बूट डोर में कनेक्टेड लाइट स्ट्रिप भी इसके लुक में चार चांद लगाएगा। 2024 किआ सॉनेट फेसलिफ्ट का इंटीरियर भी पूरी तरह नए डिजाइन में दिखेगा। इसमें नए लेआउट वाले बड़े टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम के साथ वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कारप्ले, ऑटो डिमिंग आईआरवीएम, ऑटो क्लाइमेट कंट्रोल, नया बोस साउंड सिस्टम, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल, एम्बिएंट लाइटिंग और कई तरह के नए फीचर्स मिलेंगे। किआ सॉनेट फेसलिफ्ट में सबसे बड़ा अपडेट अडास लेवल-1 सेफ्टी सूट होगा। पैसेंजर सेफ्टी के नजरिये से इस कार में स्टैंडर्ड 6 एयरबैग, हेड्स-अप डिस्प्ले, 360 डिग्री कैमरा, एबीएस, ईएससी और कई नए सेफ्टी फीचर्स मिलेंगे।

गाजा के विकास पर 490 करोड़ डॉलर खर्च करेगा इजराइल, नेतन्याहू बोले- शांति-समृद्धि का नया केंद्र बनेगा

तेल अवीव ।

इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का कहना है कि उनकी सरकार गाजा को शांति और समृद्धि का नया केंद्र बनाएगी। नेतन्याहू के मंत्रिमंडल ने गाजा के पुनर्निर्माण के लिए 490 करोड़ डॉलर की योजना को मंजूरी दी है। योजना के तहत 2024 से 2028 के दौरान गाजा में पुनर्वास कार्यक्रम चलाया जाएगा।

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बताया कि गाजा पट्टी से सटे इलाके के लिए तेकुमा प्राधिकरण की स्थापना जाएगी। तेकुमा हिब्रू शब्द है, जिसका अर्थ पुनरुद्धार होता है। नेतन्याहू ने कहा कि पुनर्निर्माण के लिए बड़ा बजट तैयार किया गया है, ताकि कोई भी पीछे नहीं छूटे। उन्होंने कहा कि स्थानीय अधिकारियों और समुदायों के सहयोग से तैयार की गई रूपरेखा, अहम जनसांख्यिकीय विकास के साथ क्षेत्र के नवीनीकरण के लिए है। नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल यह सुनिश्चित करेगा कि शहर, ग्रामीण समुदाय फलें-फूलें और समृद्ध हों। इसके लिए शिक्षा, रोजगार, सामाजिक सेवा, विस्थापितों के लिए सहायता, कृषि, व्यवसाय और हर क्षेत्र में निवेश किया जाएगा। इजराइल की तरफ से जारी पुनर्निर्माण योजना और दक्षिणी गाजा पर हमले के बीच गाजा के लोगों के स्थायी विस्थापित होने की आशंका बढ़ने लगी है। हालांकि, इजराइली सरकार के प्रवक्ता एयलॉन लेवी का कहना है कि इस तरह की आशंकाएं निराधार हैं। इजराइली सेना सिर्फ हमास के आतंकियों को निशाना बना रही है। इसके अलावा गाजा के आम लोगों के पुनर्वास के लिए इजराइल पूरी मदद करेगा। इजराइली रक्षा बल ने बताया कि 7 अक्तूबर को हमास के हमले के बाद शुरू की गई सैन्य कार्रवाई में अब तक इजराइल के 104 सैनिकों की मौत हो गई है। खान यूनिस में आईईडी धमाके में तीन सैनिकों की मौत हो गई। अब तक आईडीएफ के 600 जवान घायल हुए हैं। वहीं, हमास का कहना है कि इजराइली कार्रवाई में मारे गए 70 फीसदी आम लोग, महिला और बच्चे हैं। इजराइल के आव्रजन प्राधिकरण ने बताया कि हमास को खत्म करने के लिए आयरन स्वॉर्ड अभियान शुरू करने क बाद से तमाम क्षेत्रों में काम करने के लिए 10 हजार से ज्यादा विदेशी कामगार इजराइल आए हैं। इसके अलावा आने वाले कुछ सप्ताह में खेती और निर्माण उद्योग से जुड़े कामगार भी बड़ी संख्या में आने वाले हैं। प्राधिकरण ने बताया कि हजारों इजराइली फिलहाल सैन्य सेवा दे रहे हैं, जिसकी वजह से तमाम उद्योगों में बड़ी संख्या में जगह खाली हो गई हैं।

फिक्स्ड डिपॉजिट पर कोटक महिंद्रा बैंक दे रहा है 7.80 प्रतिशत तक का ब्याज

नई दिल्ली।

कोटक महिंद्रा बैंक ने फिक्स डिपोजिट (एफडी) की ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। बैंक ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए 2 करोड़ रुपये से कम अमाउंट की एफडी की ब्याज दरों में 7.80 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की है। फिक्स्ड डिपोजिट की ब्याज दरें अलग-अलग अवधि के लिए 85 बेसिस पॉइंट बढ़ाई गई हैं।

कोटक महिंद्रा बैंक ने बताया कि अब 23 महीने से 2 साल की अवधि के लिए सीनियर सिटीजन को एफडी पर 7.80 प्रतिशत तक का ब्याज मिल रहा है। दो से तीन साल की एफडी पर बैंक 7.65 प्रतिशत इंटरेस्ट रेट ऑफर कर रहा है। इसके साथ ही रेगुलर कस्टमर जो दो करोड़ रुपये से कम रुपये एफडी में निवेश कर रहे हैं तो 3 से 4 साल के लिए बैंक ने ब्याज में 50 बेसिस पॉइंट की बढ़ोत्तरी की है। यानी ग्राहकों को 7 प्रतिशत तक का इंटरेस्ट रेट मिल रहा है। इसके साथ ही 4 से 5 साल के लिए भी बैंक 7 प्रतिशत का ब्याज दे रहा है। इससे पहले बैंक 6.25 प्रतिशत ब्याज दे रहा था।

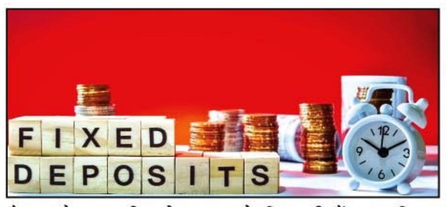

23 महीने : रेगुलर कस्टमर्स के लिए 7.25 प्रतिशत; सीनियर सिटीजन के लिए 7.80 प्रतिशत

23 महीने 1 दिन से 2 साल : रेगुलर कस्टमर्स 7.25 प्रतिशत; सीनियर सिटीजन 7.80 प्रतिशत

2 साल से ज्यादा और 3 साल से कम : रेगुलर कस्टमर्स 7.10 प्रतिशत; सीनियर सिटीजन 7.65 प्रतिशत

3 साल से ज्यादा और 4 साल से कम : रेगुलर कस्टमर्स 7.00 प्रतिशत; सीनियर सिटीजन 7.60 प्रतिशत

4 साल से ज्यादा और 5 साल से कम : रेगुलर कस्टमर्स 7.00 प्रतिशत; सीनियर सिटीजन 7.60 प्रतिशत।

नवंबर में रिटेल महंगाई बढ़कर 5.8 प्रतिशत हो सकती है: इसका कारण सब्जियों और अनाजों की ऊंची कीमतें, अक्टूबर में 4.87 प्रतिशत रही थी

नई दिल्ली।

भारत की रिटेल महंगाई तीन महीने की गिरावट के बाद नवंबर में बढ़कर 5.8 प्रतिशत होने की संभावना है। इसका कारण सब्जियों और अनाजों की ऊंची कीमतें है। आधिकारिक डेटा जारी होने वाला है। अक्टूबर में रिटेल महंगाई 4.87 प्रतिशत रही थी। डिपार्टमेंट ऑफ कंज्यूमर अफेयर्स के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में प्याज की कीमतें महीने दर महीने 58 प्रतिशत बढ़ीं, जबकि टमाटर की कीमतें 35 प्रतिशत बढ़ीं। इसके अलावा आलू की कीमतों में भी नवंबर में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। आरबीआई की महंगाई को लेकर रेंज 2 प्रतिशत-6 प्रतिशत है। आदर्श स्थिति में आरबीआई चाहेगा कि रिटेल महंगाई 4 प्रतिशत पर रहे। बीते दिनों हुई मॉनेटरी पॉलिसी की मीटिंग में आरबीआई ने स्न्नङ्ख24 के लिए रिटेल महंगाई के अनुमान को 5.40 प्रतिशत पर बरकरार रखा था। महंगाई का सीधा संबंध पर्चेजिंग पावर से है। उदाहरण के लिए यदि महंगाई दर 6 प्रतिशत है, तो अर्जित किए गए 100 रुपए का मूल्य सिर्फ 94 रुपए होगा। इसलिए महंगाई को देखते हुए ही निवेश करना चाहिए। नहीं तो आपके पैसे की वैल्यू कम हो जाएगी। महंगाई का बढ़ना और घटना प्रोडक्ट की डिमांड और सप्लाई पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो वह ज्यादा चीजें खरीदेंगे। ज्यादा चीजें खरीदने से चीजों की डिमांड बढ़ेगी और डिमांड के मुताबिक सप्लाई नहीं होने पर इन चीजों की कीमत बढ़ेगी। इस तरह बाजार महंगाई की चपेट में आ जाता है। सीधे शब्दों में कहें तो बाजार में पैसों का अत्यधिक बहाव या चीजों की शॉर्टेज महंगाई का कारण बनता है। वहीं अगर डिमांड कम होगी और सप्लाई ज्यादा तो महंगाई कम होगी। एक ग्राहक के तौर पर आप और हम रिटेल मार्केट से सामान खरीदते हैं। इससे जुड़ी कीमतों में हुए बदलाव को दिखाने का काम कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स यानी सीपीआई करता है। हम सामान और सर्विसेज के लिए जो औसत मूल्य चुकाते हैं, सीपीआई उसी को मापता है। कच्चे तेल, कमोडिटी की कीमतों, मेन्युफैक्चर्ड कॉस्ट के अलावा कई अन्य चीजें भी होती हैं, जिनकी रिटेल महंगाई दर तय करने में अहम भूमिका होती है। करीब 300 सामान ऐसे हैं, जिनकी कीमतों के आधार पर रिटेल महंगाई का रेट तय होता है।

भारत में रोजगार सृजन सबसे बड़ी चुनौती

पूर्व आरबीआई गवर्नर राजन ने आरक्षण पर कही ये बात

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर रघुराम जी रंजन ने कौशल विकास के जरिए मानव पूंजी में सुधार की पुरजोर वकालत करते हुए कहा है कि दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था सबसे ज्यादा रोजगार सृजन के दबाव का सामना कर रही है।

पेनसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी में अर्थशास्त्र के सहायक प्रोफेसर रोहित लांबा और उनके द्वारा संयुक्त रूप से लिखी गई पुस्तक ब्रेकिंग द मोल्ड: रीइमेजिनिंग इंडियाज इकोनॉमिक फ्यूचर के बारे में बात करते हुए राजन ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी ताकत में से एक इसकी 1.4 अरब की मानव पूंजी है और अब सवाल यह है कि आप इसे मजबूत कैसे बनाएंगे

पूर्व आरबीआई गवर्नर ने आरक्षण पर दिया ये बयान

अमेरिका के शिकागो बूथ में वित्त विभाग के प्रोफेसर राजन ने कहा कि देश को विकास के पथ पर चलते हुए हर स्तर पर रोजगार सृजन की जरूरत है। उन्होंने कहा, नौकरियां सबसे महत्वपूर्ण दबाव बिंदु हैं। अगर हमारे पास निजी क्षेत्र में कई और नौकरियां दिखाई दे रही होतीं, तो क्या आरक्षण पर इतना दबाव होता उन्होंने खेद व्यक्त किया कि राज्य अपने निवासियों के लिए नौकरियों को आरक्षित करने की कोशिश कर रहे हैं, जो एक चिंताजनक प्रवृत्ति है।

उन्होंने कहा कि यह इस तथ्य की ओर से इशारा करता है कि हम नौकरियां प्रदान नहीं कर रहे हैं। मैं कहूंगा कि यह प्राथमिक चिंता का विषय है। राजन ने एक साक्षात्कार में कहा, हम एकजुट देश हैं। आप अपने राज्य में राज्य के लोगों के लिए नौकरियां आरक्षित नहीं कर सकते। यह सभी के लिए उपलब्ध होना चाहिए। हमें एक-दूसरे के पलायन से बहुत फायदा हुआ है।

मानव पूंजी में सुधार की वकालत करते हुए उन्होंने कहा, अगर हम सुशिक्षित हाई स्कूल स्नातक तैयार करते हैं, अगर हम उनमें से कुछ को व्यावसायिक प्रशिक्षण में ले जाते हैं तो अगले छह महीने से एक साल में बहुत सारी नौकरियां पैदा हो सकती हैं और देश को रोजगार पैदा करने के लिए 10 साल तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

एक उदाहरण देते हुए राजन ने कहा, एक जगह जहां हमारे पास कर्मचारियों की भारी कमी है, वह है स्थानीय सरकार, आंशिक रूप से क्योंकि वे बहुत कुछ नहीं करते हैं। आपको उन कार्यों में सुधार करने की आवश्यकता है जो उन्हें करना है।

मानव पूंजी में सुधार से नौकरियों की जरूरत होंगी पूरीः रघुराम राजन

राजन ने आगे कहा, अगर हम मानव पूंजी में सुधार करते हैं, तो आज की सबसे बड़ी समस्या, जिन नौकरियों की हमें जरूरत है, वे अपने आप आ जाएंगी... यदि आप कार्यबल की गुणवत्ता में भी सुधार करते हैं, तो कंपनियां भारत आएंगी। हम लगातार उद्यमियों से सुनते हैं (कि उन्हें) अच्छे श्रमिक मिलने को लेकर संदेह है। उन्होंने कहा कि कौशल प्रदान कर के औसत स्तर की नौकरियों को अच्छी नौकरियों में बदला जा सकता है। उन्होंने कहा, इसलिए यह वास्तव में इस बारे में है कि हम लंबा दृष्टिकोण अपनाकर ऐसा कैसे करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा करने के हम 2047 में एक ऐसी आबादी का लक्ष्य हासिल कर सकते हैं जिसकी उच्च मध्यम आय हो सकती है। राजन ने विकेंद्रीकरण और लोकतांत्रिक संस्थानों में सुधार पर ध्यान देने के साथ शासन में सुधार की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, हमें शासन में सुधार की जरूरत है। जिसका मतलब है कि हमे लोकतंत्र के निर्माण और विकेंद्रीकरण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। अच्छे विकेंद्रीकरण का एक उदाहरण एक ऐसा दैनिक प्रशासन है जिसे गरीबों और मध्यम वर्ग को शिक्षा, मोबाइल ऐप क्लीनिक आदि जैसी सामाजिक सेवाएं प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उन्होंने कहा कि भारत को मजबूत लोकतंत्र की जरूरत है, कमजोर लोकतंत्र की नहीं, इसके अलावा वितरण को मजबूत करने और अधिक समावेशी बनने के अलावा हमारे सभी लोगों को अपने साथ लेकर चलने की जरूरत है। हमें लोगों, उद्यमियों के लिए अवसर पैदा करने की जरूरत है।

अपने बच्चों संग थाईलैंड पहुंची रवीना टंडन

-इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हॉट तस्वीरें

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में फैमिली में किसी की शादी अटैंड करने बालीवुड की मशहूर एक्ट्रेस रवीना टंडन अपने बच्चों संग थाईलैंड पहुंची, जहां वह अप्सरा सी बन खूब कहर ढाती नजर आईं। वेडिंग से अपनी खूबसूरत तस्वीरें रवीना ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि रवीना टंडन गोल्डन कलर का लहंगा पहन दुल्हन सी तैयार हुई हैं। इस लहंगे के साथ उन्होंने हल्के गुलाबी रंग का दुपट्टा कैरी किया है। वहीं, लहंगे के साथ मैचिंग नेकलेस, नाक में नथ, मांग टीका, कानों में इयररिंग्स और बालों में फूल सजाकर उन्होंने अपने लुक को कंप्लीट किया है। फैमिली वेडिंग में एक्ट्रेस अपने लुक

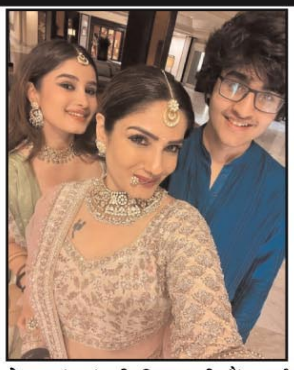

से समां बांधती दिख रही हैं। कई तस्वीरों में वह दूल्हा-दुल्हन को आशीर्वाद देती नजर आ रही हैं तो कइयों में अपने बच्चों संग खूबसूरत पोज दे रही हैं। वहीं, अन्य कइयों रवीना लहंगा लहराते हुए अपना हुस्न परचम लहरा रही हैं। एक्ट्रेस की एक-एक फोटो काबिले तारीफ है। वहीं, काम की बात करें तो रवीना टंडन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म वेलकम 3 को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में रवीना सालों बाद अपने एक्स बॉयफ्रेंड अक्षय कुमार संग नजर आएंगी। बता दें कि एक्ट्रेस रवीना टंडन 90 के दशक की मशहूर एक्ट्रेसेस में से एक हैं, जो आज भी खूबसूरती के मामले युवा एक्ट्रेसेस को टक्कर देती हैं। ट्रेडिशनल हो या वेस्टर्न रवीना हर लुक में कमाल लगती हैं। हाल ही में एक फैमिली वेडिंग में 49 की इस एक्ट्रेस का बेहद हसीन लुक देखने को मिला। रवीना की ये तस्वीरें देख फैंस उनके खूब दीवाने हो रहे हैं।

फिल्म 'डंकी' का एक और गाना 'ओ माही...' रिलीज

शाहरुख खान और तापसी की फिल्म डंकी का एक और गाना ओ माही... रिलीज हो गया। यह फिल्म डंकी 21 दिसंबर 2023 को रिलीज होने वाली है। यह गाना मधुर ट्रैक हार्डी और मनु के किरदारों के बीच निस्वार्थ प्यार की ताकत बयां करता है। अरिजीत सिंह की दीवाना कर देने वाली आवाज और म्यूजिक उस्ताद प्रीतम की खूबसूरत रचना, पोएटिक इरशाद कामिल के लिखे गए गीत के दिल को छूने वाले शब्द और वैभवी मर्चेंट की शानदार कोरियोग्राफी इसमें देखने को मिलेगी। यह गाना खूबसूरत रेगिस्तानी इलाकों की पृष्ठभूमि पर फिल्माया गया है, जो हार्डी और मनु के बीच के एवरग्रीन रोमांस का प्रतीक है। साथ ही उनकी ट्रांसफॉर्मेटिव यात्रा के संघर्षों को भी दर्शाती है। विजुअल मूल रूप से लीरिक्स और धुन को कॉम्प्लीमेंट करते हैं, जिससे एक सिनेमाई अनुभव बनता है, जो देखने में शानदार भी है और इमोशनली भी दिलों को छू लेता है। फिल्म डंकी के ड्रॉप सीरीज की शुरूआत शाहरुख खान के जन्मदिन पर डंकी ड्रॉप 1 से हुई, इसके बाद डंकी ड्रॉप 2 में अरिजीत सिंह की सुरीली आवाज में गाना "लुट पुट गया" आया। डंकी ड्रॉप 3 सोनू निगम की आवाज में

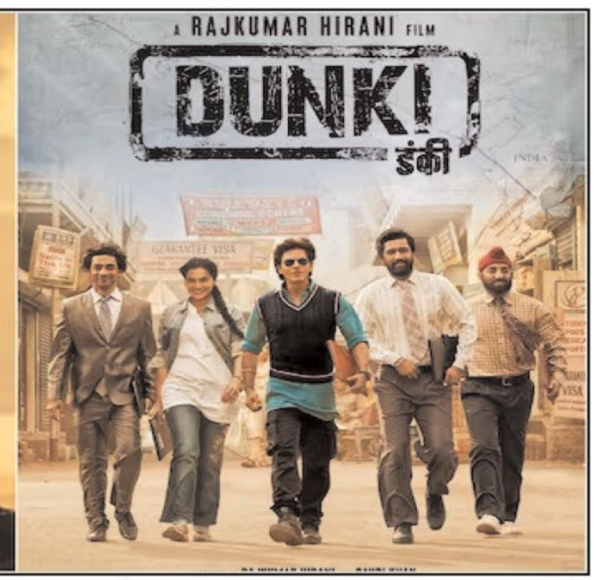

"निकले थे कभी हम घर से" के साथ दिलों को जीत रहा है, जो घर से दूर होने की भावनाओं को दर्शाता है। डंकी ड्रॉप 4 में ट्रेलर रिलीज किया गया। अब, डंकी ड्रॉप 5 इस प्यार की कहानी में एक और परत जोड़ गई है। यह दर्शकों को दीवाना करने का वाला है। फिल्म डंकी की कास्ट शानदार है, जिसमें शाहरुख खान के साथ सुपरटैलेंटेड अभिनेता बोमन ईरानी, तापसी पन्नू, विक्की कौशल, विक्रम कोचर और अनिल ग्रोवर ने किरदार निभाए हैं। जीओ स्टूडियोज, रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और राजकुमार हिरानी फिल्म्स की प्रस्तुति और राजकुमार हिरानी और गौरी खान की निर्मित और अभिजात जोशी, राजकुमार हिरानी और कनिका ढिल्लों ने लिखी है।

भूल भुलैय्या-3 में सारा की हुई एंट्री

-साथ में साथ नजर आ सकते हैं कार्तिक आर्यन

मुंबई (ईएमएस)। अपकमिंग फिल्म भूल भुलैया-3 में सारा अली खान की एंट्री हो गई है। इस जोड़ी को एक साथ लाकर निमार्ता भूल भुलैय्या-3 को भी हिट फिल्मों में शामिल करवाना चाहते हैं। लव आजकल के दौरान कार्तिक और सारा अली खान के रिलेशनशिप के चर्चे आम हो रहे थे। हालांकि फिल्म के प्रदर्शन के बाद दोनों के रिश्तों में दूरी आ गई हालांकि वे कई बार एक साथ नजर आए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक फरवरी 2024 में बीबी2 की शूटिंग शुरू कर दी जाएगी। फिल्म में सारा अली खान के अलावा कियारा आडवाणी और तब्बू के भी नजर आने की खबर है। कार्तिक आर्यन, अनीस बज्मी और भूषण कुमार ने फिर एक बार इस सुपरहिट फ्रेंचाइजी को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। भूल भुलैया भूषण कुमार और

कार्तिक आर्यन की पसंदीदा फ्रेंचाइजी है और पार्ट 3 के लिए वो इसका बजट बढ़ाना चाहते हैं। मेकर्स ने स्क्रिप्ट लॉक करने के लिए काफी तेजी से काम किया है। अब फरवरी 2024 तक इसकी शूटिंग भी शुरू कर दी जाएगी। मालूम हो कि कार्तिक आर्यन और सारा अली खान की फिल्म लव आज कल 2 बुरी तरह फ्लॉप हुई थी। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान दोनों के करीब आने की खबरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं। लेकिन फिल्म की रिलीज के बाद दोनों ने दूरियां बना लीं। हालांकि पब्लिक इवेंट्स में दोनों कई बार साथ नजर आते रहे। बता दें कि कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 2 ब्लॉकबस्टर हिट रही थी। अब इस फिल्म के अगले भाग का दर्शकों को इंतजार है।

मोनालिसा की नई तस्वीरें बटोरी सुर्खियां

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की एक्ट्रेस मोनालिसा ने एक बार फिर से सोशल मीडिया पर अपनी नई तस्वीरें शेयर कर दी है। उनकी यह तस्वीर खूब सुर्खियां बटोरी हैं। मोनालिसा ने यह तस्वीरें अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में मोनालिसा ब्लैक स्लीवलेस क्रापटाप और रेड थाई हाई स्लिट स्कर्ट में पोज देती हुई नजर आ रही हैं और हमेशा की तरह काफी स्टनिंग और ग्लैमरस लग रही हैं। अपनी एक्टिंग के साथ मोनालिसा अपने लुक्स से भी फैन्स को आकर्षक करती हैं। मोनालिसा ने अपने इस लुक को सटल बेस, न्यूड रेड लिप्स और न्यूड आई मेकअप से कंप्लीट किया हैं। खुले बालों में मोनालिसा काफी मनमोहक लग रही हैं। मोनालिसा का ये लुक उनके फैंस को खूब पसंद आ रहा है। उनके फैंस ने उनकी इस पोस्ट पर ढेरों तारीफों भरे कमेंट किए हैं। मोनालिसा नेशनल टेलीविजन पर विक्रांत सिंह के साथ शादी करके लाइमलाइट में आई थीं। भोजपुरी के अलावा मोनालिसा ने कई भाषाओं जैसे हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और उड़िया में भी काम किया है।

कबीर बेदी को इटली के सर्वोच्च सम्मानों में से एक द ऑर्डर ऑफ मेरिट से किया गया सम्मानित

मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया के सामने एक समारोह में अंतरराष्ट्रीय अभिनेता कबीर बेदी को सबसे सीनियर इटैलियन नागरिक पुरस्कार "ऑर्डर ऑफ मेरिट ऑफ द इटैलियन रिपब्लिक" (मेरिटो डेला रिपब्लिका इटालियाना) से सम्मानित किया गया। इस समारोह में निकोलो फैबी ने एक स्पेशल लाइव म्यूजिकल परफॉर्मेंस दीं। इस खास मौके पर कबीर ने कहा कि यह मेरे लिए बहुत इमोशनल अवॉर्ड है। उन्होंने कहा कि इटली का सबसे बड़ा सम्मान ऑर्डर ऑफ मेरिट मुझे दिया जाना, यह मेरी इटली में काम को पूरा करता है। यह कैवेलियरे (नाइट) से भी ऊंचा है, जो उन्होंने मुझे बारह साल पहले दिया था। प्रधानमंत्री मेलोनी और मोदी को इंटरनेट पर एक-दूसरे की सराहना करते हुए देखकर मुझे बहुत खुशी होती है। अब इटली और भारत के

महान फिल्म उद्योगों के लिए एक साथ ग्लोबल लेवल पर फिल्में बनाने का समय आ गया है। कबीर ने इटली और इटैलियन लोगों को उनके सालों के प्यार के लिए धन्यवाद देते हुए एक दिल छू लेने वाली स्पीच दी। उन्होंने अपनी पत्नी, बच्चों और ग्रैंड चिल्ड्रन को उनकी मौजूदगी और उनके जीवन में आने वाली खुशी के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि यह डबल सम्मान उनके लिए "रोंगटे खड़े कर देने वाला पल" था। उन्होंने याद किया कि संदोकन बनने की उनका सफर आइकोनिक ताज महल पैलेस होटल में जहां वे आज खड़े थे, वहां से सौ मीटर की दूरी पर से शुरू हुआ था। यहीं पर उनकी पहली बार संदोकन सीरीज के निर्देशक और निमार्ता से मुलाकात हुई। कबीर ने कहा कि जिंदगी एक सर्कल है, जो आज पूरी हो गया है।" इटली के कंसोल जनरल एलेसेंड्रो डी मासी ने अपने भाषण में इटली के राष्ट्रपति मैटरेल्ला के शब्दों को पढ़ा। "कबीर बेदी... पिछले 30 सालों से असाधारण मानवीय और कलात्मक साझेदारी से इटली से जुड़े हुए हैं।" सम्मान का स्क्रॉल पर राष्ट्रपति मैटरेल्ला ने साइन किया था और प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने काउंटर साइन किया था।

फ्लॉप फिल्मों पर पिता जैकी श्रॉफ ने बेटे टाइगर को बताया 'एक्शन स्टार'

जैकी श्रॉफ के बेटे और अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कई और फ्लॉप फिल्में रही हैं। हीरोपंती से डेब्यू करने वाले टाइगर ने बागी, वॉर, बागी-2 और बागी-3 जैसी कुछ ही हिट फिल्में दी हैं। उनकी हालिया फिल्में गणपत, मुन्ना माइकल और हीरोपंती-2 फ्लॉप रहीं। वह अगली बार सिंघम अगेन में नजर आएंगे। इस बीच जैकी श्रॉफ ने बेटे की फ्लॉप फिल्मों पर प्रतिक्रिया दी है। मीडिया को दिए इंटरव्यू में जैकी श्रॉफ ने कहा, हिट और फ्लॉप इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। मुझे लगता है कि उसे (टाइगर को) एक अच्छे तकनीशियन और एक अच्छी रिलीज की जरूरत है। क्योंकि उसके पास सब कुछ है, वह एक एक्शन स्टार है। वह अपनी उम्र के हिसाब से बहुत बड़ा है। मैं उससे कहता हूं,

'ज्यादा मत सोचो। कुछ फिल्में चलेंगी, कुछ नहीं चलेंगी और कुछ चलेंगी, यही जीवन है। उन्होंने कहा, मैंने 250 फिल्में की हैं और उनमें से सभी हिट नहीं रही हैं, क्योंकि कोई भी फिल्म पूरी तरह से पूरी टीम पर निर्भर करती है, इसलिए फिल्म बनाना एक टीम वर्क है। इसलिए निश्चिंत रहें, ज्यादा तनाव न लें। जैकी श्रॉफ ने कहा, मैं पहले मूंगफली बेचकर, फिर दीवारों पर पोस्टर चिपकाकर, एक ट्रैवल एजेंसी में काम करके, मॉडलिंग और फिल्मों में अभिनय करके खुश था और अब मैं पेड़ लगाकर खुश हूं।

किम कार्दशियन की नई तस्वीरों से मचा दिया तहलका

हाल ही में एक बार फिर हॉलीवुड एक्ट्रेस क्लो कार्दशियन ने अपनी नई तस्वीरों से इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। एक्ट्रेस की लेटेस्ट तस्वीरों को फैंस खूब लाइक कर रहे हैं। लुक की बात करें तो इन तस्वीरों में बॉड-ीकोन ट्रांसपेरेट ड्रेस में बेहद बोल्ड लग रही है। इस ड्रेस में एक्ट्रेस के इनरगार्मेंट भी दिखाई दे रहे हैं और उनका फिगर बेहद किलर लग रहा है। इस ड्रेस के साथ एक्ट्रेस ने हाई हील पेयर की है और कैजुअल मेकअप, हाई पोनी से अपने लुक को कंप्लीट किया है। अपने बोल्ड लुक से फैंस को इम्प्रेस करते हुए क्लो कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक गजब पोज दे रही हैं। बता दें क्लो कार्दिशियन हॉलीवुड इंडस्ट्री की एक जानी मानी एक्ट्रेस हैं।

वह अपने काम के अलावा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती है। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस के 311 मिलियन फॉलोअर्स हैं। बता दें कि हॉलीवुड एक्ट्रेस क्लो कार्दशियन काम से ज्यादा अपने लुक्स को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। वह अक्सर फैंस के साथ अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर करती रहती हैं।

रितेश देशमुख ने काटे अपने बेटे के बाल, जेनेलिया ने शेयर की फोटो

रितेश और जेनेलिया देशमुख की जोड़ी बॉलीवुड सिनेमा में भी काफी लोकप्रिय है। कई सालों तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद रितेश-जिनेलिया ने वर्ष 2012 में शादी कर ली थी। इनके दो बच्चे हैं, रयान और राहिल। इन दोनों के संस्कारों की सोशल मीडिया पर हमेशा सराहना होती रहती है। फिलहाल जेनेलिया का शेयर किया गया ऐसा ही एक वीडियो चर्चा में आ गया है। जेनेलिया के शेयर किए गए वीडियो में रितेश अपनी प्यारी बेटी के बाल काटते नजर आ रहे हैं। रितेश-जिनिलिया अक्सर काम और फिल्मों की शूटिंग के सिलसिले में बाहर रहते हैं। इसलिए शूटिंग से ब्रेक लेकर दोनों अपने बच्चों को समय देते हैं।जेनेलिया ने रितेश और बेटे की फोटो शेयर करते हुए लिखा, "जब

एक लड़का अपने पिता से मेरे बाल काटने की जिद करता है...मुझे लगता है कि हर बच्चे को महंगे तोहफों से ज्यादा अपने माता-पिता से उस तरह के प्यार की जरूरत होती है।" जेनेलिया की शेयर की गई फोटो में रितेश घर पर अपने बेटे के बाल काटते नजर आ रहे हैं। इस बार एक्टर ने फिल्म "वेड" का नाम लिखी हुई टी-शर्ट पहनी हुई थी। इस बीच रितेश-जेनिलिया सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। अभिनेत्री हमेशा इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपने बच्चों की तस्बीरे शेयर करती रहती है। अब रितेश-जिनिलिया की पिछले साल की ब्लॉकबस्टर फिल्म "वेड" को जल्द ही एक साल पूरा होने वाला है।

अक्षरा सिंह का गाना 'पटना की लड़की है...' रिलीज

भोजपुरी सुपर स्टार एक्ट्रेस अक्षरा सिंह का एक्शन से भरपूर गाना 'पटना की लड़की है...' रिलीज हो गया है। इस गाने में अक्षरा सिंह पहली बार पूरे गाने में एक्शन करती नजर आई हैं। यह गाना यूट्यूब चैनल से रिलीज किया गया है, जिसे उनके फैंस के साथ-साथ भोजपुरी म्यूजिक लवर्स खूब पसंद कर रहे हैं। गाना 'पटना की लड़की है...' को अक्षरा सिंह ने अपने मदमस्त अंदाज में गाया है और इसके गीतकार ऋषि ग्वाला हैं, जबकि संगीतकार आशीष वर्मा हैं। अब यह गाना भी रिलीज के साथ वायरल होने लगा है। वहीँ, गाना 'पटना की लड़की

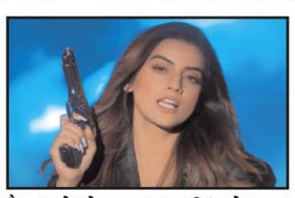

है...' को लेकर अक्षरा सिंह ने कहा कि यह गाना लड़कियों के लिए प्रेरणादायक है। हमने इसे मकसद से इस गाने को बनाया है और यह लोगों को पसंद आ रहा है। उन्होंने कहा कि गाने की शुरूआत एक स्टोरी से होती है। इसमें कुछ गुंडे लड़कियों की तस्करी करते नजर आते हैं, जहां पटना की लड़की का एंट्री होती है और वह उन गुंडों से फाइट कर उन सभी लड़कियों को आगे छुड़ाती है। उन्होंने कहा कि एक कांसेप्ट के साथ यह गाना बेहद खास बना है। मैं पटना समेत बिहार की तमाम लड़कियों से अपील करेंगे कि आप इस गाने को जरुर देखें और अपने अंदर से अपने डर को निकालें। क्यूंकि लड़कियां किसी से कम नहीं है. एक हिचक उन्हें कमजोर बनती है, लेकिन जब उससे लड़कियां बाहर निकल जाती है तो उनका व्यक्तित्व मजबूत और निर्भीक हो जाता है। इसलिए यह गाना महिला सशक्तिकरण के लिए एक आवाज बनकर उभरेगी।

मियामी में पार्टी अटैंड करते स्पॉट किया एलेसेंड्रा को

सुपरमॉडल एलेसेंड्रा एम्ब्रोसियो को मियामी में ओसन ड्राइव पार्टी अटैंड करते हुए स्पॉट किया गया, जहां वह अपने लुक से लोगों का खूब ध्यन खींचती नजर आईं। पार्टी से एक्ट्रेसेस की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो 42 वर्षीय ब्राजीलियाई एक्ट्रेस इस दौरान ऑफ व्हाइट सीक्विन्ड मिनीड्रेस में काफी स्टनिंग दिखीं। ड्रेस के साथ एक्ट्रेस ने मैचिंग हील्स पहनी और अपनी हॉट लेग्स फ्लॉन्ट करती दि-खीं। इस लुक को एलेसेंड्रा ने ग्लोसी लिप्स, न्यूड मेकअप और खुले बालों

से कंप्लीट किया है और कैमरे के सामने पूरे कॉन्फिडेस के साथ जबरदस्त पोज दे रही हैं। काम की बात करें तो एलेसेंड्रा एम्ब्रोसियो को आखिरी बार फिल्म डेडीज होम 2 में देखा गया था।

सूडोकु नवताल- 6640

★★★★☆ कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6639 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्दजाल - 7387

बं	ल	र	ह	द	ब	र्निं	ग	ट्रे	न	आ
ज	दि	ल	म	आ	मो	ह	दो	तें	शा	म
अं	इ	श	दि	ल	दा	ल	उ	र	ला	ब
मे	क	व	ल	प	ल	क	स्ता	रि	श	न
स	रे	श	ज	वा	ब	स	द	ग	वी	व
ही	रं	अ	च	व	लि	र्त	ल	ती	प	च
व	रो	ल	प	गा	आं	धी	तू	फा	न	ले
श	बा	ज	स	ने	क	छ	र	ग	श	थ
छ	त्ती	स	घं	टे	न	ज	स	शा	जू	ध
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	र्मा
थो	बु	लं	दी	र	हो	ग	या	दु	र	त्मा

शब्दजाल में 'डैनी' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

मेरे अपने,छत्तीस घंटे, धर्मात्मा, द बर्निंग ट्रेन,बंदिश,दो उस्ताद,हीरो,आंधी तूफान, जवाब,बुलंदी

शब्दजाल - 7386 का हल

आ	व	मे	रि	दु	ला	से	ह	रा	ट	र्जी
क	ग	क	दू	इं	जी	ने	शि	या	प	नी
सू	पी	अ	न	प	ढ़	बा	द	ह	त्थ	ल
र	ग	ए	रा	जा	बा	बू	ल	ह	र	प्रे
ज	र	रा	म	न	ह	ला	कि	यो	के	मे
रो	इ	वि	मो	ग	प	म	शी	ह	स	रे
न	टी	ल	रा	व	मा	जो	रा	व	न	स
क	रि	र	र	य	र	प	म	ज	म	न
रा	म	औ	र	श्या	म	ज	जी	शा	जू	म
र	ग	ल	नो	ला	व	प	स	री	टि	प
बां	स	सा	ज	ल	ड़	का	ल	ड़	की	ल

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6340

		5		3	2	
2	35		26		28	6
	7		4	1	6	
	28	4	27		36	4
	2	3		5		
6	35	7	35		38	2
3			1		4	5

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6339 का हल

4	2	1	6	3	5	7
2	27	7	32	4	34	2
6	3	2	4	5	7	1
5	37	6	33	6	29	3
7	5	3	6	1	2	4
3	33	5	31	7	34	5
1	5	4	3	2	7	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

वनडे टीम में चहल की हुई वापसी संजय मांजरेकर ने जताई हैरानी

नई दिल्ली ।
स्टार लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में खेलने के लिए वापसी हो गई है। हालांकि उनके टी20आई श्रृंखला में शामिल होने की उम्मीद थी, लेकिन सभी को आश्चर्य हुआ क्योंकि 33 वर्षीय खिलाड़ी वनडे सेट-अप में वापस आ गए हैं। इससे उन्हें अच्छा प्रदर्शन करने और आगामी टी20 विश्व कप के लिए योजना में शामिल होने का अवसर भी मिलता है। इस संबन्ध में बोलते हुए पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने बताया कि वह चहल को टी20आई गेंदबाज मानते हैं और उनसे वनडे प्रारूप में खेलने की उम्मीद नहीं कर रहे थे। संजय मांजरेकर ने कहा कि मुझे यह पसंद है। फिर से यह कार्यभार प्रबंधन है, लेकिन मैं इस तथ्य से उत्साहित हूं कि दीपक चाहर वापस आ गए हैं क्योंकि मैं उन्हें एक क्रिकेटर के रूप में खूब पसंद करता हूं। मांजरेकर ने कहा कि आवेश खान को एक और मौका मिला है। मेरा मानना है कि मुकेश कुमार एक मजबूत और भरोसेमंद गेंदबाज हैं, वह आ गए हैं। चहल एक आश्चर्यजनक समावेश है। मैंने सोचा था कि टी20 क्रिकेट के लिए चहल आपके लिए अधिक उपयुक्त गेंदबाज हैं, लेकिन वहां उन्हें बिश्नोई जैसा कोई मिल गया है।

बल्लेबाजी के बारे में बात करते हुए मांजरेकर ने कहा कि रजत पाटीदार उसे फिट और आगे बढ़ने के लिए उत्सुक हैं यह देखकर वास्तव में खुश हूं। रिंकू सिंह के लिए बड़ा प्रमोशन भी है। वह अब वनडे क्रिकेट का हिस्सा बन गए हैं। मैंने संजू सैमसन को भारत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे मैच खेलते हुए देखा है। मैं वहां भी थोड़ा उत्साहित हो गया कि वह एक अच्छा विकल्प हैं। जब मैं भारत की दूसरी पंक्ति या अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को देखता हूं तो हमेशा उत्साहित होता हूं। ऐसा लगता है कि यह बहुत मजबूत टीम है लेकिन दक्षिण अफ्रीका भी सफेद गेंद क्रिकेट और द्विपक्षीय श्रृंखला में एक मजबूत टीम है।

अफगानी महिला को पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए शरणार्थी ओलंपिक टीम का शेफ डी मिशन बनाया गया

लुसाने। अफगानिस्तान की महिला साइकिल चालक मासोमा अली ज़ादा, जिन्होंने रिफ्यूजी ओलंपिक टीम टोक्यो 2020 के सदस्य के रूप में रोड साइक्लिंग में प्रतिस्पर्धा की थी, को अगले साल के पेरिस ओलंपिक में रिफ्यूजी ओलंपिक टीम के लिए शेफ डी मिशन के रूप में नामित किया गया है। मसोमा अली ज़ादा, जो अंतर्राष्टीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के एथलीट आयोग के सदस्य हैं, का जन्म अफगानिस्तान में हुआ था, लेकिन खेल में सफलता पाने के लिए रूढ़िवादी देश छोड़ने के बाद 2017 से शरणार्थी हैं। उसे 2017 में फ्रांस में शरण मिली। अंतर्राष्टीय ओलंपिक समिति ने इसकी घोषणा की, जिससे अली ज़ादा को शरणार्थी टीम का प्रमुख और प्रवक्ता बना दिया गया।

न्यूज ब्रीफ

खेलो इंडिया पैरा गेम्स का शुभारंभ, खेल मंत्री बोले- भारत 2030 पैरा एशियाड में 200 पार पहुंचेगा

नई दिल्ली । प्रथम खेलो इंडिया पैरा गेम्स का खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने केडी जाधव इंडोर स्टेडियम में रंगारंग अंदाज में उद्घाटन किया। खेल मंत्री ने कहा कि खेलो इंडिया पैरा गेम्स की बदौलत भारत 2030 के एशियाई पैरा खेलों में दो सौ पदक जीत सकता है। इस बार के हांगझोऊ पैरा एशियाई खेलों में भारत ने भारतीय पैरा खिलाडियों ने 29 स्वर्ण समेत रिकॉर्ड 111 पदक जीते। खेल मंत्री ने कहा कि पैरा गेम्स से नए खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा, जिसका फायदा हमें आने वाले पैरा एशियाई खेलों और पैरालंपिक में मिलेगा। उन्होंने कहा कि अगर हम पैरा एशियाड में 111 पदक जीत सकते हैं तो हम 2030 के पैरा एशियाड में 200 पदकों को भी पार कर सकते हैं। खेल मंत्री ने इन खेलों की मशाल स्थापित करते हुए कहा कि पैरा गेम्स देश में खेलों की दिशा बदलने का अभियान साबित होंगे। खेल मंत्री को पैरालंपिक के स्वर्ण पदक विजेता जेवलिन थ्रोअर सुमित अंतिल और पैरालंपिक का पदक जीतने वाली टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविना पटेल ने खेलों की मशाल प्रदान की। इन खेलों में 32 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड के 1400 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। बैडमिंटन, टेबल टेनिस, एथलेटिक्स, फुटबाल, पॉवरलिफ्टिंग, तीरंदाजी, निशानेबाजी में ये खिलाड़ी 276 स्वर्ण पदकों के लिए संघर्ष करेंगे। ये खेल राजधानी के जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी स्टेडियम और कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में खेले जा रहे हैं।

गौतम गंभीर ने माना, रोहित भारत के लिए बेहतर कप्तान, टीम को उनकी जरुरत, श्रीसंत विवाद पर कुछ नहीं कहा

नई दिल्ली । भारतीय टीम ने वनडे वर्ल्ड कप 2023 में धमाकेदार प्रदर्शन किया था। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम ने शुरुआती सभी 10 मैच जीते थे, लेकिन फाइनल मुकाबले में पैट कमिंस की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भारत को 6 विकेट से हराकर खिताब जीत लिया था।अब भारतीय टीम साउथ अफ्रीका दौरे पर तीन टी20, 3 वनडे और दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेल रही है। इसके लिए टी20 में सूर्या और वनडे में केएल राहुल को कप्तानी सौंपी है। जबकि टेस्ट में रोहित ही कमान संभाल रहे हैं। अगले साल जून 2024 में टीम को टी20 वर्ल्ड कप भी खेलना है। इसके बाद फिर रोहित को कप्तानी सौंपने की मांग उठने लगी है। फैंस सहित कई

स्टिमैक ने एशिया कप के लिए जारी की 50 सदस्यीय संभावित सूची

मुंबई। सीनियर इंडिया नेशनल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमैक ने अगले महीने दोहा में होने वाले एएफसी एशियन कप कतर 2023-24 के लिए संभावित खिलाड़ियों की 50 सदस्यीय सूची की घोषणा की। भारत को ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया (13 जनवरी), उज्बेकिस्तान (18 जनवरी) और सीरिया (23 जनवरी) के साथ रखा गया है। प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें चार सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान पर रहने वाले फिनिशरों (छह में से) के साथ राउंड 16 में अपनी जगह बनाएंगी। गोलकीपर: गुरप्रीत सिंह संधू, अमरिंदर सिंह, विशाल कैथ, धीरज सिंह, गुरुमीत सिंह चहल। डिफेंडर: नाओरेम रोशन सिंह, विकाश युमनाम, लालचुंगनुंगा, संदेश झिंगन, निखिल पुजारी, चिंगलेनसाना सिंह, प्रीतम कोटाल, होर्मिपम रुइवा, सुभाशीष बोस, आशीष राय, आकाश मिश्रा, मेहताब सिंह, राहुल भेके, नरेंद्र गहलोत, अमेय राणावाडे। मिडफील्डर: सुरेश सिंह वांगजम, रोहित कुमार, ब्रैंडन फर्नांडिस, उदांता सिंह कुमाम, यासिर मोहम्मद, जैक्सन सिंह थौनाओजम, अनिरुद्ध थापा, सहल अब्दुल समद, ग्लेन मार्टिंस, लिस्टन कोलासो , दीपक टांगरी, लालेंगमाविया राल्टे, विनित राय, निन्थोइंगानबा मीतेई, नाओरेम महेश सिंह. फॉरवर्ड: सुनील छेत्री, रहीम अली, फारुख चौधरी, नंदकुमार सेकर, शिव शक्ति नारायणन, राहुल केपी, इशान पंडिता, मनवीर सिंह, कियान नासिरी, लालियानजुआला चांगटे, गुरकीरत सिंह, विक्रम प्रताप सिंह, बिपिन सिंह, पार्थिब गोगोई, जेरी माविहमिंगथांगा।

भारत ने रोमांचक क्वार्टर फाइनल मुकाबले में नीदरलैंड को 4-3 से हराया

कुआलालंपुर।
भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने धैर्य और चरित्र का शानदार प्रदर्शन करते हुए एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप मलेशिया 2023 के रोमांचक क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड को 4-3 से हरा दिया।

दुनिया के तीसरे नंबर के भारत और दुनिया के चौथे नंबर के नीदरलैंड के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबले की तैयारी के अनुरूप मैच में, भारत ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए जबरदस्त लचीलापन दिखाया, जहां उनका मुकाबला 14 दिसंबर को जर्मनी से होगा।

नीदरलैंड्स ने पहले क्वार्टर की शुरुआत में टिमो बोअर्स (5) के पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर मैच को आगे बढ़ाया। भारतीय टीम के मजबूत बचाव के बावजूद, दूसरे क्वार्टर में पेपिज़न वैन डेर हेजडेन (16) ने एक और पेनल्टी कॉर्नर रूपांतरण के माध्यम से नीदरलैंड के लिए गोल किया, जिससे हाफ टाइम तक उनकी बढ़त 2-0 हो गई।

भारत ने तीसरे क्वार्टर में अरिजीत सिंह हुंदल की सहायता से आदित्य लालेज (34) के गोल के साथ जोरदार वापसी की। दो मिनट बाद अरिजीत ने पेनल्टी स्ट्रोक से भारत के लिए बराबरी का गोल किया। भारत के साथियों ने डचों पर दबाव बनाए रखा लेकिन वे एक और पेनल्टी कार्नर बनाने में कामयाब रहे जिसे तीसरे क्वार्टर के अंत में ओलिवर हॉर्टेंसियस (44) ने गोल में बदल दिया क्योंकि डचों ने तीसरे क्वार्टर के अंत में एक गोल की मामूली बढ़त हासिल कर ली।

दस मिनट से भी कम समय शेष रहने पर, भारतीयों ने अपने खेल की गति बढ़ा दी और यह उपयोगी साबित हुआ क्योंकि सौरभ आनंद कुशवाह (52) ने एक शानदार हमले के बाद रिबाउंड पर नेट पर गोल कर स्कोर 3-3 कर दिया। पेनल्टी कॉर्नर को बदलने का एक और मौका बनाया गया था, इस बार यह भारत के पक्ष में था और कप्तान उत्तम सिंह (57) ने इसका पूरा उपयोग करते हुए केवल तीन मिनट शेष रहते हुए भारत को आगे कर दिया। घड़ी में बस कुछ ही मिनट बचे थे, डचों पर बराबरी करने का दबाव था।

भारत की जीत को डच पक्ष के दबाव से रोकने के लिए भारतीयों को अपना चरित्र दिखाना था, और भारत की रक्षा का केंद्र बिंदु रोहित थे, जिन्हें भेदना कठिन था - क्योंकि उन्होंने अंतिम क्वार्टर में लगातार छह पीसी को रोककर भारत की जीत सुनिश्चित की। उनके प्रयासों के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

भारत 14 दिसंबर को भारतीय समयानुसार 1530 बजे पहले सेमीफाइनल में जर्मनी से खेलेगा।

2019 के बाद पुरूष क्रिकेट से अधिक हुई महिला क्रिकेट की प्रगति : गांगुली

नई दिल्ली । भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि भारत में महिला क्रिकेट ने 2019 के बाद से पुरूष क्रिकेट की तुलना में अधिक प्रगति की है। गांगुली ने कहा कि भारत में 2019 के बाद से महिला क्रिकेट ने काफी प्रगति की है, पुरूष क्रिकेट से भी अधिक प्रगति हुई है। पुरूष क्रिकेट हमेशा से अच्छी स्थिति में था। उन्होंने कहा कि महिला क्रिकेट ने जहां से यहां तक का सफर तय किया है, वह काबिले तारीफ है। एशिया कप जीतना, विश्व कप में प्रदर्शन और राष्ट्रमंडल खेल में उपविजेता रहना। उन्होंने कहा कि हरमनप्रीत, स्मृति, रिचा, जेमिमा, शेफाली, सभी की प्रगति प्रभावी रही है। सौरभ गांगुली ने कहा कि जब झूलन गोस्वामी ने संन्यास लिया तो लगा कि अगली तेज गेंदबाज कहां से आएगी लेकिन पिछले तीन साल में रेणुका ठाकुर आई। महिला क्रिकेट के लिये यह बहुत अच्छी बात रही। दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली ने कहा कि हाल ही में महिला प्रीमियर लीग की नीलामी के दौरान भारत की प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को टीमों द्वारा चुने जाने से उन्हें काफी अच्छा लगा है।

रिंकू सिंह से युवी बनने की उम्मीद कर रहे पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर

नई दिल्ली ।
भारत के महान पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर का मानना है कि रिंकू के अपनी क्षमताओं पर विश्वास ने उन्हें बाकियों से अलग दिखने में मदद की है। अगस्त में आयरलैंड के खिलाफ पदार्पण के बाद से युवा बल्लेबाज ने टी20आई में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान अंतिम ओवर में लगातार पांच छक्के लगाने के बाद रिंकू ने सुर्खियां बटौरी जिससे कोलकाता नाइट राइडर्स ने अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस के खिलाफ यादगार जीत दर्ज की। भारत के महान पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा कि रिंकू के अपनी क्षमताओं पर विश्वास ने उन्हें बाकियों से अलग दिखने में मदद की है।

गावस्कर ने कहा, पिछले 2-3 साल, फिर यहां आईपीएल में, जब उन्हें आखिरकार मौका मिला तब वह कई टीमों से अंदर-बाहर होते रहे और जिस तरह से उन्होंने इस भुनाया (वह अद्भुत था)। रिंकू ने छह टी20 पारियां खेलकर 60 की औसत और 187.50 की स्ट्राइक रेट से 180 रन बनाए हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के दौरान वह भारत के लिए अहम खिलाड़ी साबित होने वाले हैं। गावस्कर ने उल्लेख किया कि भारतीय प्रशंसक दक्षिणपूर्वी की क्षमताओं की तुलना युवराज सिंह से कर रहे हैं, जो सफेद गेंद वाले क्रिकेट में भारत के महानतम मैच विजेताओं में से एक हैं। भारत के पूर्व कप्तान ने कहा कि युवराज ने देश के लिए जो किया अगर रिंकू उसका एक अंश भी अनुकरण कर सके, तब यह एक अभूतपूर्व उपलब्धि होगी। गावस्कर ने कहा, और अब वह भारत की टीम का हिस्सा है। अब उनसे बहुत सारी उम्मीदें हैं। वे अब उनसे दूसरे युवराज सिंह बनने की उम्मीद कर रहे हैं। गावस्कर ने कहा, इसलिए युवराज ने भारतीय क्रिकेट के लिए जो किया अगर आप उसका एक अंश भी कर सकते हैं, तब उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया होगा।

केट क्रॉस के आने से आरसीबी की गेंदबाजी में आएगी धार : स्मृति मंधाना

मुंबई ।
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु(आरसीबी) की कप्तान स्मृति मंधाना ने उम्मीद जाहिर कि इंग्लैंड की अनुभवी तेज गेंदबाज केट क्रॉस के टीम में आने से महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2024 के दूसरे सत्र में गेंदबाजी में पैनापन आएगा और वह खासकर पावरप्ले में रेणुका सिंह की मदद करने में सफल रहेंगी। रॉयल चैलेंजर्स ने नीलामी में क्रॉस को 30 लाख रुपये में खरीदा।

32 साल की खिलाड़ी को फ्रेंचाइजी क्रिकेट का अच्छा अनुभव है। वह ब्रिस्बेन हीट और मैनचेस्टर ओरिजनल्स जैसी टीमों का प्रतिनिधित्व कर चुकी है। मंधाना ने कहा, 'हमारे पास अब केट क्रॉस है। मुझे लगता है कि वह पावरप्ले में (तेज गेंदबाज) रेणुका को अच्छी तरह से मदद करेगी। इस नीलामी में आरसीबी का ध्यान विशेषज्ञ बल्लेबाजों की तुलना में अधिक गेंदबाजों और हरफनमौला खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने पर था।

मंधाना ने कहा कि टीम ने इसी लक्ष्य को ध्यान में रखकर नीलामी में भाग लिया था। आरसीबी ने क्रॉस के अलावा एकता बिष्ट (बाएं हाथ की स्पिनर), जॉर्जिया वेयरहैम (लेग स्पिनर), सब्बिनेनी मेघना (हरफनमौला), सिमरन बहादुर (मध्यम तेज गेंदबाज), सोफी मोलिनेक्स (बाएं हाथ की स्पिनर) और शुभा सतीश (हरफनमौला) को टीम में शामिल किया। मंधाना ने कहा, मोलिनेक्स और वेयरहैम की मौजूदगी से गेंदबाजी बहुत अनुभवी दिखती है। हमारे पास श्रेयंका, सोफी डिवाइन और एलिसे पेरी जैसे खिलाड़ी भी हैं। डब्ल्यूपीएल के शुरुआती सत्र में आरसीबी का प्रदर्शन खराब रहा और वह पांच टीमों की लीग में चौथे स्थान पर रही।

डब्ल्यूपीएल 2024 के लिए आरसीबी टीम : स्मृति मंधाना, आशा शोभना, दिशा कसाट, एलिसे पेरी, हीदर नाइट, इंद्राणी रॉय, कनिका आहूजा, रेणुका सिंह, ऋचा घोष, श्रेयंका पाटिल, सोफी डिवाइन, जॉर्जिया वेयरहम, केट क्रॉस, एकता बिष्ट, शुभा सतीश , सब्बीनेनी मेघना, सिमरन बहादुर और सोफी मोलिनेक्स।

प्रोफेशनल बॉक्सिंग में उतर सकती हैं मैरीकॉम, कहा पेशेवर बन सकती हूं, लेकिन अभी नहीं पता क्या करूंगी

नई दिल्ली ।
ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज मैरीकॉम ने आगामी वर्षों में पेशेवर मुक्केबाज बनने की संभावना को खारिज नहीं किया है क्योंकि यह अनुभवी मुक्केबाज आयु से जुड़ी सीमाओं के कारण अब एमेच्योर (गैर-पेशेवर) मुक्केबाजी में चुनौती पेश नहीं कर सकतीं। राष्ट्रमंडल खेलों के 2022 में हुए चयन ट्रायल के दौरान एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट (एसीएल) की चोट के बाद से इस छह बार की विश्व चैंपियन मुक्केबाज ने प्रतिस्पर्धा पेश नहीं की है। उन्होंने हालांकि अब तक संन्यास की घोषणा नहीं की है। नियमों के अनुसार 40 वर्ष से अधिक की उम्र की मुक्केबाज एमेच्योर वर्ग में चुनौती पेश नहीं कर सकती और मैरीकॉम अब 41 साल की हैं।

खेलो इंडिया पैरा खेलों में यहां पदक विजेताओं को पदक देने के बाद मैरीकॉम ने कहा, 'अगर मैं अपने दिल से कहूं तो मेरे में अब भी कुछ करने की भूख है। अब भी प्रतिस्पर्धा करना चाहती हूं और अपने देश का प्रतिनिधित्व करना चाहती हूं। लेकिन इस साल से मैं आयु सीमा के कारण प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाऊंगी।

उन्होंने कहा, 'लेकिन मैं फिर भी मुक्केबाजी से जुड़ा कुछ करने की कोशिश करूंगी। मैं पेशेवर बन सकती हूं लेकिन अभी नहीं पता कि मैं क्या करूंगी। मेरे अंदर अब भी एक से दो साल या यहां तक कि चार साल तक खेलने का जज्बा है।' मैरीकोम ने कहा कि पैरा एथलीट असली नायक हैं क्योंकि उन्हें देश को गौरव करने के लिए बाधाओं से लड़ना पड़ता है।

मैरीकॉम ने कहा, 'मैं इस साल आयु सीमा के कारण प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकी, मैं कई प्रतियोगिताओं से चूक गई। मुझे बड़ी चोट लगी थी, एसीएल चोट और ठीक होने के बाद मैं राष्ट्रमंडल खेलों, एशियाई खेलों और विश्व चैंपियनशिप जैसी कई प्रतियोगिताओं से चूक गई।

पहले महिला टी20 मैच में भारत ने नेपाल को 8 रन से हराया

मुंबई।
बिनीता पुन की 92 रनों की साहसिक पारी बेकार चली गई, क्योंकि भारत ने यहां पुलिस जिमखाना क्रिकेट ग्राउंड में पहली बार नेत्रहीन महिला द्विपक्षीय टी20 सीरीज में नेपाल को 8 रनों से हरा दिया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए, भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में 194/4 रन बनाए और फिर नेपाल को 186/4 पर रोक दिया क्योंकि मेहमान लक्ष्य का पीछा करने में विफल रहे। जीत के साथ, भारत ने नेत्रहीन महिलाओं की द्विपक्षीय श्रृंखला में 1-0 की बढ़त ले ली है।

195 रनों का पीछा करते हुए, नेपाल ने भारतीय गेंदबाजों पर पूरी तरह से हमला बोल दिया, क्योंकि बिनीता पुन ने सनसनीखेज अर्धशतक लगाया और मेहमान टीम ने 11 ओवर में 100 रन बनाए।

नेपाल ने 12वें ओवर में मनकेशी चौधरी का विकेट जरूर गंवाया, हालांकि बिनीता ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और 18वें ओवर में स्कोर 170 रन तक पहुंचा दिया. जब सिर्फ 25 रन चाहिए थे तो भारत ने वापसी की और 8 विकेट हाथ में होने के बावजूद नेपाल को रन नहीं बनाने दिया। नेपाल ने दो और विकेट खोए और 186/4 पर सिमट गया।

फुला सारेन को उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्हें ट्रॉफी और प्रमाणपत्र के साथ 5000/- रुपये का नकद पुरस्कार मिला। भारत और नेपाल अब उसी स्थान पर दूसरे टी20 मैच में आमने-सामने होंगे।

इससे पहले दिन में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। विमेन इन ब्लू ने सुषमा पटेल और सिमू दास के साथ पहले तीन ओवरों में 35 रन बनाकर जोरदार शुरुआत की। चौथे ओवर में नेपाल की बिनीता पुन ने सिमू को रन आउट किया, हालांकि विकेट ने भारत की गति में बाधा नहीं डाली। सुनीता सराठे और सुषमा ने दूसरे विकेट के लिए 68 रन की साझेदारी की जिससे भारत 11वें ओवर में 100 रन के पार पहुंच गया। 13वें ओवर में भारत को एक और रन आउट का झटका लगा जब सुषमा 36 गेंदों में 41 रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद सरेन और रवन्नी ने चौथे विकेट के लिए अच्छी अर्धशतकीय साझेदारी की, क्योंकि भारत ने डेथ ओवरों में कुछ जोरदार झटकों के बाद निर्धारित 20 ओवरों में 194/4 रन बनाए।

वापसी से पहले कुवैत में प्रशिक्षण कर रहे हैं राफेल नडाल

नई दिल्ली। राफेल नडाल की एटीपी टूर में जल्द वापसी करीब आ रही है। 2024 ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में वापसी की उनकी यात्रा में 31 दिसंबर से 7 जनवरी तक होने वाले टूर्नामेंट से होनी है। स्पैनियार्ड ने कुवैत में राफेल नडाल अकादमी की यात्रा की, जो 2020 में शेख जाबेर अल-अब्दुल्ला अल-जबर अल-सबा अंतर्राष्टीय टेनिस कॉम्प्लेक्स में खुली। वहां, उन्होंने 19 वर्षीय फ्रांसीसी आर्थर फिल्स के साथ एक प्रशिक्षण सत्र साझा किया, जो हाल ही में नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में पहुंचे थे। नडाल ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, कुवैत में कुछ दिनों के लिए प्रशिक्षण प्राप्त करना बहुत अच्छा है। हर कोई स्वागत कर रहा है। हर चीज के लिए धन्यवाद। रिपोर्ट के अनुसार, नडाल ने ऑस्ट्रेलियाई गर्मियों में कुछ ही हफ्तों में मिलने वाले तापमान और स्थितियों की तलाश में कुवैत की यात्रा की। स्पैनियार्ड, जिसने हाल ही में अपनी वापसी के बारे में सतर्क उत्साह का संदेश पोस्ट किया था। इस साल 18 जनवरी को मैकेंज़ी मैकडोनाल्ड के खिलाफ ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में कोर्ट में उतरने के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धा करने की तैयारी कर रहा है। नडाल ने कहा, मैंने पिछली प्रेस कॉन्फ्रेंस में जो कहा था कि मैं प्रेस रूम में अपने खेल करियर को समाप्त नहीं कर सकता। मैं एक अलग तरीके से समाप्त करना चाहूंगा और मैंने संघर्ष किया है और वापसी करने के लिए तैयार हूं।

सलाह

7 दिनों तक खाली पेट खाएं लहसुन और शहद, शरीर को मिलेंगे इतने फायदे

लहसुन को सबसे शक्तिशाली सुपरफूड्स में से एक माना जाता है। हालांकि, इसकी तेज गंध हर किसी को पसंद नहीं आती है, लेकिन लहसुन से कई बीमारियों को होने से पहले की रोका जा सकता है। लहसुन से एथेरोस्क्लेरोसिस, कोरोनरी हार्ट डिजीज, हार्ट अटैक, ब्लड प्रेशर को कम करने और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी कम करने में मददगार होता है।

छोटी-मोटी बीमारियों जैसे आम सर्दी, फ्लू, बुखार, फंगल इंफेक्शन, दस्त और कीड़े के काटने में कारगर इलाज साबित होता है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को समाप्त कर प्रतिरक्षा बढ़ता है और यह प्रभावी रूप से पुराने ऑस्टियोअर्थराइटिस, बढ़े हुए प्रोस्टेट और मधुमेह के लक्षणों का इलाज करता है।

जब अदरक और शहद के साथ लहसुन को मिलाकर इस्तेमाल किया जाता है, तो इसका प्रभाव अधिक बढ़ाया जाता है। यह शरीर से उन जहरीले पदार्थों को निकालने की क्षमता रखता है, जिनमें कीमोथेरेपी जैसे आक्रामक उपचार की जरूरत होती है।

बेहतर परिणाम के लिए लहसुन को कच्चा ही उपयोग करना चाहिए। लहसुन को कुचल कर करीब 15 मिनट के लिए छोड़ दें फिर खा लें। इसे कुचल कर खाने से इसमें मौजूद तत्वों की बायोअवेलिबिलिटी (जैवउपलब्धता) बढ़ जाती है। गर्म करने पर लहसुन में पाया जाने वाले एक्टिव कंपाउंड एलिसिन की क्षमता कम हो जाती है। सीधी भाषा में कहें, तो खाना पकाने से इसके चिकित्सकीय गुण कम हो जाते हैं।

लहसुन को खाली पेट खाने की सलाह दी जाती है क्योंकि पेट भरा होने पर इसके पोषक तत्वों पूरी तरह अवशोषित नहीं हो पाते हैं। शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए नियमित रूप से शहद और लहसुन के टॉनिक का सेवन करना चाहिए।

एनर्जी बढ़ने के लिए यह करें

2 से 3 लहसुन की कलियों को पीस कर एक चम्मच शहद के साथ रोजाना लें। इससे शरीर की ऊर्जा का स्तर बढ़ता है और कुल मिलाकर स्वास्थ सही रहता है।

फ्लू का टॉनिक बनाने के लिए

लहसुन की 5 कलियां कटी हुई, 2 लाल मिर्च कटी हुई, 1 चम्मच अदरक कटी हुई, एक नींबू का रस, कच्चा और अनफिल्टर्ड सेब साइडर सिरका मिलाकर पीने से फ्लू का असर नहीं होता है।

अंधेरे में मोबाइल का इस्तेमाल बना सकता है अंधा

अगर आप अक्सर अंधेरे में स्मार्टफोन इस्तेमाल करते हैं तो सावधान हो जाइए, क्योंकि यह आपकी आंखों को बुरी तरह से नुकसान पहुंचा रहा है। एक रिसर्च में यह बात सामने आई है कि जो लोग रात में बेड में लेटकर तीस मिनट तक मोबाइल पर नजरें गड़ाए रखते हैं, उनको अंधेपन का सामना कर पड़ सकता है।

डॉक्टरों का कहना है कि जब भी आप रात में स्मार्टफोन का इस्तेमाल करें तो उसकी स्क्रीन को डार्क रखें। यानी ब्राइटनेस बिल्कुल खत्म कर दें। न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में छपे में एक लेख के मुताबिक डॉक्टरों के पास इस तरह के दो केस अब तक सामने आ चुके हैं।

यह दोनों महिलाएं थीं। इन दोनों ने क्षणिक अंधेपन की बात बताई। डॉक्टर का कहना था कि क्षणिक अंधापन आंखों को नुकसान पहुंचाता है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अगर स्मार्टफोन का इस्तेमाल सावधानी से किया जाए तो इस समस्या से दूर रहा जा सकता है।

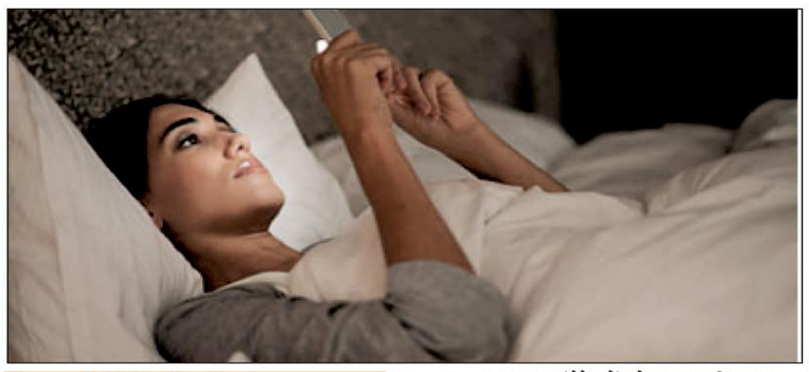

हो सकती हैं ये परेशानियां

अंधेरे में स्मार्टफोन का इस्तेमाल करने से बॉडी में मेलाटोनिन हॉर्मोन का लेवल कम होने लगता है। मेलाटोनिन हॉर्मोन का लेवल कम होने के साथ-साथ ब्रेन ट्यूमर का खतरा बढ़ जाता है।

अगर आप अंधेरे में रोज 30 मिनट तक स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते हैं तो आंखें ड्राई होने लगती हैं, साथ ही इससे हमारी आंखों के रेटिना पर बुरा असर पड़ता है। अंधेरे में स्मार्टफोन का इस्तेमाल करने से हमारी आंखों और ब्रेन पर काफी बुरा असर पड़ता है।

दो साल के बच्चे जैसे होते हैं डॉगी,

पेट पैरंट्स के दिमाग में यही सवाल कौंधता रहता है कि आखिर हमारा पेट हमसे क्या कहना चाहता है, अगर थोड़ा ध्यान दें तो पेट की भाषा को समझने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।

कुत्ता पालना न सिर्फ एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, बल्कि पेट ओनर बनने के लिए आपके अंदर ऐसी शारीरिक क्षमता होनी चाहिए कि आप अपने कुत्ते या पेट की बॉडी लैंग्वेज समझ सकें। पेट पैरंट्स के दिमाग में यही सवाल कौंधता रहता है कि आखिर हमारा पेट हमसे क्या कहना चाहता है, या फिर ये अपनी पूंछ क्यों हिला रहा है? क्या ये इस वक्त खुश है या फिर डरा हुआ है, ये मेरे-पीछे पीछे पूरे घर में क्यों घूम रहा है? कहीं इसलिए तो नहीं कि इसको भूख लगी है या फिर ये मुझसे बहुत प्यार करता है इसलिए ऐसा कर रहा है? वैसे अगर आप थोड़ा ध्यान दें तो अपने पेट की भाषा को समझने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।

आप उसके बिहेवियर से आसानी से जान सकते हैं कि वह इस वक्त खुश है या परेशान है। कई रिसर्च से पता चला है कि कुत्ते इंसानों खासकर टीनेजर्स की तरह न सिर्फ मूडी होते हैं, बल्कि छोटे बच्चों की तरह इमोशनल भी होते हैं। इन रिसर्चों में पता चला है कि इनके ब्रेन की बनावट इस मामले में इंसानों से मेल खाती है और उनके ब्रेन में भी ठीक वैसे ही केमिकल चेंज होते हैं, जैसे किसी इमोशनल बच्चे के दिमाग में होते हैं।

यह भी पाया गया है कि इनके दिमाग में भी दूसरों के लिए प्यार और ममता जैसे भावों के दौरान ब्रेन में बनने वाला केमिकल ऑक्सिटॉसिन बनता है। लेकिन इनके हर तरह के इमोशन को समझने के लिए फिर भी इंसान को थोड़ी मेहनत करनी होगी। एक वयस्क आदमी के बजाय कुत्ते का बिहेवियर एक दो साल के बच्चे की तरह होता है। कुत्तों के दिमाग में छोटे बच्चों वाले इमोशन ज्यादा भरे होते हैं। अपने कुत्ते के इमोशंस को समझने के लिए आपको नीचे बताए गए पॉइंट्स पर काम करना होगा ताकि आपका कुत्ता आपको समझे और आप उसे।

हमेशा पेट से हंस कर मिलें - कुत्ते बेहद सेंसिटिव होते हैं। उनके सामने आपका बिहेवियर कैसा है, यह बहुत मायने रखता है। जिस तरह एक दो साल का बच्चा आपकी तरफ अपनी हर जरूरत के लिए देखता है, उसी तरह कुत्ते का बिहेवियर आप पर डिपेंड करता है।

आपके पॉजिटिव और नेगेटिव इमोशन का उस पर बहुत बड़ा असर पड़ता है। कुत्ते इंसान की बॉडी लैंग्वेज समझने के काबिल भी होते हैं, इसलिए जरूरी है कि आप जब भी अपने पेट से मिलें तो हंस कर मिलें। अगर आप गुस्से में अपने कुत्ते को डांटते हैं और उसने अपना सिर झुका लिया है तो यह मत समझिए कि वह गिल्ट महसूस कर रहा है। इसका मतलब होता है कि वह आपके गुस्से को महसूस कर रहा है। इसलिए कुत्ते से नाराज होने पर डांटना अवॉइड ही करें, क्योंकि वह इसे नहीं समझता।

उसकी डाइट का ख्याल रखें - उसे हमेशा कंप्लीट और बैलेंस डाइट दें। यह पता लगाना कि आपके डॉग के लिए क्या अच्छा रहेगा बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि डॉग्स भी आपके बच्चों की तरह ही इमोशनल होते हैं। जबकि उनकी खाने-पीने की जरूरतें हमसे बेहद अलग होती हैं। हम लोग सोचते हैं कि हम खुद जो खाते हैं, वहीं अपने पेट को देकर हम उससे लाड़ जता रहे हैं। जबकि यह एकदम गलत है।

अगर आप भी अपने डॉग को अपने जैसी ही डाइट देते हैं, तो अपने आपसे पूछिए, क्यों छोटे बच्चों को बड़ों के मुकाबले हाई प्रोटीन, फैट और माइक्रो न्यूट्रीएंट वाला खाना दिया जाता है? क्योंकि उनकी शारीरिक रचना अलग होती है और उनकी ग्रोथ भी अलग होती है।

किसी बच्चे की तरह ही डॉग को भी प्रॉपर डाइट चाहिए होती है, जिससे उन्हें अपनी शारीरिक रचना के मुताबिक पोषण की आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिले। क्या आपको पता है कि डॉग्स को अपनी डाइट में विटिमिन सी की जरूरत नहीं होती, क्योंकि वे इसे खुद बना लेते हैं। जबकि वे विटामिन डी नहीं बना सकते, इसलिए उन्हें अपनी डाइट में इसकी जरूरत होती है। छोटे डॉगी को एक बच्चे के मुकाबले में तीन से चार गुना प्रोटीन और 50 गुना ज्यादा आयरन चाहिए होता है।

उसकी आंखों में देखें- आंखें आत्मा के आइने की तरह होती हैं। अमेरिकन सोसायटी फॉर द प्रिवेंशन टु क्रूअलटी टु एनिमल्स के मुताबिक, अगर आपका कुत्ता खुश और आराम में नजर आ रहा है, तो उसकी आंखें नॉर्मल शेप में होंगी। जब आपका कुत्ता अलग-अलग गतिविधियों में मशगूल होता है, तब उसकी नजरों की तरफ ध्यान देना चाहिए। अगर उसकी आंखें सामान्य से बड़ी हैं, तो वह तनाव में हो सकता है या उसे किस चीज का डर भी हो सकता है।

खान-पान

मांसाहार का बेहतर विकल्प सोया पनीर टोफू

कैल्शियम और प्रोटीन से भरपूर सोया पनीर बढ़ते बच्चों से लेकर गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों तक के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसे सोया दूध से बनाया जाता है। टोफू शरीर में कैल्शियम और प्रोटीन के स्तर को संतुलित रखता है। जिम जाने वालों के लिए भी यह बॉडी बिल्डिंग का अच्छा विकल्प हो सकता है। **आइए जानें कैसे** -

कलेस्ट्रॉल कम करने में मददगार टोफू से शरीर में खराब कलेस्ट्रॉल का स्तर कम होता है। अगर आप मांस की जगह टोफू का सेवन करेंगे, तो ट्राइग्लिसराइड और कलेस्ट्रॉल का स्तर कम हो जाएगा।

बीमारियों से बचाए

इसके अलावा इसमें मिलने वाले ऐंटिऑक्सिडेंट शरीर में पैदा होने वाले फ्री रेडिकल्स को नष्ट करता है, जिससे आप उम्र से जवां नजर आते हैं। अगर पर्याप्त मात्रा में टोफू का सेवन किया जाए, तो यह ब्रेस्ट कैंसर, हृदय की बीमारियों और ऑस्टियोपरोसिस को भी रोकता है।

हड्डियों को मजबूत बनाए

टोफू खाने के फायदों में एक हड्डियों की मजबूती भी है। टोफू मांसपेशियों के साथ हड्डियों को भी मजबूत बनाता है। इसमें पाए जाने वाले प्रोटीन और मिनरल्स हड्डियों को मजबूत बनाए रखते हैं। इसका उचित मात्रा में सेवन महिलाओं के लिए भी फायदेमंद होता है।

मांसाहार का अच्छा विकल्प

टोफू मांसाहार का अच्छा विकल्प होने के कारण शाकाहारियों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। एक शोध से पता चला है कि नियमित और पर्याप्त मात्रा में टोफू का सेवन करने वाले मांसाहार खाने वालों की तुलना में ज्यादा प्रोटीन लेते हैं। इसमें वह सब पाया जाता है, जो मांस में होता है। इसमें अमीनो ऐसिड और आइसोफ्लेवोनिस पदार्थ पाया जाता है, जिससे मांसपेशियां तेजी से विकसित होने लगती हैं।

प्रोटीन से भरपूर

टोफू प्रोटीन का एक बेहतरीन स्रोत है। सिर्फ आधे कप टोफू से हमें 10 ग्राम प्रोटीन मिलता है। इतना ही नहीं इस 10 ग्राम प्रोटीन में 88 कैलरी एनर्जी होती है। यह एनर्जी बिना त्वचा वाले एक मुर्गे से सिर्फ 45 कैलरी कम होती है। टोफू में जिंक, आयरन, सेलेनियम, पटेशियम और अन्य कई विटमिन और मिनरल्स भी पाए जाते हैं।

...तो ऐसे होगी कम पैसों में ज्यादा शॉपिंग

शॉपिंग करना भला किसे अच्छा नहीं लगता, लेकिन इसे करने का मजा तब दोगुना हो जाता है जब आप कम पैसों में ज्यादा चीजें खरीदती हैं। अगर आप प्लानिंग से चलेंगी, तो आप अपना बजट 25 त्न तक कम कर सकती हैं, **बस जरूरत है इन्हें फॉलो करने की...**

सबसे पहले उन चीजों को एक डायरी पर लिख लें, जो आपको खरीदनी हो। क्वॉन्टिटी भी जरूर लिखें। यह न हो कि चाहिए दो ड्रेस और आप खरीदकर ले आएं चार ड्रेस। लिस्ट में चीजों को प्रेफरेंस के बेस पर खरीदें।

अगर सारी चीजें न खरीद पाएं, तो जरूरी चीजें लें। चीजों पर कितना खर्च होगा उसे काउंट करें और उसमें से 25 पर्सेंट कम कर दें। खास ख्याल रखें कि अब जो खर्च आया है, उसी पर टिके रहें।

आप सोच रहे होंगे कि आखिर कैसे/ तो इसके लिए ध्यान रखें उन दिनों चल रही सेल व ऑफर्स पर। यह आपके बजट को कम कर देगा। एक ही दुकान पर जाकर शॉपिंग शुरू न कर दें। पहले दो से तीन दुकान के रेट चेक कर लें।

जगह तय करें

शॉपिंग किस मार्केट से करनी है, यह पहले डिसाइड कर लें। जगह ऐसी चुनें, जहां रीजनेबल प्राइस में अच्छी चीज मिल सके। अगर आप प्लैनिंग करके नहीं चलेंगे, तो आप केवल एक दुकान से दूसरी दुकान पर घूमते रह जाएंगे।

और आखिर में जो मिलेगा उसे खरीद लेंगे। इससे समय तो खराब होता ही है, पैसे वेस्ट होंगे। सबसे अच्छा तो यह है कि उन जगहों की लिस्ट बना लें, जहां आपकी पसंद का सामान सही प्राइस में मिलता हो। उसके बाद उन जगहों में से एक को फाइनल कर लें और वहीं शॉपिंग करें।

क्रेडिट कार्ड से तौबा

शॉपिंग करते समय क्रेडिट कार्ड का यूज न करें। दरअसल, क्रेडिट कार्ड से पेमेंट आप फटाफट करते चले जाते हैं, जबकि कैश करने पर आपको सोचना पड़ता है। क्रेडिट कार्ड से ऐसी चीजें भी खरीद ली जाती हैं, जिनकी बहुत जरूरत नहीं होती, क्योंकि उस समय दिमाग में यह रहता है कि इस समय खरीद लेते हैं, बाद में किस्त देते रहेंगे।

पता कर लें प्राइस

आपको जो सामान या चीज खरीदनी हो, उसकी जानकारी के लिए आप उनकी वेबसाइट चेक करें। इंटरनेट पर आपको अलग- अलग ब्रैंड्स के प्रॉडक्ट्स की कीमत भी पता चल जाएगी। इससे आप यह भी जान पाएंगे कि कहां कौन-सा रेट चल रहा है। कौन-सी कंपनी क्या ऑफर दे रही है और कितना/

स्कैनर पर रखें नजर

पेमेंट करते समय स्कैनर पर जरूर नजर रखें। हो सकता है कि कैशियर एक प्रॉडक्ट को दोबारा बिल में जोड़ दे या वह किसी प्रॉडक्ट की कीमत ज्यादा लिख दे।

पीक आवर्स में शॉपिंग न करें

हमेशा शॉपिंग ऐसे समय पर ही करने जाएं, जब भीड़ कम हो और पेमेंट के लिए लाइन छोटी हो। साथ ही आपके पास भी फुर्सत हो। हमें कोशिश करनी चाहिए कि शाम, रात और रविवार की दोपहर में शॉपिंग पर न जाएं।

माउथवॉश से दूर हो जाएंगी स्किन की पुरानी से पुरानी परेशानियां, ऐसे करें ट्राई

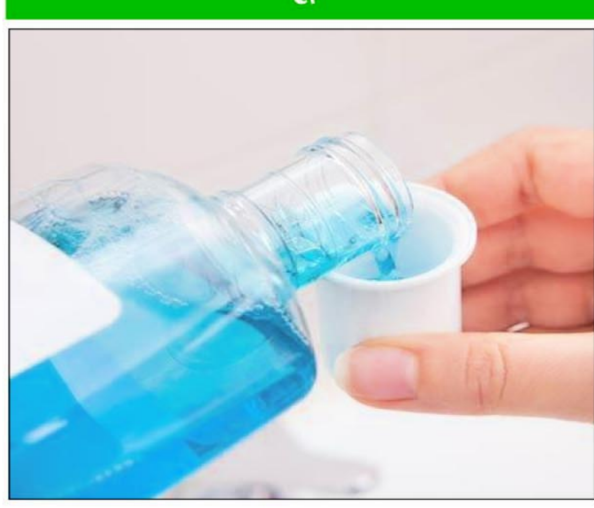

मुंह से आने वाली बदबू को दूर करने के लिए लोग माउथवॉश का इस्तेमाल करते हैं। क्या आपको पता है कि माउथवॉश सिर्फ मुंह की दुर्गंध के लिए ही नहीं बल्कि और भी कई परेशानियों का हल है।

माउथवॉश से जुड़े ब्यूटी टिप्स शायद ही महिलाओं को मालूम हों। माउथवॉश से ब्यूटी से जुड़ी कई परेशानियों को दूर किया जा सकता है। अगली स्लाइड में जानिए माउथवॉश को किस तरह इस्तेमाल करने से स्किन की समस्याएं दूर हो जाएंगी।

मुंह से आने वाली बदबू को दूर करने के लिए लोग माउथवॉश का इस्तेमाल करते हैं। क्या आपको पता है कि माउथवॉश सिर्फ मुंह की दुर्गंध के लिए ही नहीं बल्कि और भी कई परेशानियों का हल है।

माउथवॉश से जुड़े ब्यूटी टिप्स शायद ही महिलाओं को मालूम हों। माउथवॉश से ब्यूटी से जुड़ी कई परेशानियों को दूर किया जा सकता है। अगली स्लाइड में जानिए माउथवॉश को किस तरह इस्तेमाल करने से स्किन की समस्याएं दूर हो जाएंगी।

रूसी

ठंडियों में बालों में रूसी की समस्या होना आम है। इस समस्या के लिए माउथवॉश कारगर साबित होगा। बालों को शैंपू के साथ धोने के बाद जड़ों पर माउथवॉश से मसाज करें और फिर पानी से बाल धोकर कंडीशनर करें। हफ्ते में एक बार ऐसा करने से एक महीने बाद रूसी गायब हो जाएगी।

रेसिपी

घर में ऐसे बनाएं गुजराती नमकीन चोराफली

सामग्री

गुजराती डिश में हम आपको एक गुजराती नमकीन की रेसिपी बताने जा रहे हैं। इसे एक बार बनाकर रखने से आप इसे एक महीने तक खा सकते हैं। गुजराती नमकीन का नाम चोराफली है।

इस नमकीन को चोराफली फाफड़ा भी कहते हैं। आमतौर पर गुजरात में चोराफली त्योहारों पर बनाया जाता है, लेकिन कुरकुरे और चटपटे चोराफली को आप अपने स्नैक्स के लिए बनाकर रख सकते हैं।

ऐसे बनाएं

» चोराफली को बनाने के लिए बेसन, उरद दाल का आटा, 2 टेबल स्पून तेल और नमक डालकर मिला लें
» इसे पानी की मदद से सख्त आटा गूंथ लें
» तैयार आटे को 1 घंटे के लिए ढककर रख दें
» एक घंटे के बाद आटे को एक बार फिर अच्छे से मसलते हुए सॉफ्ट कर लें
» अब इसकी छोटी-छोटी लोइयां काटें

लोइयों को पतला बेलें

» तैयार पूरी को 1-1.5 सेमी की चौड़ाई में लंबी-लंबी पट्टियों में काट लें
» इसके बाद कढ़ाई में तेल गर्म करें और इन्हें तलें
» जब ये फूलकर उपर आ जाएं तो इन्हें पलटें और हल्का ब्राउन होने तक फ्राई करें
» गर्म चोराफली पर ही काला नमक और लालमिर्च पाउडर छिड़ककर मिक्स करें
» इस तरह तैयार गुजराती नमकीन चोराफली

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**